THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 192 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) भाद्रपद पूर्णिमा 2080 शुक्रवार, 29 सितंबर-2023 प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

2 दिन में
5 लाख का इजाफा
लेकर आना Cheque Book वाला लिफाफा

Booking QR Code

FOR OUTSTATION CLIENTS:
1 QR Code स्कैन कर ₹ 1 लाख से कोठी बुक करें
2 15 अक्टूबर तक साइट विजिट करें
3 पसंद नहीं आने पर पूरा पैसा वापस प्राप्त करें
अन्यथा
1 अक्टूबर से 5 लाख अधिक देकर नई रेट में कोठी बुक करें

FIXED PRICE

NO MIDDLE-MEN
DIRECT TO CUSTOMER

KEDIA सेजस्थान
KOTHI & WALK-UP APARTMENT
अजमेर रोड़, जयपुर

PROPOSED FIXED RATE & RENTAL

पजेशन तक 50% रेट बढ़ेगी
1.5 गुना

बड़ी-बड़ी कोठी
बड़े-बड़े फ्लैट

POSSESSION DEC. 2025

युनिट टाइप	साइज	अगस्त की रेट (NPO New Product Offer)	सितम्बर की रेट +5%	अक्टूबर की रेट +10%	नवम्बर की रेट +15%	दिसम्बर की रेट +20%	जनवरी की रेट +25%	पजेशन की रेट +50%	पजेशन के बाद रेंटल
2 BHK (GF) अपार्टमेंट	1350 Sq Ft	45 L	47.25 L	49.50 L	51.75 L	54 L	56.25 L	67.50 L	22,000
3 BHK (SF) अपार्टमेंट	1900 Sq Ft	50 L	52.50 L	55 L	57.5 L	60 L	62.50 L	75 L	25,000
3 BHK (FF) अपार्टमेंट	1900 Sq Ft	55 L	57.75 L	60.5 L	63.25 L	66 L	68.75 L	82.50 L	28,000
3 BHK BIG कोठी	2000 Sq Ft	60 L	63.00 L	66 L	69 L	72 L	75 L	90 L	30,000
4 BHK BIGGER कोठी	2325 Sq Ft	70 L	73.50 L	77 L	80.50 L	84 L	87.50 L	105 L	40,000
4 BHK BIGGEST कोठी	3200 Sq Ft	100 L	105 L	110 L	115 L	120 L	125 L	150 L	50,000

KEDIA®
1800-120-2323
info@kedia.com www.kedia.com
www.rera.rajasthan.gov.in | RERA No. RAJ/P/2023/2387

WALKTHROUGH QR CODE | DOWNLOAD BROCHURE | LOCATION QR CODE | ROUTE MAP | SITE TOUR 360 DEGREE
*T&C Apply

नौसेना ने सरकार से मांगी परमाणु सबमरीन और एयरक्राफ्ट कैरियर
हिंद महासागर में चीन को चित करने का बन रहा प्लान

मुंबई, 28 सितंबर (एजेंसियां)। हिंद महासागर में चीन की नौसेना अपनी पैठ बना रही है। इसे ध्यान में रखते हुए भारतीय नौसेना भी अपनी ताकत को बढ़ाना चाहती है। नौसेना ने सरकार से कहा है कि एक और एयरक्राफ्ट कैरियर यानी विमानवाहक पोत, तीन परमाणु संचालित पनडुब्बी (सबमरीन) और छह डीजल-इलेक्ट्रिक कंवेंशनल पनडुब्बी का निर्माण किया जाए। नौसेना चाहती है कि इन सबके जरिए उसकी ताकत में इजाफा हो, ताकि वह चीनी नौसेना का मुकाबला कर पाए। विमानवाहक पोत लेकर पनडुब्बियों तक का निर्माण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'आत्मनिर्भर भारत' विजन के तहत भारतीय शिपयार्ड में किया जाएगा। चीन ने बेल्ट-रोड-इनिशिएटिव की आड़ में मलक्का जलडमरूमध्य के पास कंबोडिया के रीम में लॉजिस्टिक्स बेस, बंगाल की खाड़ी में कोको द्वीप पर लिसनिंग पोस्ट, श्रीलंका में हंबनटोटा बेस, बलूचिस्तान में ग्वादर, ईरान में जस्क नौसैनिक बेस है और लाल सागर में जिबूती में एक बेस बनाया है।

समुद्र में चीन को पछाड़ने का प्लान

कहा जा रहा है कि 2025-2026 तक चीन के विमानवाहक पोत हिंद महासागर में गश्त लगाने लगेंगे। भारतीय नौसेना भी चाहती है कि वह किसी भी तरह से समुद्र में चीन से पीछे रह जाए। भारत का पहला विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रमादित्य वर्तमान में ऑपरेशन है, जबकि आईएनएस विक्रांत कारवार नेवल बेस पर रूटीन ऑवरऑल से गुजर रहा है। इन्हीं बातों को ध्यान में रखते हुए नई पनडुब्बियों और विमानवाहक पोत को सेना में शामिल किया जाने का प्लान है।

भारत की मदद कर रहा फ्रांस

भारत फ्रांस के साथ मिलकर तीन कल्वेरी क्लास की पनडुब्बियों को मुंबई के मझगांव डॉकयार्ड में तैयार करने के लिए बात कर रहा है। फ्रांस 5000 टन वजनी परमाणु संचालित पनडुब्बियों को डिजाइन करने और बनाने के लिए तैयार भी है। इसके अलावा, फ्रांस प्रोजेक्ट 76 के तहत पनडुब्बियों को डिजाइन करने और उन्हें बनाने के लिए भी तैयार नजर आ रहा है, अगर प्रोजेक्ट 75 पर बात नहीं बनती है। प्रोजेक्ट 75 के तहत छह डीजल-इलेक्ट्रिक पनडुब्बी हासिल करने का प्लान था।

बीजेपी नेता का आप सरकार पर पलटवार
पूछा- सीएम सबको क्यों नहीं दिखा देते बंगले के अंदर क्या है?

नई दिल्ली, 28 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के सरकारी आवास में हुए कथित घोटाले की सीबीआई जांच पर आप नेताओं की ओर से जारी बयान पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि अब दूध का दूध, पानी का पानी होगा। उन्होंने पूछा है कि सीएम अरविंद केजरीवाल क्यूं नहीं, सबको दिखाते की बंगले के अंदर क्या बना है? बीजेपी नेता तरुण चुघ ने कहा कि कोविड-19 के समय इस घोटाले को अंजाम दिया गया। आप नेता आम आदमी की बात करते हैं, पर यहां आम आदमी के पैसे का ही घोटाला किया गया।

राहुल, खड़गे के बाद उज्जैन दुष्कर्म मामले पर प्रियंका भी बोलीं
मध्य प्रदेश में 20 साल का कुशासन तंत्र

भोपाल, 28 सितंबर (एजेंसियां)। भगवान महाकाल की नगरी उज्जैन में 12 साल की बच्ची के साथ हुए दुराचार पर कांग्रेस हमलावर हो गई है। राहुल गांधी, कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष खड़गे के बाद अब प्रियंका गांधी ने भी मध्य प्रदेश सरकार पर जबरदस्त हमला बोला है। प्रियंका ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर लिखा कि भाजपा के 20 साल के कुशासन तंत्र में बच्चियां, महिलाएं, आदिवासी, दलित कोई सुरक्षित नहीं हैं। लाडली बहना के नाम पर चुनावी घोषणाएं करने का क्या फ़ायदा है अगर बच्चियों को सुरक्षा और मदद तक नहीं मिल सकती? प्रियंका गांधी ने आगे लिखा कि भगवान महाकाल की नगरी उज्जैन में एक छोटी बच्ची के साथ हुई बर्बरता आत्मा को झकझोर देने वाली है। अत्याचार के बाद वह ढाई घंटे तक दर-दर मदद के लिए भटकती रही और फिर बेहोश होकर सड़क पर गिर गई, लेकिन मदद नहीं मिल सकी। ये है मध्य प्रदेश की कानून व्यवस्था और महिला सुरक्षा? प्रियंका गांधी अगले महीने पांच अक्तूबर को धार जिले के मोहनखेड़ा आएंगी। वे यहां पर बड़ी रैली को संबोधित करेंगी। प्रियंका यहां मंच से उज्जैन की घटना का मुद्दा उठा सकती हैं। प्रियंका गांधी का मध्य प्रदेश का यह तीसरा दौरा है। इससे पहले वे 12 जून को जबलपुर और ग्वालियर में 21 जुलाई को आई थीं।

चंद्रपुर जिले में तेज रफ्तार ट्रक रिक्शे पर पलटा, 4 लोगों की मौके पर मौत

चंद्रपुर, 28 सितंबर (एजेंसियां)। चंद्रपुर जिले में बल्लारपुर बाईपास के पास बीती रात तेज रफ्तार ट्रक अनियंत्रित होकर रिक्शे पर पलटने से 4 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में घायल चार लोगों को तत्काल जिला सिविल अस्पताल में भर्ती करवाया गया। पुलिस के अनुसार बुधवार देर रात बल्लार बाईपास पर अष्टभुजा मंदिर की ओर से तेज रफ्तार ट्रक रेलवे फ्लाईओवर की ओर जा रहा था। अचानक ट्रक चालक का नियंत्रण बिगड़ जाने से ट्रक बगल से गुजर रहे एक रिक्शा पर पलट गया। घटना में रिक्शे में सवार संगीता चहांडे (56 वर्ष), अनुष्का खेरकर (22 वर्ष), प्रभाकर लोहे और ऑटो चालक इरफान खान (49 वर्ष) की घटनास्थल पर मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और चार घायलों को अस्पताल में भर्ती करवाया।

'भारत जोड़ो नहीं, इंडिया जोड़ो यात्रा निकालें राहुल गांधी' बीजेपी ने क्यों दी कांग्रेस नेता को ये सलाह?

नई दिल्ली, 28 सितंबर (एजेंसियां)। पंजाब में कांग्रेस विधायक सुखपाल खेहरा को पुलिस ने गुरुवार सुबह गिरफ्तार कर लिया। नारकोटिक्स ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस एक्ट (एनडीपीएस) मामले में पंजाब पुलिस ने कांग्रेस विधायक के घर पर छापा मारा था। छापेमारी के बाद विधायक को गिरफ्तार कर लिया गया। कांग्रेस विधायक की गिरफ्तारी के बाद इस पर सियासत भी हो रही है। इसी को लेकर बीजेपी ने इंडिया गठबंधन पर तंज कसा है।

बीजेपी प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने आप और कांग्रेस पर कटाक्ष किया है। पूनावाला ने कहा कि आप को कार्रवाई करने में इतनी देरी क्यों लग रही थी। मुझे लगता है कि कांग्रेस नेता प्रताप सिंह बाजवा के बयान के बाद ये कार्रवाई हुई है। दरअसल, प्रताप सिंह बाजवा ने बीते सोमवार को बड़ा दावा किया था। बाजवा ने कहा था कि आप के 32 विधायक मेरे संपर्क में हैं। लोकसभा चुनाव में पंजाब की सभी 13 सीटों पर कांग्रेस पार्टी चुनाव लड़ेगी।

'नया गठबंधन बनाएंगे
अन्नामलाई को हटाने के लिए नहीं कहा, अन्नाद्रमुक का बड़ा बयान

चेन्नई, 28 सितंबर (एजेंसियां)। अन्नाद्रमुकः साल 2024 के लोकसभा चुनावों से ठीक पहले एनडीए को बड़ा झटका तब लगा जब दक्षिण भारत के एक मजबूत साथी ने उसका साथ छोड़ दिया, जी हां यहां बात हो रही है अन्नाद्रमुक की, बीते सोमवार को पार्टी के उप महासचिव केपी मुनुसामी ने कहा कि 'हमने बीजेपी के साथ गठबंधन और एनडीए से बाहर होने के फैसला किया है।' इसके बाद सियासी गलियारों में चर्चा काफी गर्म थी कि शायद अन्नाद्रमुक अब इंडिया अलायंस का हिस्सा बन जाए लेकिन इसी बीच अन्नाद्रमुक का बड़ा बयान देकर सबको चौंका दिया है क्योंकि उसने कहा कि वो वह आगामी संसदीय चुनावों के लिए एक अलग गठबंधन बनाएगी और ना ही पार्टी ने भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष के अन्नामलाई को हटाने के लिए कहा है। अन्नाद्रमुक के वरिष्ठ नेता केपी मुनुसामी ने कृष्णागिरि में पत्रकारों से बात करते हुए ये बात कही।

महाराष्ट्र में सरकारी कर्मचारियों को पांच दिन का अवकाश

मुंबई, 28 सितंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में सरकारी कर्मचारियों को लंबी छुट्टी मिली है। राज्य सरकार में कार्यरत अधिकारियों और कर्मचारियों को कुल पांच दिन का अवकाश मिला है। दरअसल, आज गणेश चतुर्थी है और आज के दिन हर साल की तरह अवकाश होता है पर आज ही के दिन ईद ए मिलाद भी है। लेकिन गणेश चतुर्थी के ही दिन ईद ए मिलाद होने की वजह से ईद का अवकाश 28 सितंबर की बजाय 29 सितंबर कर दिया गया है। इस संबंध में महाराष्ट्र सरकार की तरफ से गजट जारी किया गया है। महाराष्ट्र में शनिवार और रविवार दो दिन का अवकाश होता ही है। उससे पहले गणेश चतुर्थी और ईद ए मिलाद की दो दिन का अवकाश दिया गया है।

गांधी जयंती पर चंबल पहुंचेंगे पीएम मोदी
ग्वालियर में आम सभा को करेंगे संबोधित

ग्वालियर, 28 सितंबर (एजेंसियां)। बीजेपी साल 2023 का एमपी विधानसभा चुनाव किसी भी सूरत में हारना नहीं चाहती। तभी एड़ी-चोटी का जोर पार्टी यहां लगा रही है। प्रदेश स्तर से लेकर केंद्रीय नेतृत्व लगातार एमपी में जनसभाएं कर रहा है। वहीं चुनावी साल में पीएम मोदी भी लगातार एमपी का दौरा कर रहे हैं। जी हां एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एमपी दौरे पर आने वाले हैं। 2 अक्टूबर यानी गांधी जयंती पर पीएम एमपी के चंबल अंचल में आएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दौरे को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट हो गया है। उनकी सुरक्षा व्यवस्था और यातायात रूट को लेकर बैठकों का दौर जारी है। बताया जा रहा है कि पीएम नरेंद्र मोदी ग्वालियर के मेला ग्राउंड में स्थित एक बड़ी विशाल आम सभा को संबोधित करेंगे। पीएम के दौरे को लेकर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ऋषिकेश मीणा ने बताया कि 2 अक्टूबर को ग्वालियर में पीएम नरेंद्र मोदी के दौरे की सूचना मिली है। इसको लेकर जिला प्रशासन के अधिकारी और पुलिस के अधिकारियों के बीच प्रारंभिक बैठक हो चुकी है। जिसमें सुरक्षा व्यवस्था और वीवीआईपी रूट को लेकर प्लान तैयार किया जा रहा है।

इसके साथ ही उन्होंने बताया है कि दौरे के दौरान मेला ग्राउंड में स्थित एक बड़ी आमसभा भी होगी। वहां, भी सुरक्षा व्यवस्था को लेकर लगातार रणनीति तैयार की जा रही है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ऋषिकेश मीणा ने बताया कि ट्रैफिक व्यवस्था को लेकर बैठक की जा रही है, जिसमें कितने जिले से कितने वाहन आएंगे। उसको लेकर बातचीत जारी है। जब एसपीजी यहां पर आएगी। उनके साथ भी सुरक्षा व्यवस्था और तैयारी को लेकर बैठक की जाएगी।

लालू पहुंचे सीएम आवास, आधे घंटे नीतीश से हुई बात
दो बार नीतीश गए थे, क्या हो सकती है वजह

पटना, 28 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार में महागठबंधन के अंदर फिलहाल लगभग सब ठीक कहा जा रहा है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की तबीयत भी ठीक है। लालू भी बीच-बीच में घूमने निकल रहे हैं। लेकिन, कुछ दिनों के अंदर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव के बीच तीसरी मुलाकात की खबर सामने आयी है। पिछले दिनों दो बार मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के आवास पर जाकर राजद अध्यक्ष लालू से मुलाकात की थी। अब गुरुवार को सुबह अचानक लालू प्रसाद मुख्यमंत्री आवास पहुंच गए। उन्होंने सीएम नीतीश कुमार से आधे घंटे बातचीत की।

मनोज झा के विवादित बयान से मचा है हंगामा

बिहार में इस समय राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के राज्यसभा सांसद मनोज झा के 'ठाकुर का कुआं' विवाद चरम पर है। राजपूत नेताओं ने इसपर हंगामा शुरू कर दिया है। जदयू के नेता भी मनोज झा को धमका चुके हैं। वैसे, बड़ा विद्रोह राजद विधायक चेतन आनंद का सामने आया है। चेतन आनंद ने सोशल मीडिया के जरिए मनोज झा को दस बातें सुनाई हैं। उन्होंने उस समय सदन में मौजूद भाजपा विधायकों को भी निशाने पर रखा। इसके बाद अब खबर आयी कि राजद विधायक चेतन आनंद के भाई ने भाजपा के पूर्व अध्यक्ष व रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से भी मुलाकात की है तो माहौल और गरमा गया। इसमें सबसे बड़ा हंगामा बाहुबली पूर्व सांसद आनंद मोहन के बयान पर आया, जिसमें उन्होंने मनोज झा की जीभ खींच लेने की बात कही है। ऐसे ही गरमाए माहौल में चूंकि सबकुछ राजद के खेमे से हो रहा है तो माना जा रहा है कि क्राइसिस मैनेजमेंट और माहौल को समझने के लिए, लालू प्रसाद ने सीएम आवास का रुख किया है।

प्रेमिका के साथ होटल के कमरे में था युवक पत्नी को यूं मिली खबर और फिर हो गया हंगामा

चरखी दादरी, 28 सितंबर (एजेंसियां)। (हरियाणा) भिवानी के एक गांव निवासी व्यक्ति ने पत्नी की आईडी पर अपने और अपने साले की पत्नी के लिए कमरा बुक कर लिया। भनक लगते ही उसकी पत्नी वहां पहुंच गई और दोनों को रंगेहाथ पकड़ लिया। दोनों के खिलाफ पुलिस को शिकायत दी गई जिसके आधार पर दादरी सदर थाना पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। पुलिस को दी शिकायत में भिवानी निवासी महिला ने बताया कि करीब 20 साल पहले उसकी शादी हुई थी। उसके तीन बच्चे हैं जिनमें से दो बेटे उसके हैं जबकि उसने भाई की लड़की को पंचायती तौर पर गोद लिया हुआ है। महिला ने बताया कि पिछले कई साल से उसके पति का चाल-चलन ठीक नहीं है। महिला ने आरोप लगाया कि उसकी सगी भाभी और उसके पति के बीच नाजायज संबंध हैं।

आप नेता प्रतिमा का गोवा यूनिट से इस्तीफा
बताई पार्टी छोड़ने की दिलचस्प वजह

नई दिल्ली, 28 सितंबर (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी (आप) की गोवा इकाई में फेरबदल के एक दिन बाद ही इस्तीफा हो गया है। पार्टी की ओर से नवनियुक्त उपाध्यक्ष प्रतिमा कोतिन्हो ने इस्तीफा दिया है। उन्होंने इसके लिए "निजी और पेशेवर कारण" का हवाला दिया है। आम आदमी पार्टी ने गोवा की नई इकाई की घोषणा की थी। इसमें प्रतिमा को उपाध्यक्ष बनाने की जानकारी दी गई थी। बुधवार (27 सितंबर) को कोतिन्हो ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया। 'आप' के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल को संबोधित इस्तीफा में कोतिन्हो ने कहा कि उन्होंने जल्दबाजी में नहीं बल्कि अपने निजी व पेशवर लक्ष्यों पर सावधानीपूर्वक विचार करके यह निर्णय लिया है। इस्तीफे में उन्होंने कहा कि यह उनके लिए नए रास्ते और नयी मंजिल तलाशने का समय है।

क्यों दिया इस्तीफा

उन्होंने कहा, "मेरा मानना है कि यह निर्णय मेरी दीर्घकालिक आकांक्षाओं और प्रगति के अनुरूप है। मैं एक निडर महिला हूं और मैं गोवा व गोवावासियों की बड़े पैमाने पर मदद करने के लिए अपने तरीके से काम करती हूं। फिलहाल यही मेरी प्राथमिकता है।" कोतिन्हो ने कहा है कि वह पिछले 10 सालों से गोवा की जनता के लिए काम करती रही हैं। इसका उनका अपना तरीका है और वह इसके लिए किसी पार्टी की टैग की जरूरत महसूस नहीं करती हैं।

प्रतिमा के इस्तीफा से चकित हैं आप नेता

प्रतिमा के अचानक इस तरह से इस्तीफा से गोवा की आम आदमी पार्टी के प्रमुख अमित पालेकर ने आश्चर्य जाहिर किया है। न्यूज एजेंसी पीटीआई से विशेष बातचीत में उन्होंने कहा, कोतिन्हो के फैसले से आश्चर्यचकित हूं। उन्होंने बताया, "दरअसल, प्रतिमा ने कल रात (मंगलवार) मुझे फोन करके राज्य की नई टीम (पार्टी) में अपनी नियुक्ति के लिए आभार व्यक्त किया था।" पार्टी में तकरार के बारे में पूछे जाने पर पोलेकर ने कहा कि ऐसी कोई बात नहीं है। आपको बता दें कि कोतिन्हो 2022 में विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस छोड़कर आप में शामिल हुई थीं।

पति को माता-पिता से अलग रखना क्रूरता अदालत ने इस आधार पर किया तलाक मंजूर

जबलपुर, 28 सितंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के जबलपुर जिले के कुटुंब कोर्ट के प्रधान जज केएन सिंह ने तलाक के एक मामले में तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा कि पति को माता-पिता से अलग रहने विवश करने वाली पत्नी क्रूरता की दोषी है लिहाजा, पति द्वारा प्रस्तुत तलाक की अर्जी मंजूर की जाती है। इस आदेश के साथ ही ग्राम मनकेड़ी, पुलिस थाना बरगी जबलपुर निवासी पति को कोर्ट से राहत मिल गई। याचिकाकर्ता पति की ओर से अधिवक्ता संदेश दीक्षित ने अदालत में पक्ष रखते हुए बताया कि पत्नी ने अपने पति को वृद्ध माता-पिता से अलग रहने को विवश किया। इसलिए पति को तलाक की अर्जी दायर करने मजबूर होना पड़ा। पत्नी दो मई 2013 को विवाह के बाद से ही प्रताड़ित करने लगी थी। उसकी प्रताड़ना के कारण पति अपनी पत्नी के साथ दो वर्ष तक उसके मायके में रहने मजबूर हुआ।

बीजेपी में साइडलाइन पंकजा मुंडे को टिकट कटने का डर
बोलीं- ये पार्टी के लिए अच्छा फैसला नहीं होगा

मुंबई, 28 सितंबर (एजेंसियां)। भाजपा नेता पंकजा मुंडे ने कहा कि 2024 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के वास्ते उन्हें टिकट नहीं देना किसी भी राजनीतिक दल के लिए अच्छा निर्णय नहीं होगा। राज्य की पूर्व मंत्री मुंडे एक आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा, "मेरी पार्टी मुझे क्यों चुनाव में नहीं उतारेगी। मुझ जैसे उम्मीदवार को चुनाव में टिकट नहीं देना किसी भी पार्टी के लिए कोई अच्छा निर्णय नहीं होगा। यदि वे ऐसा निर्णय लेते हैं तो उन्हें लोगों के प्रश्नों का उत्तर देना होगा।"

चचेरे भाई ने चुनाव में हराया था

पंकजा मुंडे को 2019 में उनके चचेरे भाई और एनसीपी नेता धनंजय मुंडे ने पार्ली विधानसभा सीट पर हरा दिया था। पंकजा ने यह भी कहा कि वह नया निर्वाचन क्षेत्र नहीं खोज रही हैं। उन्होंने अपनी बहन लोकसभा सदस्य प्रीतम मुंडे की जगह लेने की संभावनाओं को भी खारिज कर दिया।

बीजेपी से चल रही हैं साइडलाइन

साल 2019 का विधानसभा चुनाव हारने के बाद मुंडे को हाशिये पर धकेल दिया गया है। उनके सहयोगियों डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस और विनोद तावड़े के साथ उनकी भविष्य की राजनीतिक चाल और रणनीति पर सवाल पूछे जा रहे हैं।

महिला को थप्पड़ मारे, बाल खींचे, अहमदाबाद में चार मिनट तक पीटता रहा स्पा सेंटर का मालिक

अहमदाबाद, 28 सितंबर (एजेंसियां)। गुजरात के अहमदाबाद की एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। मगर, यह वीडियो शर्मसार करने वाला है। इस वीडियो में एक शख्स एक महिला को पीट रहा है। जानकारी के मुताबिक यह वीडियो अहमदाबाद के पॉश इलाके सिंधु भवन रोड पर मौजूद एक स्पा सेंटर का है। पीड़िता नगालैंड रहने वाली है, जो स्पा सेंटर में काम करती है। वीडियो वायरल वायरल होने के बाद पुलिस हरकत में आई। महिला पुलिस द्वारा पीड़िता की काउंसलिंग की जा रही है। चार मिनट के इस वीडियो में साफ तौर पर देखा जा सकता है कि स्पा का मालिक मोहसिन महिला को बेरहमी से पीट रहा है। इसके बाद स्पा मालिक एक बार महिला को पीटने के बाद बार-बार उसे मारता है। वो कभी महिला के बाल पकड़कर खींचता है तो कभी उसे घसीटने की कोशिश करता है। इस बीच पीड़ित महिला अपने बचाव में स्पा मालिक को धक्का देने की कोशिश करती है। आरोपी मालिक ने महिला के कपड़े भी फाड़ दिए। वायरल वीडियो में स्पा मालिक के साथ में एक और शख्स दिखाई दे रहा है जो महिला को स्पा के अंदर ले जाने की कोशिश कर रहा है।

बैठ जाओ मैडम, अमेरिका की मुस्लिम सांसद को प्रियंका चतुर्वेदी ने करा दिया चुप

मुंबई, 28 सितंबर (एजेंसियां)। भारत कनाडा के बीच चल रहे तनाव के बीच अमेरिका में भारत विरोधी गैंग एक्टिव हो गया है। विभिन्न मुद्दों पर अपने भारत विरोधी रुख के लिए जानी जाने वाली अमेरिका की मुस्लिम सांसद इल्हान उमर ने भारत-कनाडा विवाद पर टिप्पणी की है। उन्होंने कहा कि अमेरिका को सिख अलगाववादी नेता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत की कथित भूमिका की कनाडाई जांच का पूरा समर्थन करना चाहिए। डेमोक्रेट नेता इल्हान उमर ने यह भी कहा कि हो सकता है कि भारत ने अमेरिका में भी इसी तरह के ऑपरेशन अंजाम दिए हों। उनके सोशल मीडिया पोस्ट पर उद्धव गुट की नेता और सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने करारा जवाब दिया है। खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या को लेकर भारत और कनाडा के बीच संबंध सुधरने का नाम नहीं ले रहे हैं। विदेशी मीडिया ने हाल ही में कनाडाई पुलिस के पास एक सीसीटीवी होने का दावा किया था। जिसमें बताया जा रहा है कि कुछ नकाबपोश बदमाश निज्जर पर गोलियां बरसा रहे हैं। बदमाश दो गाड़ियों में आए थे और उन्होंने निज्जर पर 50 बार फायर किया। उधर, सूत्रों का यह भी कहना है कि निज्जर हत्याकांड में पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई का हाथ हो सकता है। ऐसा इसलिए ताकि निज्जर की हत्या के जरिए भारत को फंसाया जा सके। हालांकि भारत कनाडा के बेबुनियाद आरोपों को नकार चुका है। भारत पर आरोप लगाकर कनाडा पीएम जस्टिन ट्रूडो खुद चौतरफा घिरे नजर आ रहे हैं। विपक्षी दलों से लेकर कनाडाई मीडिया भी ट्रूडो को निशाने पर ले रहा है। अमेरिका की कांग्रेस सांसद और भारत विरोधी रुख के लिए बदनाम इल्हान उमर ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा है, हम इस बारे में ब्रीफिंग का भी अनुरोध कर रहे हैं कि क्या संयुक्त राज्य अमेरिका में इसी तरह के ऑपरेशन हुए हैं। साथ ही अमेरिकी सरकार को निज्जर हत्याकांड पर कनाडाई जांच का सहयोग करना चाहिए। सोशल मीडिया पोस्ट में ही उद्धव गुट की नेता और सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने जवाब में कहा है, बैठिए मैडम प्रतिनिधि। ऐसा ही मामला है, एक भारतीय सांसद के रूप में मैं विदेश मंत्रालय से आग्रह करती हूं कि वह इस बात की जांच शुरू करें कि संयुक्त राज्य अमेरिका में एक निर्वाचित प्रतिनिधि पाकिस्तान द्वारा वित्त पोषित पीओके यात्रा के माध्यम से जम्मू-कश्मीर की शांति में कैसे हस्तक्षेप कर रही है? 2022 में, इल्हान उमर ने पाकिस्तान का दौरा किया था, शहबाज शरीफ और इमरान खान से मुलाकात की और पीओके पर मुजफ्फराबाद का भी दौरा किया। भारत ने इसे संकीर्ण सोच वाली राजनीति बताया और यात्रा की निंदा की। हाल ही में आई एक रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि इल्हान उमर की यात्रा को पाकिस्तानी सरकार ने प्रायोजित किया था, जिसमें उनका रहना और खाना भी शामिल था। इल्हान उमर उन महिला कांग्रेसियों में से एक थीं, जिन्होंने पीएम मोदी की अमेरिका की ऐतिहासिक राजकीय यात्रा के दौरान अमेरिकी कांग्रेस के संयुक्त सत्र में पीएम मोदी के भाषण का बहिष्कार किया था।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 192 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) भाद्रपद पूर्णिमा 2080 शुक्रवार, 29 सितंबर-2023

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

गुरुवार को दोपहर करीब 1.30 बजे हुसैनसागर में क्रेन नंबर-4 पर अंतिम पूजा करने के बाद खैरताबाद महागणपति का विसर्जन भव्य तरीके से किया गया। महागणपति के विसर्जन के दौरान टैंकबंड के आसपास श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा।

केंद्र सरकार लाने जा रही है डिजिटल इंडिया बिल

मसौदा जल्द ही पब्लिक कंसल्टेशन के लिए किया जाएगा सार्वजनिक

नई दिल्ली, 28 सितंबर (एजेंसियां)। देश में बढ़ते साइबर अपराधों पर नकेल कसने और इंटरनेट और आईटी सेक्टर को सख्ती से रेगुलेट करने के लिए तैयार "डिजिटल इंडिया बिल" का मसौदा जल्दी ही पब्लिक कंसल्टेशन के लिए सार्वजनिक किया जायेगा। ये नया बिल 23 साल पुराने "इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी एक्ट 2000" की जगह लेगा।

प्रस्तावित डिजिटल इंडिया बिल के प्रावधानों का उल्लंघन करने पर सरकार दोषी संस्थाओं पर 500 करोड़ रुपये तक का जुर्माना लगाने का प्रावधान बिल में शामिल कर सकती है। किसी दोषी संस्था पर जुर्माने कितना हो ये प्रस्तावित डिजिटल इंडिया अथॉरिटी तय करेगी। सूत्रों के मुताबिक प्रस्तावित बिल में डिजिटल सिटीजन्स के लिए ओपन इंटरनेट और ऑनलाइन सेफ्टी पर जोर होगा। साल 2000 में जब आईटी एक्ट बना, उस समय देश में 55 लाख इंटरनेट यूजर्स थे। आज इनकी संख्या बढ़कर 85 करोड़ से ज्यादा हो गयी है। पिछले 23 साल में नए बिचौलियों जैसे ई-कॉमर्स, डिजिटल मीडिया, सोशल मीडिया, एआई, ओटीटी और गेमिंग सामने आये हैं। इन्हे सख्ती से रेगुलेट करने के लिए प्रस्तावित बिल में नए प्रावधान शामिल किये जायेंगे। नए कानून में साइबर क्राइम, साइबर सुरक्षा और हैकिंग के अलावा मछली पकडना, डॉक्सिंग, साइबर स्टॉकिंग, साइबर ट्रोलिंग, फिशिंग जैसे साइबर-अपराधों के खिलाफ भी प्रस्तावित बिल में सख्त नियम शामिल करने की तैयारी है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर बच्चों की प्राइवेसी और सुरक्षा, जुआ और सट्टेबाजी ऐप्स से निपटने के लिए भी प्रस्तावित बिल में सख्त नियन होंगे। इस प्रस्तावित कानून का ड्राफ्ट ऐसे समय पर किया गया है जब देश में साइबर अपराध की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। आईटी राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने पिछले महीने 9 अगस्त को संसद में दिए एक लिखित जवाब में कहा था कि 2019 में देश में 44735 साइबर अपराध के मामले दर्ज़ किये गए थे। 2020 में साइबर अपराध के मामले बढ़कर 50,035 पहुंच गए। एक साल बाद 2021 में ये और बढ़कर 52,974 तक पहुंच गए। प्रधानमंत्री मोदी ने 2025-26 तक भारत को एक ट्रिलियन डॉलर की डिजिटल इकॉनमी बनाने का लक्ष्य तय किया है।

ये बिल इस लक्ष्य को ध्यान में रखकर तैयार किया जा रहा है। नए कानून को लेकर साइबर और आईटी कानून विशेषज्ञ पवन दुग्गल ने कहा कि यह साइबर क्राइम का गोल्डन युग है हमें सख्त सजा का प्रावधान करना होगा। मौजूदा आईटी एक्ट दो-तीन साइबर क्राइम को छोड़कर बाकी को जमानती अपराध मानता है। पिछले दो दशकों में साइबर क्राइम के मामलों में हम ज्यादा दृढ विश्वास नहीं करा पाए हैं।

जेलों में होती है गांजे और सेलफोन की तस्करी

संसदीय समिति की रिपोर्ट में खुलासा

नई दिल्ली, 28 सितंबर (एजेंसियां)। गृह मंत्रालय की संसद की स्थायी समिति की रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि भारतीय जेलों में सबसे ज्यादा गांजे और सेलफोन की तस्करी होती है। संसदीय स्थायी समिति की 245वीं रिपोर्ट 'जेल- हालात, सुधार और आधारभूत ढांचा' में यह जानकारी दी गई है। संसदीय समिति ने विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की सरकारों के साथ चर्चा के बाद यह रिपोर्ट तैयार की है। बीते दिनों जब संसद का विशेष सत्र आयोजित किया गया तो सत्र के अंतिम दिन यह रिपोर्ट सदन के दोनों सदनों में पेश की गई। संसदीय समिति की इस रिपोर्ट में कहा गया है कि विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से बातचीत के बाद समिति को पता चला कि जेलों के भीतर सबसे ज्यादा गांजे और सेलफोन की तस्करी की जाती है। इनके बाद अन्य चीजों का नंबर आता है। रिपोर्ट में ये भी कहा गया है कि तस्करी कर जेल में भेजे गए सेलफोन से ही अपराधी जेलों में बैठकर बाहर अपना गैंग संचालित करते हैं और आपराधिक गतिविधियों को अंजाम देते हैं। रिपोर्ट में ये भी बताया गया है कि सेलफोन की वजह से ही जेलों के भीतर गैंगवार को बढ़ावा मिलता है। वहीं कैदियों द्वारा गांजे या अन्य नशीले सामान के इस्तेमाल से उनके पुनर्वास जैसे कार्यक्रम प्रभावित होते हैं।

बीजेपी जम्मू-कश्मीर में चुनाव से भाग रही है : उमर

श्रीनगर, 28 सितंबर (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री और क्षेत्रीय नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने गुरुवार को आरोप लगाया कि मतदाताओं द्वारा दंडित किये जाने का डर से भाजपा जम्मू-कश्मीर में चुनाव से कतरा रही है। नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने कहा, हम पहले दिन से कह रहे हैं कि ये लोग चुनाव कराने के मूड में नहीं है। इनको पता है कि लोग इनके साथ नहीं है। जम्मू में भी भाजपा लोगों के हाथ मार खाएगी। विधानसभा तो दूर की बात है, अब वे पंचायत चुनाव की बात भी नहीं कर रहे हैं। अब सिर्फ लोकसभा चुनावों पर यकीन किया जा सकता जिसे वे टाल नहीं सकते।

महिला आरक्षण बिल पर के. कविता का भाजपा पर निशाना

अन्य पार्टियों के दबाव के कारण पास हुआ

हैदराबाद, 28 सितंबर (एजेंसियां)। महिला आरक्षण बिल के दोनों सदनों में पास होने के बाद बीआरएस एमएलसी के कविता ने भाजपा पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने सत्तारूढ़ पार्टी पर तंज कसते हुए कहा कि विपक्षी पार्टियों के दबाव के कारण भाजपा ने इस बिल को पास किया है।

विपक्षी पार्टियों के दबाबव के कारण पास हुआ बिल :

महिला आरक्षण बिल पर मीडिया से बात करते हुए बीआरएस एमएलसी के कविता ने कहा कि यह भाजपा की तरफ से कोई तोहफा नहीं है, बल्कि दूसरी पार्टियों के दबाव का असर है, जिसके कारण भाजपा को यह बिल पास करना पड़ा। उन्होंने आगे कहा, ओबीसी महिलाओं को इसमें शामिल नहीं किया गया है, जिससे हम सभी दुखी है। हम इस बात से भी दुखी है कि इसे जल्द-जल्द से लागू क्यों नहीं किया जा रहा है।

इंडिया गठबंधन पर साधा निशाना

के कविता से जब बीआरएस की राष्ट्रीय राजनीति भूमिका पर सवाल पूछा गया, तो उन्होंने इंडिया गठबंधन पर निशाना साध दिया। उन्होंने कहा कि इसकी कोई गारंटी नहीं है कि आज जो ये इंडिया गठबंधन है, वह कल रहेगा। लोकसभा चुनाव से पहले विधानसभा चुनाव और सीट बंटवारा का मुद्दा उठेगा, जिसके बाद परिस्थिति बिलकुल भी अलग हो जाएगी।

बीआरएस एमएलसी ने आगे कहा, जब चुनावी परिणाम आएगा तब की परिस्थिति भी बिलकुल अलग होगी। इतिहास उठाकर देख लें, देश में चुनाव से पहले बने गठबंधन ज्यादा सफल नहीं हो पाया है। इसलिए हम इंतजार करेंगे। बीआरएस एक राष्ट्रीय पार्टी है, जिसका एक एजेंडा है। यह कांग्रेस नहीं है, जिसका तेलंगाना में अलग और कर्नाटक में एक अलग एजेंडा हो।

भाजपा की खामियां बताईं :

भाजपा की खामियों को गिनाते हुए के. कविता ने कहा कि दक्षिण की राजनीति बिलकुल ही अलग है। यहां के लोग हमेशा यह देखते हैं कि कौन सी पार्टी उनके क्षेत्र के मुद्दे उठा रही है और इसलिए यहां का परिणाम अलग है। भाजपा ने अपने 10 साल के कार्यकाल में तेलंगाना के लिए कुछ भी नहीं किया है। इसलिए उन्हें तेलंगाना में भी कर्नाटक की तरह नकारात्मक परिणाम मिलेगा।

हरित क्रांति के जनक एमएस स्वामीनाथन का निधन

60 के दशक में अकाल के दौरान गेहूं के हाई क्वालिटी बीज डेवलप किए थे

चेन्नई, 28 सितंबर (एजेंसियां)। भारत में 'हरित क्रांति' के जनक एमएस स्वामीनाथन का 98 साल की उम्र में गुरुवार 28 सितंबर की सुबह को चेन्नई में निधन हो गया। स्वामीनाथन लंबे समय से बीमार थे।

उनके परिवार में उनकी पत्नी मीना और तीन बेटियां सौम्या, मधुरा और नित्या हैं। 7 अगस्त 1925 को तमिलनाडु के कुंभकोणम में जन्मे स्वामीनाथन का पूरा नाम मनकोम्बु संबासिवन स्वामीनाथन था। वे पौधों के जेनेटिक साइंटिस्ट थे। उन्होंने 1966 में मैक्सिको के बीजों को पंजाब की घरेलू किस्मों के साथ हाइब्रिड करके हाईक्वालिटी वाले गेहूं के बीज डेवलप किए थे। स्वामीनाथन के निधन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुख जताया है। उन्होंने कहा कि कृषि में उनके अभूतपूर्व कार्य ने लाखों लोगों के जीवन को बदल दिया और हमारे देश के लिए फूड सेफ्टी सुनिश्चित की। स्वामीनाथन जूलॉजी और एग्रीकल्चर दोनों से ग्रेजुएट थे। उन्होंने धान की ज्यादा पैदावार देने वाली किस्मों को डेवलप करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इससे यह सुनिश्चित करने में मदद मिली कि भारत के कम आय वाले किसान ज्यादा फसल पैदा करें। इसके अलावा 1960 के अकाल के दौरान स्वामीनाथन ने अमेरिकी वैज्ञानिक नॉर्मन बोरलॉग और दूसरे कई वैज्ञानिकों के साथ मिलकर गेहूं की उच्च पैदावार वाली किस्म (एचवाईवी) के बीज भी डेवलप किए थे।

पीएम मोदी ने शोक जताया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को प्रसिद्ध कृषि वैज्ञानिक और भारत की हरित क्रांति के जनक एमएस स्वामीनाथन के निधन पर शोक व्यक्त किया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने एक्स अकाउंट से कई पोस्ट किए। पीएम ने कहा, डॉ. एमएस स्वामीनाथन के निधन से गहरा दुख हुआ। हमारे देश के इतिहास में एक बहुत ही महत्वपूर्ण समय में, कृषि में उनके अभूतपूर्व काम ने लाखों लोगों के जीवन को बदल दिया और हमारे देश के लिए खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित की। पीएम मोदी ने आगे कहा कि कृषि में अपने क्रांतिकारी योगदान के अलावा, डॉ. स्वामीनाथन इनोवेशन के पावरहाउस और कई लोगों के लिए एक प्रेरक गुरु थे। अनुसंधान और परामर्श के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता ने अनगिनत वैज्ञानिकों और नवप्रवर्तकों पर एक अमिट छाप छोड़ी है।

अभिषेक बनर्जी को ईडी का समन, तीन अक्टूबर को होगी पूछताछ

कोलकाता, 28 सितंबर (एजेंसियां)। टीएमसी सांसद और राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी की मुसीबतें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। अब ईडी ने उन्हें शिक्षक भर्ती घोटाला मामले में तीन अक्टूबर को एजेंसी के सामने पेश होने के लिए समन जारी किया है।

इससे पहले, 13 सितंबर को साल्टलेक में ईडी कार्यालय में अभिषेक से नौ घंटे तक लंबी पूछताछ की गई थी। ईडी कार्यालय से बाहर आने के बाद, उन्होंने पत्रकारों से कहा था कि उन्हें ईडी ने विपक्षी दलों की बैठक में जाने से रोकने के लिए यह दिन चुना है। अभिषेक ने आरोप लगाया था कि ईडी और सीबीआई पिक एंड चूज के आधार पर मामलों को आगे बढ़ा रही हैं।

दानिश अली-रमेश बिधूड़ी मामले को प्रिविलेज कमेटी के पास भेजा गया

नई दिल्ली, 28 सितंबर (एजेंसियां)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) के सांसद दानिश अली के खिलाफ भारतीय जनता पार्टी के सदस्य रमेश बिधूड़ी द्वारा आपत्तिजनक शब्दों के इस्तेमाल से संबंधित विपक्ष एवं सत्तापक्ष के कई सांसदों की शिकायतों को विशेषाधिकार समिति के पास भेज दिया है। चंद्रयान-3 की सफलता और अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत की उपलब्धियां विषय पर लोकसभा में चर्चा के दौरान गत 21 सितंबर को बिधूड़ी ने अली के खिलाफ आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया था।

इसके बाद खुद दानिश अली के अलावा लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की सांसद सुप्रिया सुले, तृणमूल कांग्रेस की अपरूपा पोद्दार, द्रमुक सांसद कनिमोई और विपक्ष के कई अन्य सदस्यों ने बिरला को पत्र लिखकर बिधूड़ी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। इन सांसदों ने मामले को विशेषाधिकार समिति के पास भेजने का भी आग्रह किया था। दूसरी तरफ, भाजपा सांसदों निशिकांत दुबे और रवि किशन ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर दावा किया था कि पहले अली ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ आपत्तिजनक शब्द का इस्तेमाल किया था। उन्होंने भी इस मामले को विशेषाधिकार समिति के पास भेजने का आग्रह किया था। लोकसभा अध्यक्ष ने सभी शिकायतों को भाजपा सांसद सुनील कुमार सिंह की अध्यक्षता वाली विशेषाधिकार समिति के पास भेज दिया है। दानिश अली ने बृहस्पतिवार को उम्मीद जताई कि उनके खिलाफ बिधूड़ी द्वारा आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किए जाने के मामले में लोकसभा अध्यक्ष कार्रवाई करेंगे। उन्होंने कहा, अगर आप परंपराओं और बाबासाहेब के संविधान को तिलांजलि देना चाहते हैं, आप इस देश की संसदीय लोकतांत्रिक व्यवस्था को खत्म करना चाहते हैं और नफरत भरे भाषण के लिए मंच प्रदान कर रहे हैं तो देश देख रहा है।

इस बार भी कुछ नहीं मिलेगा : केजरीवाल

नई दिल्ली, 28 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली मुख्यमंत्री आवास के रेनोवेशन मामले में सीबीआई की जांच को लेकर अरविन्द केजरीवाल ने कहा कि ये पहली बार नहीं है। अबतक 50 से ज्यादा जांच हो चुकी है। 33 से ज़्यादा केस किये, सारी जांच की लेकिन कुछ मिला नहीं। इस जांच का स्वागत है, कुछ मिलने वाला नहीं है। केजरीवाल झुकने वाला नहीं है, जितनी फर्जी जांच कर ले। अगर इस जांच में कुछ नहीं मिला तो क्या प्रधानमंत्री इस्तीफा देंगे।

गौरतलब है कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आधिकारिक आवास के रेनोवेशन में फिजूलखर्ची या वित्तीय अनियमितताओं की सीबीआई ने बुधवार से जांच शुरू कर दी। रिपोर्ट के मुताबिक, सीबीआई ने दिल्ली सरकार के पीडब्ल्यूडी विभाग से सीएम आवास के रेनोवेशन से संबंधित सभी दस्तावेज 3 अक्टूबर तक जमा करने को कहा है। सीएम आवास के रेनोवेशन में करीब 45 करोड़ रुपये खर्च हुए थे। इस बीच आम आदमी पार्टी (आप) का बयान भी सामने आया है। आप ने कहा कि बीजेपी चाहें जितनी जांच करा ले, पहले कुछ नहीं निकला था।

सनातन धर्म पर टिप्पणी करने वालों के खिलाफ बसपा ने खोला मोर्चा

बीएसपी के सांसद ने किया बड़ा दावा

लखनऊ, 28 सितंबर (एजेंसियां)। आगामी लोकसभा चुनाव से पहले प्रदेश में सभी बड़ी पार्टियों ने कमर कस ली है। विपक्षी पार्टियां लगातार महंगाई से लेकर बेरोजगारी के मुद्दे पर सरकार को घेरने का काम कर रही हैं। वहीं विपक्षी नेताओं की सनातन धर्म पर की गई टिप्पणी को लेकर मचा सियासी घमासान खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। इसी क्रम में अब बहुजन समाज पार्टी सनातन धर्म के खिलाफ बोलने के विरोध में मोर्चा खोलती नजर आ रही है। दरअसल बीते दिनों तमिलनाडु के मंत्री और डीएमके नेता उदयनिधि स्टालिन समेत उत्तर प्रदेश की बड़ी विपक्षी पार्टी समाजवादी पार्टी के नेता स्वामी प्रसाद मौर्य सनातन के खिलाफ जहर उगलते नजर आए थे। जिसे लेकर जनता में भारी आक्रोश देखा गया, वहीं इसे लेकर देशभर के साथ ही राज्य की सियासत काफी गरमा गई थी। ऐसे में इंडिया गठबंधन में समाजवादी पार्टी के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चल रही कांग्रेस पर बसपा नेता ने हमला किया है।

सनातन के खिलाफ बोलने वाला गलत

बसपा सांसद मलूक नागर ने सनातन पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने वालों के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए कहा कि 'जो सनातन के खिलाफ बोल रहा है वह गलत है, कांग्रेस की जिम्मेदारी है की उसका कोई घटक दल सनातन के खिलाफ न बोले। किसी को भी किसी दूसरे की जाति और धर्म के खिलाफ बोलने का अधिकार नहीं है।'

इंडिया गठबंधन पर साधा निशाना

मलूक नागर के इन कथनों से स्पष्ट है कि वह इंडिया गठबंधन में शामिल कांग्रेस का नाम लेकर सीधे तौर पर समाजवादी पार्टी के नेता स्वामी प्रसाद मौर्य और तमिलनाडु के मंत्री और डीएमके नेता उदयनिधि स्टालिन पर निशाना साध रहे थे। फिलहाल मलूक नागर का कहना है कि 'लोगों को कानून के दायरे में रहकर काम करना चाहिए। जो देश के लिए काम करता है वह ठीक है।' इसके साथ ही उन्होंने कहा कि पिछड़ों को आरक्षण मिलना चाहिए।

कांस्टेबल पद पर प्रस्तावित हैं 55,699 भर्तियां, आयु सीमा में छूट को लेकर एचसी ने मांगा जवाब'

प्रयागराज, 28 सितंबर (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती 2023 में आयु सीमा की छूट को लेकर दाखिल याचिका पर राज्य सरकार से चार सप्ताह में जवाब मांगा है। मामले में अगली सुनवाई 22 नवंबर को होगी। इस बार कांस्टेबल के 55,699 पद प्रस्तावित हैं। न्यायमूर्ति अजित कुमार ने सत्यवीर व 11 अन्य की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया है। याचिका में कहा गया है कि उत्तर प्रदेश आरक्षी भर्ती में सामान्य वर्ग के लिए आयुसीमा 18 से 22 वर्ष के बीच है और आरक्षित वर्ग के लिए नियमानुसार छूट का प्रविधान है। कहा गया है कि उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल की अंतिम भर्ती 2018 में हुई थी।

अदालत ने शिक्षकों की नियुक्ति में अनियमितताओं की जांच पूरी करने का सीबीआई को निर्देश दिया

पटना, 28 सितंबर (एजेंसियां)। पटना उच्च न्यायालय ने 1980 से 1998 के बीच करीब 300 सहायक शिक्षकों की नियुक्ति में हुई अनियमितताओं की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को पूरी करने का निर्देश दिया है। अदालत ने बिहार सरकार से 2004 में केंद्रीय जांच एजेंसी द्वारा प्रस्तुत एक रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई में देरी के कारणों की तहकीकात करने को भी कहा है। उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति राजीव रंजन प्रसाद की एकल पीठ ने मंगलवार को सीबीआई की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट को चुनौती देने वाली सभी याचिकाओं को खारिज कर दिया। अदालत ने कहा कि 2004 की रिपोर्ट 1980-1998 की अवधि के दौरान बिहार में लोअर सबऑर्डिनेट एजुकेशन सर्विस (एलएसएस) के सहायक शिक्षकों की नियुक्तियों और पदोन्नति के मामले में बड़े पैमाने पर अनियमितता की ओर संकेत करती है। अदालत ने कहा कि सीबीआई की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट को दबाकर राज्य की ओर से की गई देरी ने राज्य के हित को बहुत नुकसान पहुंचाया है और इस निष्क्रियता के लिए जो लोग जिम्मेदार हैं उनकी पहचान की जानी चाहिए और उनके खिलाफ उचित कार्रवाई पर विचार किया जाना चाहिए। पीठ ने सीबीआई और राज्य सरकार को एक महीने के भीतर उचित कार्रवाई करने पर विचार करने का निर्देश दिया।

ये ब्रिटिशकाल नहीं सरकारी स्कूल की लाइब्रेरी का नाम इंग्लिश में देख भड़के नीतीश कुमार'

पटना, 28 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार में एक सरकारी स्कूल का नाम इंग्लिश में लिखा देखकर सीएम नीतीश कुमार भड़क गए। उन्होंने कहा कि ये ब्रिटिशकाल नहीं है। यह हिंदी में क्यों नहीं लिखा है? पूरा मामला राजधानी पटना से 250 दूर बांका के एक हाई स्कूल का है। हाई स्कूल में बोर्ड पर अंग्रेजी में डिजिटल लाइब्रेरी लिखा था। इसे देखकर नीतीश कुमार एकदम से नाराज हो गए। इस दौरान उन्होंने कहा कि इंग्लिश से उन्हें कोई ऐतराज नहीं है। मगर जब वो हिंदी को बढ़ावा देने की ठानी है तो फिर ये अंग्रेजी में क्यों। उन्होंने वहां मौजूद जिला के डीएम अंशुल कुमार से कहा कि यह हिंदी में क्यों लिखा है? हम ब्रिटिशकाल में नहीं रह रहे हैं। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि इंजीनियरिंग करने के दौरान उनकी भी भाषा अंग्रेजी थी। संसद में मैंने कई बार अंग्रेजी में भाषण दिया है।

इंग्लिश साइनबोर्ड को जल्द से जल्द बदलवाया जाए- सीएम नीतीश

मगर मैंने अब हिंदी को बढ़ावा देने का फैसला कर लिया है। नीतीश ने कहा कि उन्होंने अब अंग्रेजी को छोड़कर हिंदी में सिग्नेचर करना शुरू कर दिया है। सीएम ने इसे जल्द से जल्द बदलवाया जाए। डीएम ने सीएम को आश्वासन दिया कि बोर्ड को बदल दिया जाएगा। बता दें कि यह पहली बार नहीं है, जब नीतीश कुमार अंग्रेजी को लेकर इस तरह की नाराजगी जताई हो। इससे पहले भी उन्होंने कई मौकों पर इंग्लिश में लिखे शब्दों को लेकर नाराजगी जताई है। 'ऑनरेबल' और 'स्पीकिंग टाइम' जैसे शब्दों को देखकर उन्होंने टोका था।

गैंगरेप पीड़िता से अश्लील बातें कर रहा था इंस्पेक्टर, ऑडियो वायरल होने के बाद एसपी ने लिया एक्शन

संभल, 28 सितंबर (एजेंसियां)। (उप्र): संभल के गुन्नौर क्षेत्र में दुष्कर्म मामले की जांच करने वाले इंस्पेक्टर की पीड़िता के साथ अश्लीलतापूर्ण बातचीत का ऑडियो वायरल होने के बाद पुलिस अधीक्षक ने आरोपी पुलिसकर्मी को सस्पेंड कर दिया है। पुलिस सूत्रों ने गुरुवार को बताया कि गुन्नौर थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली महिला से इसी साल जून में बलात्कार करने के आरोप में 5 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। उन्होंने बताया कि मामले की जांच कर रहे इंस्पेक्टर अशोक कुमार ने पीड़ित महिला से कथित रूप से अश्लीलतापूर्ण तरीके से बात की।

दुधवा नेशनल पार्क आने वाले पर्यटकों के लिए सरकार दे सकती है बड़ी राहत

दुधवा, 28 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश सरकार दुधवा नेशनल पार्क में आने वाले पर्यटकों को बड़ी राहत देने जा रही है। अधिकारिक सूत्रों की माने तो राज्य वन विभाग ने 15 नवंबर से शुरू होने वाले अगले पर्यटन सीजन में दुधवा राष्ट्रीय उद्यान में आने वाले लोगों के लिए बढ़ी हुई दरों को कम करने की मंजूरी दे दी है। दरअसल दुधवा में विभिन्न सेवाओं के शुल्क में पिछले सीज़न में भारी वृद्धि देखी गई थी जब पार्क पहली बार कोविड-19 महामारी के बाद फिर से खुला था। दुधवा टाइगर रिजर्व (डीटीआर) फील्ड डायरेक्टर ललित वर्मा ने बताया कि दुधवा टाइगर कंजर्वेशन फाउंडेशन (डीटीसीएफ) ने लखनऊ में वन मंत्री अरुण कुमार सक्सेना की अध्यक्षता में हुई बैठक में पार्क की फीस कम करने के लिए मौजूदा टैरिफ में कटौती करने का फैसला किया। दुधवा राष्ट्रीय उद्यान की शासी निकाय की बैठक की अध्यक्षता करते हुए वन मंत्री ने कहा कि कम शुल्क अधिक पर्यटकों को आकर्षित करेगा और निवेशकों को राष्ट्रीय उद्यान के एक किलोमीटर के भीतर होटल शुरू करने में सहायता करेगा। जबकि सामान्य पर्यटक शुल्क को 300 से घटाकर 150 कर दिया गया है, सफारी वाहनों के लिए शुल्क 600 से घटाकर 200 कर दिया गया है। मंत्री ने कहा कि पिछले सीजन में हाथी की सवारी अब 2,000 के बजाय 500 में की जा सकती है। बैठक में प्रधान मुख्य वन संरक्षक सुधीर कुमार शर्मा एवं अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे। कुछ मामलों में तो फीस तीन गुना तक बढ़ा दी गई। पलिया से बीजेपी विधायक हरजिंदर साहनी के मुताबिक, फीस में तेज बढ़ोतरी का दुधवा पर्यटन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है, जिसके बाद उन्होंने वन अधिकारियों के समक्ष इस मुद्दे को उठाया और उनसे दरों को संशोधित करने का अनुरोध किया था।

नवादा में ट्रक ने 4 मजदूरों को कुचला 3 की मौत

नवादा, 28 सितंबर (एजेंसियां)। नवादा में गुरुवार की सुबह मंडी के लिए निकले 4 मजदूरों को ट्रक ने रौद दिया। हादसे में 3 की मौके पर ही मौत हो गई। एक की हालत गंभीर बनी हुई है। हादसे के बाद ट्रक का ड्राइवर मौके से भाग निकला। हादसे में प्रह्लाद कुमार (17), आकाश कुमार(15) और समीर कुमार (26) की मौत हुई थी। समीर और आकाश दोनों मां-बाप के इकलौते बेटे थे। आकाश पहली बार घर से मजदूरी करने के लिए निकला था। हादसे के बाद लोगों ने एक घंटे तक सड़क को जाम कर दिया। घटना की सूचना पर प्रखंड विकास पदाधिकारी अंजनी कुमार, नगर थाना प्रभारी अरुण कुमार सिंह घटनास्थल पर पहुंचे। लोगों को समझाकर शांत कराया। तब सड़क से जाम हटा। हादसा नगर थाना क्षेत्र के सोभिया पर कृषि फार्म के पास हुआ।

फूलपुर से चुनाव लड़ेंगी प्रियंका गांधी

कांग्रेस नेताओं ने पोस्टर जारी कर की मांग

फूलपुर, 28 सितंबर (एजेंसियां)। 2024 के लोकसभा चुनाव को लेकर इंडिया गठबंधन ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। हालांकि इस गठबंधन के दलों में अभी सीटों को लेकर बात बनी नहीं है। इधर कांग्रेस इस उम्मीद में है कि प्रियंका गांधी वाड्रा लोकसभा चुनाव में यूपी में अपनी खोई सियासी जमीन तलाश रही पार्टी की नैया पार लगाएंगी। वहीं गांधी-नेहरू परिवार की पैतृक सीट प्रयागराज के फूलपुर से प्रियंका गांधी को टिकट देने की मांग को लेकर फूलपुर में पोस्टर लगाए गए हैं। जैसे-जैसे लोकसभा चुनाव का वक्त नजदीक आ रहा है, सियासी दलों के कार्यकर्ता भी अपनी अपनी पार्टियों में जान फूंकने के लिए मैदान में उतर आए हैं। यूपी में अपनी सियासी जमीन तलाश रही कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने पार्टी का बेड़ा पार करने के लिए गांधी-नेहरू परिवार की पुश्तैनी लोकसभा सीट फूलपुर से प्रियंका गांधी वाड्रा को लड़ने की मांग की है। इसके लिए पार्टी कार्यकर्ताओं ने फूलपुर संसदीय क्षेत्र में प्रियंका गांधी के पोस्टर्स भी जगह-जगह लगाए हैं।

प्रियंका गांधी वाड्रा को बताया उम्मीद की आंधी

प्रियंका गांधी के लगाए गए इन पोस्टर में प्रियंका गांधी वाड्रा को उम्मीद की आंधी बताया है। प्रयागराज में चस्पा पोस्टर में प्रियंका गांधी वाड्रा की तस्वीर के साथ लिखा गया है "उम्मीद की आंधी, प्रियंका गांधी" जिसमें फूलपुर जीरो किलोमीटर का माइल स्टोन भी लगाया गया है। पोस्टर में लगाए गए फुलपुर जीरो किलोमीटर वाले बोर्ड से प्रियंका गांधी वाड्रा के यहां से चुनाव लड़ने की मांग की गई है।

एक बार फिर से चर्चा में फूलपुर लोकसभा सीट

इस पोस्टर में पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू और इंदिरा गांधी की तस्वीर भी है। प्रयागराज के कांग्रेसी नेताओं के द्वारा प्रियंका गांधी वाड्रा के लगाए गए इस पोस्टर से फूलपुर लोकसभा सीट एक बार फिर से चर्चा में आ गई है। राजनीति गलियारों में प्रियंका गांधी वाड्रा के फूलपुर लोकसभा सीट से चुनावी मैदान में उतरने की अटकलें की उम्मीद जगी हैं।

प्रियंका गांधी को फूलपुर से चुनाव लड़ाने की मांग

प्रयागराज कांग्रेस पार्टी के पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यक वर्ग के अध्यक्ष की तरफ से पोस्टर लगाया गया है। पोस्टर लगाने वाले पिछड़ा वर्ग के शहर अध्यक्ष हसीन अहमद के मुताबिक ये हम पदाधिकारियों की ही नहीं, बल्कि प्रयागराज के आम आदमी की ख्वाहिश है कि प्रियंका गांधी वाड्रा फूलपुर से लोकसभा का चुनाव लड़कर अपनी खोई विरासत को जीत दर्ज कर दोबारा से संभालें।

कांग्रेसियों ने लगाया पोस्टर

अल्पसंख्यक वर्ग के अध्यक्ष अरशद अली भी प्रियंका गांधी वाड्रा को फूलपुर लोकसभा सीट से 2024 का चुनाव लड़ाने के पक्ष में हैं। अरशद अली के मुताबिक जब हम आम आदमी के पास जाते हैं तो सभी की मांग रहती है। आम आदमी की मांग को कांग्रेस के आला कमान तक पहुंचाने के लिए हम लोगों ने पोस्टर लगाए हैं। पोस्टर लगाने वाले कांग्रेसियों का कहना है कि प्रियंका गांधी वाड्रा के फूलपुर लोकसभा से चुनाव लड़ने और जीत हासिल करने पर पार्टी में एक अच्छा संदेश जाएगा।

बिहार में राजधानी पटना की पुलिस का ये है हाल, जिन्हें देनी है सुरक्षा; वही लूट रहे

पटना, 28 सितंबर (एजेंसियां)। पुलिस पर पैसे वसूली के आरोप लगते रहे हैं, मामले भी अंकित हुए हैं और कार्रवाई भी, पर अब ऐसे भी पुलिसकर्मी हैं, जो आपसे अपने बैंक खाते में ऑनलाइन रकम ट्रांसफर करा लेंगे। बेउर थाने के दारोगा सहित चार कर्मी गिरफ्तार किए गए हैं। यह हाल तब है, जब पूर्व भी अवैध वसूली पर पूरे थाने की पुलिस को एक साथ बड़ी कार्रवाई हुई। फरवरी 2017 में रुपये लेकर शराब वाहन को छोड़ने में बेउर के तत्कालीन थानेदार सहित 29 पुलिसकर्मियों को लाइन हाजिर किया गया था। जुलाई 2019 में रिश्वत लेकर सिक्का लुटेरों को छोड़ने के आरोप में इसी थाने के प्रभारी थानेदार सहित पांच पुलिसकर्मियों को जेल भेजा गया था। अब आनलाइन रकम ट्रांसफर कराने में नप गए। जिस पर सुरक्षा की जवाबदेही, वही लूटपाट करे तो आम जनता का क्या होगा, बड़ा प्रश्न है।

दो जवानों ने व्यवसायी से लूटा सोना

छपरा के भगवान बाजार थाना क्षेत्र में वर्ष 2022 में बरेली के सराफा व्यवसायियों से एक किलो सोना एवं पांच लाख रुपये लूटा गया था। वर्दी में दोनों ने वारदात की थी। सारण पुलिस ने बीएसएपी के दो जवानों को इस मामले में पटना से गिरफ्तार किया था। इस लूटकांड के अलावा गड़खा थाना क्षेत्र में 2021 में कोलकाता के स्वर्ण व्यवसायी से लूटकांड में भी इनकी संलिप्तता उजागर हुई थी। जून 2021 में रामकृष्णानगर थाने में तैनात तीन जवानों को रिश्वत लेने और रंगदारी मांगने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

'लालू जी को चिंता है', प्रशांत किशोर ने आरजेडी सुप्रीमो पर कसा तंज

लोगों से पूछा- क्या आपको जात-धर्म चाहिए

मुजफ्फरपुर, 28 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार के मुजफ्फरपुर जिले में जन सुराज पदयात्रा कर रहे प्रशांत किशोर ने एक बार फिर लालू यादव और तेजस्वी यादव पर निशाना साधा है। इसके साथ ही उन्होंने लोगों को अपने बच्चों के भविष्य के बारे में सोचने की नसीहत भी दी है। बता दें कि राजनीतिक रणनीतिकार से नेता बने प्रशांत किशोर ने बीते दिनों मुजफ्फरपुर जिले के मड़वन और कांटी प्रखंड पहुंची जन सुराज पदयात्रा की है। इस दौरान की कुछ तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर साझा की गई हैं। प्रशांत किशोर ने यहां आयोजित जनसभा में लोगों से कहा कि नेताओं के अनपढ़ बच्चे राज कर रहे हैं और सामान्य परिवारों के युवा पढ़-लिखकर बेरोजगार बैठे हैं। आपको जाति और धर्म चाहिए, लेकिन बच्चों की चिंता कीजिए, आप मेरे साथ खड़ा होने से पहले अपने बच्चों के साथ खड़ा होइए। उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि ऐसा नहीं करने पर आपका बच्चा मजदूर नहीं बनेगा तो कौन बनेगा? प्रशांत किशोर ने कहा कि लालू जी को चिंता है कि हमारा लड़का मुख्यमंत्री बने। आपका लड़का मैट्रिक कर लिया, बीए कर लिया, एमए कर लिया। उसको चपरासी की नौकरी भी नहीं मिल रही है, लेकिन आपको चिंता नहीं है।

आप तो जात का झंडा उठाए हुए हैं। धर्म का झंडा उठाए हुए हैं। आपका लड़का मजदूर नहीं बनेगाा तो कौन मजदूर बनेगा भाई? आपका बच्चा पढ़-लिखकर घर में बेरोजगार बैठा है। उसका मुंह आपको नहीं देखना है। लालू जी का लड़का कैसे बन जाए मुख्यमंत्री, मोदी जी कैसे बन जाएं प्रधानमंत्री। भाइयों इससे आपकी दशा नहीं सुधरने वाली है। प्रशांत किशोर ने यह भी कहा कि बहुत लोग कह रहे हैं कि आप आगे चलिए, आपके पीछे हम हैं। हम आपको हाथ जोड़कर कह रहे हैं कि हमें आपका साथ नहीं चाहिए। अरे जिस समाज में लोग अपने बच्चों के साथ नहीं खड़े हैं। आप हमारे साथ क्या खाक खड़ा होइएगा। हम आपके गांव में आ रहे हैं।

यहां जो 100 बच्चे मिले हैं, उनमें से आधे से ज्यादा बच्चों के शरीर पर कपड़ा नहीं है। आपके जितने भी छोटे बच्चे यहां आए हैं, आप नजर घुमाकर देख लीजिए ज्यादातर बच्चों के पैर में चप्पल नहीं है। लेकिन आपको अपने बच्चों की चिंता नहीं है। आप तो जात का झंडा उठाए हैं। आपको धर्म चाहिए, आपको जाता चाहिए। अपने बच्चों का भविष्य नहीं चाहिए। ऐसे में आप नहीं भोगेंगे तो कौन भोगेगा? यही बताने के लिए गली-गली घूम रहे हैं। आपको ये समझा रहे हैं। मेरे भाई आपकी हमारी तो आधी से ज्यादा जिंदगी बीत गई है, कम से कम अपने बच्चों का चेहरा देखिए। नहीं देखेंगे तो आपके बच्चों का भला नहीं होगा।

बरेली में धार्मिक जुलूस के रास्ते को लेकर टकराव पैरा मिलिट्री फोर्स, पुलिस और पीएसी तैनात

बरेली, 28 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बरेली में एक बार फिर धार्मिक जुलूस के रूट को लेकर दो संप्रदायों में टकराव की नौबत आ गई है। समय रहते मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों पक्षों को समझा बुझाकर शांत तो करा दिया, लेकिन अभी भी माहौल तनावपूर्ण बना हुआ है। इस बार भी यह तनाव की स्थिति बारादरी थाना क्षेत्र में ही बनी है। यहीं पर सावन महीने में कांवड़ यात्रा के रूट को लेकर विवाद हुआ था। उस विवाद के दौरान पुलिस को लाठी तक चलानी पड़ी थी। जानकारी के मुताबिक बरेली में ईद मिलादु नबी के मौके पर अंजुमन निकल रहा था। इस मौके पर भारी संख्या में पुलिस और पीएसी के जवान तैनात थे।

पुराने शहर के मीरा की पैठ सैलानी में अंजुमन पहुंचने पर दूसरे पक्ष के लोगों ने रास्ता रोक दिया। आरोप लगाया कि इस रूट से अंजुमन निकालने की परंपरा नहीं है। जबकि जुलूस ए मोहम्मदी में शामिल लोग हर हाल में इसी रूट पर आगे बढ़ने की जिद पर अड़े थे। इसके चलते मामला गहराने लगा। इतने में सूचना मिलने पर बारादरी कोतलवा हिमांशु निगम और सीओ रुपेंद्र गौड़ दल बल के साथ मौके पर पहुंचे और दोनों पक्षों को समझाबुझा कर शांत कराया। स्थानीय लोगों के मुताबिक थाना बारादरी क्षेत्र में घेर जाफर खां से अंजुमन शुरू होती है। यहां से 250 से 300 बच्चों के साथ अंजुमन निकल कर कांकर टोला, जगतपुर, शाहदाना, श्यामगंज पहुंचती है। इसके बाद इसी रूट से इसकी वापसी होती है। इस बार अंजुमन जैसे ही रवि की आटा चक्की के पास पहुंची, लोगों ने इसका रास्ता रोक दिया। उनका कहना था कि अंजुमन यहां से कभी नहीं निकली।

इस बार भी परंपरा से अलग कुछ नहीं होगा। इस बात को लेकर दोनों पक्षों में टकराव की नौबत आ गई। दरअसल बारावफात के दिन ही पैगंबर मोहम्मद साहेब का जन्म हुआ था और इसी दिन उनका इंतकाल भी हुआ। इस मौके पर जुलूस ए मोहम्मदी निकलता है। इसको लेकर शहर और आसपास के गांव से भी अंजुमन आती हैं। बरेली के एसपी सिटी राहुल भाटी ने बताया कि 27 सितंबर 2023 को बारावफात के मौके पर पुराने शहर से परंपरागत जुलूस निकलता है।

यूपी में बढ़ाई जाएगी मतदान केंद्रों की संख्या इस दिन जारी होगी नई वोटिंग लिस्ट

लखनऊ, 28 सितंबर (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव को लेकर मतदान केंद्रों की संख्या बढ़ाने का सुझाव राजनीतिक दलों ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी को दिया है। इस संदर्भ में मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। उन्होंने बताया कि मतदाताओं की सुविधा के लिए बहुमंजिली इमारतों के भूतल पर मतदेय केंद्र बनाए जाएंगे। साथ ही झुग्गी-झोपड़ी में रहने वाले मतदाताओं के लिए उनके पास ही मतदेय केंद्र बनाने के लिए उचित स्थानों का चयन किया जाना है। उन्होंने अपील की मतदाता सूची में संशोधन के मद्देनजर बूथ लेवल के एजेंटों की तैनाती कर दी जाए, जिससे यह काम आसानी के साथ हो सके। मतदाता सूची में संशोधन के लिए सूची का प्रकाशन 17 अक्टूबर को किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची में नाम शामिल किए जाने के लिए हेतु फार्म-छह,नाम अपमार्जन किए के लिए फार्म-सात और मतदाता फोटो पहचान पत्र तथा दिव्यांग मतदाताओं के लिए फार्म-आठ का इस्तेमाल करना होगा। बैठक में आनलाइन आवेदन करने की प्रक्रिया के बारे में भी जानकारी दी गई।

सोनभद्र में मतदान का समय बढ़ाने की मांग

राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने मांग रखी कि नक्सली प्रभावित एरिया होने के कारण पूर्व में सोनभद्र जिले की संबंधित विधानसभाओं में मतदान का समय चार बजे तक रखा जाता रहा है। यह क्षेत्र अब नक्सल प्रभावित नहीं रह गया है। इसलिए प्रदेश की अन्य विधानसभा क्षेत्रों की भांति ही यहां भी मतदान का समय रखा जाए।

सपा ने सूची उपलब्ध करवाने की मांग की

समाजवादी पार्टी ने मांग रखी कि 17 अक्टूबर को प्रकाशित होने वाली मतदाता सूची के साथ मतदाता सूची में जोड़े गए नाम, संशोधित किए गए नाम व काटे गए नामों की सूची समाजवादी पार्टी को उपलब्ध कराई जाए। प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल की ओर से मुख्य निर्वाचन अधिकारी को दिए गए ज्ञापन में कहा गया है कि 30 नवंबर तक मतदाता सूची का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान चलाया जाएगा।

नजदीक बनाए जाएं मतदान केंद्रः कांग्रेस

कांग्रेस के लखनऊ जिलाध्यक्ष वेद त्रिपाठी ने कहा कि मतदान केंद्र ज्यादा दूर बन बनाए जाएं, इससे बुजुर्ग व महिलाएं आसानी से मतदान कर सकेंगी। इस बात का विशेष ध्यान रखा जाए कि लोगों को कहीं भी मतदान में असुविधा न हो और लंबी लाइन में न लगना पड़े।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

सुविचार: जिस देश में हर व्यक्ति स्वयं को अपने पड़ोसी से श्रेष्ठ समझता हो, तो क्या ऐसे देश में एकता हो सकती है?

तेलंगाना में निरंतर निवेश : केटीआर

हैदराबाद, 28 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। उद्योग मंत्री केटी रामाराव ने कहा कि जो कंपनियां गुजरात, कर्नाटक और अन्य राज्यों में अपनी इकाइयां स्थापित करने की योजना बना रही थीं, वे अब मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव के कुशल नेतृत्व, कानून-व्यवस्था पर पूर्ण नियंत्रण और व्यवसाय करने की सहजता के कारण तेलंगाना में निवेश कर रही हैं। राज्य में 26 प्रतिशत से अधिक निवेश वेलस्पन जैसी मौजूदा कंपनियों से बार-बार किया गया निवेश है। रामाराव ने कहा कि यह तेलंगाना और यहां बने औद्योगिक अनुकूल माहौल के लिए सबसे बड़ा समर्थन है।

मंत्री ने वेलस्पन वर्ल्ड के चेयरमैन बीके गोयनका के साथ गुरुवार को यहां चंदनवेल्ली में सिंटेक्स बीएपीएल लिमिटेड इकाई का शिलान्यास किया। यह इकाई 350 करोड़ रुपये के निवेश से स्थापित की जा रही है और इससे क्षेत्र में 1000 नौकरियां पैदा होंगी। मुझे वेलस्पन के अध्यक्ष बीके गोयनका द्वारा प्रदर्शित उद्यमिता की भावना पसंद है। वह कई युवा उद्यमियों के लिए प्रेरणा रहे हैं। आज, समूह ने यहां एक लॉजिस्टिक्स पार्क, एक आईटी और आईटी सक्षम सेवा सुविधा स्थापित करने की प्रतिबद्धता जताई है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा, 5000 करोड़ रुपये के निवेश और 50,000 नौकरियां पैदा करने की भी मजबूत प्रतिबद्धता जताई गई है।

उन्होंने कहा कि काइटेक्स ग्रुप, जो कि सीतारामपुर में सिर्फ तीन किलोमीटर दूर था, गिनीज बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में जगह बनाने का प्रयास कर रहा था। कंपनी ने 250 एकड़ में 1.2 किमी लंबी असेंबली लाइन गारमेंटिंग फैक्ट्री स्थापित की थी। यूनिट में लगभग 18,000 लोग काम करेंगे। उन्होंने कहा, अब उनकी परिधान और परिधान के लिए 3.6 किमी लंबी असेंबली लाइन स्थापित करने की योजना है। मैंने वेलस्पन की कपड़ा इकाई का निरीक्षण किया है और यह विश्व स्तरीय है। मुझे खुशी है कि मेड इन चंदनवेल्ली उत्पाद सिलिकॉन वैली तक पहुंच गए हैं। यहां तक कि सिंटेक्स इकाई भी कर्नाटक में स्थापित की जानी थी, लेकिन मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव के कुशल नेतृत्व और कानून-व्यवस्था पर पूर्ण नियंत्रण तथा व्यापार करने में आसानी के कारण दोनों इकाइयां तेलंगाना में आ गई हैं। उद्योग प्रबंधनों से अधिक से अधिक स्थानीय प्रतिभाओं को रोजगार देने की अपील करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार चंदनवेल्ली और चेवेल्ला में कंपनियों के साथ मिलकर एक कौशल केंद्र स्थापित करने के लिए तैयार है। वह यह भी चाहते थे कि प्रबंधन चंदनवेल्ली, सीतारामपुर, ऐटाबाद और अन्य पड़ोसी गांवों में अपनी कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी के तहत अलग-अलग काम करे।

यह कहते हुए कि चेवेल्ला के सांसद रंजीत रेड्डी शायद राज्य के सबसे भाग्यशाली सांसद हैं, रामाराव ने कहा कि महेश्वरम में एक इलेक्ट्रॉनिक उद्योग आ रहा है, जबकि सेरिलिंगमपल्ली और राजेंद्रनगर में तेजी से आईटी और पर्यटन क्षेत्रों का विस्तार हो रहा है। विकाराबाद में, तेलंगाना की मोबिलिटी वैली स्थापित की जा रही है, जबकि पारिगी में, खाद्य प्रसंस्करण इकाइयाँ आ रही है और चेवेल्ला में, विनिर्माण इकाइयाँ आ रही हैं।

जल्द पूरा होगा रायडांडी का दशकों पुराना सपना

पेद्दापल्ली, 28 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रायडांडी गांव के लोगों का दशकों पुराना सपना जल्द ही साकार होने जा रहा है, जिला प्रशासन कुर्ज़ुकम्मी (अधिग्रहीत) भूमि के आवंटित भूमि पट्टों को वितरित करने के लिए कमर कस रहा है।

राज्य सरकार के निर्देशों के आधार पर, सर्वेक्षण और भूमि अभिलेख विभाग के अधिकारी रायदांडी गांव के अंतर्गत आने वाली भूमि का सर्वेक्षण कर रहे हैं। कृषि भूमि का सर्वे जहां पहले ही पूरा हो चुका है, वहीं मकानों की पैमाइश की जा रही है। अधिकारी गांव की सीमा में 1,018 एकड़ में फैली संपूर्ण कुर्ज़ुकम्मी भूमि का सर्वेक्षण करके सरकार को रिपोर्ट सौंपने की योजना बना रहे हैं। स्थानीय लोगों का लंबे समय से चला आ रहा संघर्ष अब साकार होने जा रहा है, जिससे किसान और गांववासी खुश हैं। 1946 में तत्कालीन निज़ाम सरकार ने आज़माबाद पावर प्लांट के निर्माण के लिए रायदांडी के बाहरी इलाके में 1,018 एकड़ ज़मीन का अधिग्रहण किया है।

जहां कुछ लोगों को मुआवजा मिला, वहीं अधिकांश को कुछ नहीं मिला। इस बीच, भूमि पर कोई निर्माण किए बिना निज़ाम के राज्य का भारतीय संघ में विलय कर दिया गया। बाद में, भूमि को कुर्ज़ुकम्मी भूमि अभिलेखों में रखा गया। वे सभी लोग, जिन्होंने ज़मीन निज़ाम की सरकार को सौंप दी थी, ज़मीन पर कब्ज़ा कर चुके थे और कृषि और अन्य गतिविधियाँ जारी रख रहे हैं।

अपनी ज़मीन वापस पाने के लिए आंदोलन चलाने वाले रायदांडी निवासियों ने 1972 में अदालत का दरवाजा खटखटाया लेकिन उनके पक्ष में फैसला नहीं आ सका। 1996 में, तत्कालीन टीडीपी सरकार ने बिजली परियोजना की स्थापना के लिए बीपीएल कंपनी को 185 एकड़ कुर्ज़ुकम्मी भूमि सहित 390 एकड़ जमीन आवंटित की थी। चूंकि बीपीएल ने कुर्ज़ुकम्मी जमीन लेने से इनकार कर दिया, इसलिए सरकार ने एकमुश्त निपटान के तहत कंपनी के नाम पर जमीन पंजीकृत कर दी। इसे लाभ के रूप में लेते हुए, ग्रामीणों ने फिर से अदालत का दरवाजा खटखटाया और 2012 में उनके पक्ष में फैसला आया।

कोर्ट के निर्देश के आधार पर तत्कालीन सरकार ने आनंद सर्वेक्षण कराया था. हालाँकि, इसमें भी देरी हो गई। 2014 में तेलंगाना के गठन के बाद, उन्होंने तत्कालीन रामागुंडम विधायक सोमरापु सत्यनारायण से संपर्क किया, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। फिर, विधायक कोरुकांति चंदर ने इस मुद्दे को मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव के संज्ञान में उठाया, जिन्होंने तब अधिकारियों को मामले को देखने का निर्देश दिया। राजस्व विभाग ने अब आवंटित भूमि पट्टे जारी करने का निर्णय लिया है क्योंकि सामान्य भूमि पट्टे देना संभव नहीं था और स्थानीय अधिकारियों को सर्वेक्षण करने का निर्देश दिया है, जो अब अंतिम चरण में है।

विधायक सीताक्का ने महिलाओं की गिरफ्तारी की निंदा की

हैदराबाद, 28 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुलुगु में तेलंगाना के मंत्री हरीश राव से मिलने आ रही महिलाओं को पुलिस द्वारा गिरफ्तार करने पर विधायक सीताक्का ने नाराजगी जताई है। उन्होंने कोंडराई गांव में अपना घर खो चुकी महिलाओं ने मंत्री को प्रार्थना पत्र देने आते समय गिरफ्तारी की कड़ी आलोचना की है।

उन्होंने कहा कि यह लोगों को सरकार के खर्च पर आयोजित बैठक में जाने से रोकने के लिए है। मंत्री हरीश राव ने कहा कि यह बैठक बीआरएस पार्टी का कार्यक्रम नहीं है। गुरुवार सुबह पीड़ितों से मिलने के बाद विधायक सीताक्का ने वहां से वरिष्ठ पुलिस अधिकारी को फोन किया और गिरफ्तारी के बारे में उनसे पूछताछ की। सीताक्का ने विरोध करते हुए कहा कि मंत्री को उनके मुद्दों पर याचिका दायर करने का मौका दिया जाना चाहिए। क्या हम लोकतंत्र में हैं या मैं पाकिस्तान में हूं? बाद में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस ने मंत्री हरीश राव के दौरे के मद्देनजर मुलुगु निर्वाचन क्षेत्र में कांग्रेस कार्यकर्ताओं और आम लोगों को गिरफ्तार किया। अपने घर खोने वाले पीड़ित इस बात से नाराज़ थे कि उन्हें मंत्री से मिलने की अनुमति दिए बिना पुलिस स्टेशन में बंद किया जा रहा है। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि सत्ताधारी दल जिन लोगों को चाहते हैं उन्हें तो विशेष वाहनों से ला रहे हैं, लेकिन आम लोगों को जेल में डाल रहे हैं। उन्होंने सवाल किया कि क्या वे लोग थे. उन्होंने पीड़ितों की तत्काल रिहाई की मांग की।

सड़क दुर्घटना में दो किशोरों की मौत

हैदराबाद, 28 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जगत्याल ज़िले के जगतियाल ग्रामीण मंडल के चेल्गल के पास बुधवार रात सड़क दुर्घटना में दो किशोरों की मौत हो गयी। वे ताटीपल्ली के निवासी कार्तिक (18) और रवितेजा (17) थे। यह घटना तब हुई जब दोपहिया वाहन जिस पर दोनों जगतियाल से अपने पैतृक गांव जा रहे थे, रात करीब 11 बजे एक अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। कार्तिक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि रवितेजा ने अस्पताल ले जाते समय अंतिम सांस ली। घटना की जानकारी होने पर ग्रामीण एसआई सुधाकर ने घटनास्थल का दौरा किया और मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

स्वामीनाथन के निधन पर सीएम केसीआर ने जताया शोक

हैदराबाद, 28 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव ने गुरुवार को भारत की हरित क्रांति के जनक एमएस स्वामीनाथन के निधन पर सदमा और गहरा दुख व्यक्त किया। कृषि क्षेत्र ने अपनी अग्रणी रोशनी खो दी है। उन्होंने कहा कि भारत का अपने पारंपरिक कृषि तरीकों से नवीन और आधुनिक तरीकों के एक नए चरण में परिवर्तन विश्व-प्रसिद्ध कृषिविज्ञानी के अग्रणी प्रयासों के कारण है, जो रेमन मैग्सेसे पुरस्कार के प्राप्तकर्ता थे। स्वामीनाथन ने भारत को खाद्य क्षेत्र में आत्मनिर्भर राष्ट्र के रूप में उभरने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। भारत में बहुसंख्यक लोगों की आजीविका कृषि पर आधारित थी। उनके प्रयोग से मिली आश्चर्यजनक सफलता की बदौलत भारत चावल, गेहूं और अन्य खाद्यान्नों के उत्पादन में समृद्ध हुआ और इस तरह हरित क्रांति का मार्ग प्रशस्त हुआ। उन्होंने कहा कि स्वामीनाथन ने एक कृषिविज्ञानी के रूप में अपना जीवन देश की आबादी की जरूरतों के अनुरूप खाद्य सुरक्षा के लिए समर्पित कर दिया। उन्होंने भारतीयों के दिलों में अपने लिए जगह बना ली थी। उनके साथ अपने जुड़ाव को याद करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वामीनाथन ने कृषि क्षेत्र को पुनर्जीवित करने के उद्देश्य से की गई सभी प्रमुख पहलों के लिए राज्य की प्रशंसा की थी। उन्होंने कहा कि तेलंगाना के गठन के बाद सचिवालय में उनकी पहली बैठक में स्वामीनाथन के साथ उनकी बातचीत अभी भी उनके दिमाग में ताजा है, उन्होंने कहा कि तेलंगाना के कृषि क्षेत्र में बदलाव के लिए स्वामीनाथन द्वारा दिए गए सुझाव अमूल्य थे। उन्होंने कृषि को मुफ्त बिजली देने और सिंचाई के विकास की राज्य की पहल की सराहना की थी। उन्होंने कहा कि किसानों के कल्याण और एकीकृत कृषि क्षेत्र के सतत विकास के लिए स्वामीनाथन द्वारा की गई सिफारिशों ने उन्हें प्रभावित किया है। राज्य सरकार स्वामीनाथन की इच्छाओं को पूरा कर सकती है जो अक्सर इस बात पर जोर देते थे कि तेलंगाना की मिट्टी इतनी उपजाऊ है कि राज्य को पूरे देश के लिए बीज के कटोरे के रूप में विकसित किया जा सके। राज्य की विकास गाथा से प्रभावित स्वामीनाथन भी राज्य का दौरा करने के इच्छुक थे। मुख्यमंत्री के रूप में और एक किसान परिवार से आने वाले व्यक्ति के रूप में, चन्द्रशेखर राव ने कहा कि स्वामीनाथन द्वारा सराहना किए जाने पर उन्हें गर्व है। उन्होंने कहा, स्वामीनाथन द्वारा छोड़े गए शून्य को भरना मुश्किल है।

स्वामीनाथन का निधन भारतीय कृषक समुदाय के लिए एक बड़ी क्षति : कृषि मंत्री

हैदराबाद, 28 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कृषि मंत्री एस. निरंजन रेड्डी ने कहा कि प्रख्यात कृषि विज्ञानी और भारतीय हरित क्रांति के जनक एमएस स्वामीनाथन का निधन देश के लिए एक बड़ी क्षति है। उन्होंने कहा, यह क्षति भारतीय कृषक समुदाय के लिए अपूरणीय होगी। मंत्री ने कहा कि स्वामीनाथन ने कृषि क्षेत्र में तेलंगाना द्वारा की गई तीव्र प्रगति की प्रशंसा की, जब मंत्री ने हाल ही में अपने अधिकारियों की टीम के साथ चेन्नई में उनसे मुलाकात की। उन्होंने यह भी इच्छा व्यक्त की थी कि अगर उनका स्वास्थ्य ठीक रहा तो वे कृषि क्षेत्र में हुई प्रगति को देखने के लिए तेलंगाना का दौरा करेंगे। स्वामीनाथन ने प्रसिद्ध कृषि विज्ञानी नॉर्मन बोरलॉग के साथ काम किया है और वह नोबेल पुरस्कार के बराबर विश्व खाद्य पुरस्कार पाने वाले पहले भारतीय थे। निरंजन रेड्डी ने स्वामीनाथन के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया।

केसीआर को हटाने की साजिश जारी : हरीश राव

हैदराबाद, 28 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वित्त मंत्री टी. हरीश राव का कहना है कि कांग्रेस और बीजेपी तेलंगाना पर जहर उगल रही हैं। मंत्री हरीश राव ने आलोचना करते हुए कहा कि बीजेपी और कांग्रेस पार्टियां तेलंगाना के प्रति नफरत दिखा रही हैं।

राज्य की जनता ने उन पार्टियों की झूठी बातें सुनीं और कहा कि वे चिंता न करें। उन्होंने कहा कि तेलंगाना के साथ भेदभाव करने में कांग्रेस पहले नंबर पर और बीजेपी दूसरे नंबर पर है। उन्होंने कहा कि इन दोनों पार्टियों के कारण ही हम पिछड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि आगामी चुनाव में केसीआर को बाहर करने की साजिशें चल रही हैं और वे बीआरएस सरकार के खिलाफ झूठ फैला रहे हैं। लोगों ने कहा कि कर्नाटक में कांग्रेस सरकार ऐसी स्थिति में है कि वह बिजली भी नहीं दे सकती है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना में निर्बाध बिजली आपूर्ति हो रही है। हरीश ने आरोप लगाया कि विपक्ष राजनीतिक फायदे के लिए झूठी अफवाह फैला रही है।

स्कूल में फंदे से लटका मिला छात्र

हैदराबाद, 28 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सूर्यापेट जिले के ज्योतिबा पुले आवासीय विद्यालय के नौवीं कक्षा के छात्र अलकुंतला राकेश को गुरुवार को जिले के आत्मकुर (एस) में स्कूल के परिसर में एक शेड में लटका हुआ पाया गया।पुलिस के अनुसार, छात्रावास के निवासियों ने गुरुवार सुबह राकेश को शेड में लटका हुआ देखा और पुलिस को सूचित किया। राकेश नलगोंडा जिले के मुकुंदपुरम के मूल निवासी थे।

भाग्यनगर गणेश उत्सव समिति द्वारा नगर में प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी भगवान गणेश की सामूहिक विसर्जन यात्रा के तहत चारमीनार भाग्यलक्ष्मी मंदिर के पास स्थापित स्वागत मंच से बतौर मुख्य अतिथि श्रद्धालुओं को संबोधित करती हुईं केंद्रीय मंत्री निरंजन ज्योति। साथ में हैं भाग्यनगर गणेश उत्सव समिति के प्रमुख डॉ. भगवंत राव व अन्य।

गणेश विसर्जन समारोह में खुद को संभाल नहीं सके पुलिसकर्मी

पारंपरिक ढोल की थाप पर थिरकते हुए देखे गये

हैदराबाद, 28 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जैसे ही दस दिवसीय गणेश चतुर्थी उत्सव गुरुवार को समाप्त हुआ, हैदराबाद में गणेश विसर्जन का जीवंत और उत्साहपूर्ण उत्सव देखा गया। श्रद्धालुओं, स्वयंसेवकों और यहां तक कि पुलिस कर्मियों सहित जीवन के सभी क्षेत्रों के लोगों ने उत्सव की भावना को अपनाया। एक वीडियो में टैंकबंड में 'गणेश विसर्जन' जुलूस के दौरान हैदराबाद पुलिस कर्मियों को पारंपरिक ढोल की थाप पर थिरकते हुए देखा गया। यह खुशी का जश्न तब हुआ जब खैरताबाद के 63 फीट ऊंचे बड़ा गणेश को कड़े सुरक्षा इंतजामों के साथ विसर्जन के लिए ले जाया जा रहा था। यह वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर व्यापक लोकप्रियता हासिल कर रहा है।

पारसीगुट्टा स्थित श्री आईमाताजी मंदिर में भादव मास श्री खेतलाजी भेरुजी के जागरण में भजन प्रस्तुत करते हुए नैनाराम एंड पार्टी। अवसर पर दर्शन, भजनों व प्रसाद का लाभ लेते हुए अध्यक्ष जे.सी.चोलाराम हाम्बड़, शिक्षा समिति अध्यक्ष परसराम बर्फा, कोषाध्यक्ष जसवन्त देवड़ा, सहसचिव बाबुलाल चोयल, पूर्व अध्यक्ष जसराज सोलंकी, पदाधिकारी व समाज बन्धु।

महिलाओं को वेश्यावृत्ति के लिए मजबूर किया जा रहा है : नारा लोकेश

हैदराबाद, 28 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नारा लोकेश का कहना है कि आंध्र प्रदेश में वेश्यावृत्ति के लिए मजबूर महिलाओं की संख्या सबसे अधिक है। टीडीपी के युवा नेता नारा लोकेश ने कहा कि एपी में महिलाएं अत्यधिक गरीबी से पीड़ित हैं। उन्होंने कहा कि जिन राज्यों में महिलाओं को वेश्यावृत्ति के लिए मजबूर किया जाता है उनमें आंध्र प्रदेश पहले स्थान पर है।

उन्होंने कहा कि यह चिंता का विषय है कि वेश्यावृत्ति के कारण लड़कियां कम उम्र में गर्भवती हो रही हैं। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि पुलिस इस ओर ध्यान नहीं दे रही है क्योंकि पुलिस विपक्ष को दबाने में लगी है। दुय्याबट्टा ने कहा कि साइको जगन का फर्जी कल्याण इन बहनों को पर्याप्त सुरक्षा और सम्मानजनक जीवन प्रदान करने में विफल रहा है। इस हद तक, उन्होंने एक एक्स प्लेटफॉर्म के रूप में प्रतिक्रिया व्यक्त की। लोकेश ने राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण द्वारा 15 से 19 वर्ष की आयु के बीच की युवा महिलाओं के गर्भवती होने का विवरण साझा किया। इस सूची में एपी में 12.6 प्रतिशत किशोरियां गर्भवती हो रही हैं। राष्ट्रीय औसत 6.8 प्रतिशत है। लोकेश ने हमारे देश के विभिन्न राज्यों में वेश्यावृत्ति का विवरण भी साझा किया। भारत में जहां 8.50 लाख लोग वेश्यावृत्ति में लगे हुए हैं... वहीं आंध्र प्रदेश से 1,33,447 महिलाएं वेश्यावृत्ति में लगी हुई हैं।

जीडिमेटला स्थित श्री आईमाताजी मंदिर में आयोजित श्री खेतलाजी भैरुजी के जागरण में भजन प्रस्तुत करते हुए रविन्द्रसिंह राजपुरोहित। अवसर पर पूजा-अर्चनाकर, भजनों व प्रसाद का लाभ लेते हुए सचिव नारायणलाल वरपा, सहसचिव प्रेम पंवार, सलाहकार सोहनलाल परिहार, पदाधिकारी व समाज बन्धु।

जगन ने एमएस स्वामीनाथन के निधन पर शोक व्यक्त किया

अमरावती, 28 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाईएस जगनमोहन रेड्डी ने गुरुवार को प्रख्यात कृषि वैज्ञानिक एमएस स्वामीनाथन के निधन पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने ट्वीट किया कि भारत की हरित क्रांति के जनक डॉ. एमएस स्वामीनाथन गारू के निधन के बारे में सुनकर मुझे गहरा दुख हुआ है। राष्ट्र का पेट भरने के प्रति उनके समर्पण और प्रतिबद्धता ने भारत में कृषि को बदल दिया। मौजूदा समय में, जब बढ़ती खपत को पूरा करने के लिए उत्पादन बढ़ाने पर जोर देने की जरूरत है, डॉ. स्वामीनाथन का काम और विरासत हम सभी का मार्गदर्शन और प्रेरणा देती रहेगी।

करमनघाट अलमासगुडा स्थित श्री आईमाताजी बडेर में भादव मास के पावन अवसर पर खेतलाजी भैरुजी के जागरण में भजन प्रस्तुत करते हुए श्री बालयोगी संतोषरामजी महाराज, सावलराम देवासी, मोहनलाल चौधरी। अवसर पर अतिथियों का सम्मानकर, दर्शन, भजनों व प्रसाद का लाभ लेते हुए अध्यक्ष प्रकाश आगलेचा, सचिव पुखराज चोयल, पदाधिकारी व समाज बन्धु।

स्वतंत्र वार्ता
शुक्रवार, 29 सितंबर- 2023

भाजपा की नई रणनीति के बाद शिवराज और वसुंधरा राजे सांसत में?

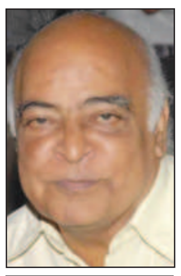

अशोक भाटिया

मध्य प्रदेश के विधानसभा चुनावों की तारीखों के ऐलान से पहले ही भाजपा ने 78 उम्मीदवारों की लिस्ट जारी कर पार्टी के अंदर और बाहर दोनों जगह खलबली मचा दी है। भाजपा ने मध्य प्रदेश के चुनावी रण में अब तक तीन केंद्रीय मंत्री और 4 सांसदों को उतारा है। ऐसे में अब पूरी उम्मीद है कि राजस्थान में भी भाजपा इसी फार्मूले पर काम करेगी और राजस्थान की भौगोलिक परिस्थितियों की मुताबिक़ क्षेत्रीय नेताओं, जिनकी अपने समाज में पकड़ है, उनको आगे लाया जाएगा। सूत्रों के मुताबिक राजस्थान में 4 से 5 सांसदो को चुनाव लड़ाने की तैयारी भी की जा रही है। राजस्थान विधानसभा चुनावों की रणनीति पर भाजपा आज जयपुर में बैठक कर रही है। बैठक में गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के साथ राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल सन्तोष भी मौजूद रहे। इन नेताओं के साथ ही वसुंधरा राजे सिंधिया, गजेन्द्र सिंह शेखावत, राज्यवर्धन सिंह राठौड़, राजेंद्र राठौड़, अरुण सिंह, सतीश पूनिया और सह प्रभारी नितिन पटेल मौजूद हैं। बैठक में परिवर्तन यात्रा के बाद राज्य में भाजपा को लेकर माहौल पर चर्चा हो रही है। सूत्रों के मुताबिक भाजपा , मध्य प्रदेश का फॉर्मूला राजस्थान में अपनाएगी। मध्य प्रदेश और राजस्थान में होने वाले विधानसभा चुनावों में तारीखों का ऐलान भले ही अभी तक नहीं हुआ है लेकिन भाजपा उम्मीदवारों की घोषणा करने लगी है। मंगलवार को भाजपा के राजस्थान चुनाव प्रभारी केन्द्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी ने कहा था कि भाजपा जल्द ही राजस्थान विधानसभा चुनाव के लिए अपने प्रत्याशियों की घोषणा करेगी। सूत्रों के मुताबिक केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल समेत कुछ अन्य सांसदों को भी विधानसभा चुनाव में उतारा जा सकता है। इस बैठक में टिकट वितरण और अन्य चुनाव संबंधी मुद्दों पर चर्चा की जा रही है। साथ ही परिवर्तन यात्रा से मिली प्रतिक्रिया पर भी चर्चा करेंगे। पार्टी सूत्रों ने बताया कि गुरुवार सुबह, नड्डा और शाह आरएसएस के स्थानीय नेताओं से मुलाकात करेंगे।भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) बीएल संतोष भी जयपुर में हैं। गौरतलब है कि मध्य प्रदेश चुनावों के लिए भाजपा ने अपनी दूसरी लिस्ट जब जारी की, तो उसमें कई केंद्रीय मंत्रियों और सांसदों का नाम देखकर सबको हैरत हुई।कुछ अख़बारों की ख़बर के अनुसार इस लिस्ट के आने से मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का राजनीतिक भविष्य डगमगाया है।अख़बार भाजपा से जुड़े नेता के हवाले से लिखता है कि इस लिस्ट के ज़रिए मोदी के दौर से पहले की एक और भाजपा नेता वसुंधरा राजे को भी संकेत चले गए हैं। वसुंधरा राजस्थान की मुख्यमंत्री रही हैं और आगामी विधानसभा चुनावों में एक बार फिर मुख्यमंत्री की कुर्सी पर निगाह लगाए हुई हैं।भाजपा ने मध्यप्रदेश चुनावों की दूसरी लिस्ट में केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर समेत चार सांसदों को विधायकी का टिकट दिया है।मंगलवार से ये भी अटकलें भी लगाई जा रही थीं कि भाजपा शिवराज सिंह चौहान का टिकट काट सकती है। अब तक भाजपा ने जो दो लिस्ट जारी की हैं, उसमें शिवराज सिंह चौहान का नाम नहीं है। वैसे भी भाजपा का मौजूदा शीर्ष नेतृत्व चौंकाने वाले फ़ैसलों के लिए जाना जाता रहा है।पार्टी से जुड़े एक नेता ने कहा कि शिवराज सिंह का टिकट कटने से जुड़ी संभावनाओं से इनकार नहीं किया जा सकता है।वो यह भी कहते हैं कि इस बात की संभावना कम ही है कि शिवराज सिंह चौहान चुनावी मैदान में ना हों पर इस बात को पुख़्ता तौर पर नहीं कहा जा सकता कि अगर भाजपा जीतती है तो वो मुख्यमंत्री बने रहेंगे। एक नेता का कहना है कि चुनावी नतीजों के बाद केंद्रीय नेतृत्व तय करेगा कि मुख्यमंत्री कौन बनेगा?भाजपा नेताओं का कहना है कि नरेंद्र सिंह तोमर, प्रह्लाद सिंह पटेल और महासचिव कैलाश विजयवर्गीय मुख्यमंत्री पद के प्रबल दावेदार हैं और इन नेताओं को चुनावी मैदान में उतारकर भाजपा ने अगले मुख्यमंत्री की संभावनाओं को और विस्तार दे दिया है। राजस्थान में कांग्रेस सत्ता में है। राजस्थान में हर पांच साल में सरकार बदलने की परंपरा रही है। ऐसे में कांग्रेस के लिए भाजपा चुनौती है। भाजपा से जुड़े एक नेता ने बताया कि मध्य प्रदेश जैसे हालात राजस्थान में भी हो सकते हैं।शिवराज सिंह चौहान चार बार से मुख्यमंत्री हैं और पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे भी दो दशक से राजस्थान में भाजपा की बड़ी नेता हैं लेकिन मौजूदा नेतृत्व चाहता है कि उनका प्रभुत्व ख़त्म हो।भाजपा ने राजस्थान में भी मुख्यमंत्री चेहरे का एलान नहीं किया है और पार्टी राजस्थान में भी ऐसा ही कर सकती है।अख़बार लिखता है कि राजस्थान में भी भाजपा अपने अहम नेताओं, केंद्रीय मंत्रियों को चुनावी मैदान में उतार सकती है। कुछ पार्टी नेताओं का कहना है कि भाजपा जो तरीका अपना रही है, उससे गुटबाज़ी बढ़ सकती है और इसका नुकसान पार्टी को ही होगा। दोनों राज्यों में भाजपा के अंदर भी हालात पहले से ही बहुत अच्छे नहीं हैं। एक पार्टी नेता का कहना है कि 'मौजूदा नेतृत्व की दुविधा ये है कि वो शिवराज सिंह और वसुंधरा राजे को नहीं चाहते हैं लेकिन वो उन्हें नज़रअंदाज़ भी नहीं कर सकते। दोनों ही नेताओं के पास काफ़ी समर्थन है। दरअसल देखा जाय तो 64 वर्षीय शिवराज सिंह चौहान 2005 में भारी उठापटक के बाद मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री बने थे। उनके नाम पर प्रमोद महाजन ने उस वक्त वीटो लगाया था। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री बनने के बाद शिवराज ने भाजपा की राजनीति की दिशा ही बदल दी।2008 में शिवराज के नेतृत्व में दूसरी बार भाजपा मध्य प्रदेश की सत्ता में आई। इसके बाद दिल्ली और नागपुर तक उनका दखल बढ़ा। मध्य प्रदेश भाजपा खासकर संघ की राजनीतिक प्रयोगशाला है। यहां पहली बार जनसंघ ने 1977 में सरकार बनाई थी। संघ का फायदा शिवराज ने भी खूब उठाया और भाजपा में अपने समकक्ष के नेताओं को दिल्ली भेजने में कामयाब रहे। पहले प्रभात झा फिर नरेंद्र तोमर और बाद में कैलाश विजयवर्गीय शिवराज की वजह से दिल्ली की राजनीति करने लगे। हालांकि, 2018 में भाजपा की हार ने शिवराज के वजूद पर जरूर असर डाला, लेकिन जल्द ही शिवराज फिर से एक्टिव हो गए। 2020 में कथित ऑपरेशन लोटस के बाद शिवराज सिंह चौहान फिर से मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री बने। कर्नाटक हार के बाद शिवराज का एक बयान खूब सुर्खियों में था। उन्होंने भाजपा नेताओं से कहा था कि यहां शिवराज है, कर्नाटक-फर्नाटक की बात भूल जाओ। हालांकि, चुनाव नजदीक आने के बाद भाजपा हाईकमान ने जिस तरह से फैसले लिए हैं, उससे शिवराज के भविष्य पर सस्पेंस बढ़ गया है। राजस्थान की बात करें तो भैरो सिंह शेखावत के उपराष्ट्रपति बनने के बाद राजस्थान में भाजपा की सियासत वसुंधरा राजे के इर्द-गिर्द घूमने लगी। भाजपा को सत्ता में लाकर वसुंधरा 2 बार मुख्यमंत्री भी बनीं। 2013 में वसुंधरा को सत्ता में लाने के लिए भाजपा ने पूरी ताकत झोंक दी थी हालांकि, 2018 के बाद भाजपा की अंदरूनी राजनीति ने 360 डिग्री यू-टर्न लिया । 2018 में पार्टी के भीतर ही 'मोदी तुझसे बैर नहीं पर वसुंधरा तेरी खैर नहीं' का नारा जोर-शोर से उठा, जो धीरे-धीरे पूरे राजस्थान में छा गया।2018 में हार के बाद वसुंधरा को भाजपा ने राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया। हालांकि, वसुंधरा को किसी राज्य का प्रभार नहीं दिया गया। राजस्थान चुनाव से पहले वसुंधरा के समर्थकों को यह उम्मीद थी कि उन्हें बड़ा पद मिलेगा, लेकिन अब ऐसा नहीं हुआ है।राजस्थान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में एक रैली के

मोदी की मिसाइल ने कनाडा को उधेडा

भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर को मोदी सरकार का मिसाइल मिनिस्टर यूं ही नहीं कहा जाता। आज वे दुनिया में मोदी सरकार के पोस्टर बॉय बन चुके हैं। उनकी सादगी पसंदगी और दो टूक जवाब देने का अंदाज, भारतीयों के मन को भाने लगा है। उनकी काबिलियत रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद का संकट में तो दिखाई ही दिया था, इसके अलावा हाल ही में कनाडा से मौजूदा विवाद में अपनी साहसिक कूटनीति से उन्होंने दुनिया को आईना दिखाने का काम किया है। कनाडा ने जब एक खालिस्तानी आतंकी की हत्या में भारत का नाम लिया गया तो जयशंकर बिफर पडे। यहां तक कि उन्होंने दोनों देशों में संभावित खटास तक की भी चिंता नहीं की। संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक के लिए अमेरिका गए विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अपने धारदार तर्कों और तीखे बयानों से कनाडा को जमकर सुनाया। आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के मामले में जिस तरह से कनाडाई पीएम जस्टिन टूडो ने बगैर किसी ठोस सबूत के भारत पर आरोप लगा दिया और उसके बाद अमेरिका ने जांच में सहयोग का राग अलापा तो विदेशमंत्री एस जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के मंच से अपने भाषण में बड़ी बारीकी से उन सभी सवालों का तर्कों के साथ जवाब देकर सबको लाजवाब कर दिया। उन्होंने मंच की सीमाओं का खयाल रखते हुए न केवल भारत का पक्ष स्पष्ट किया बल्कि अन्य देशों को भी उनकी सीमाओं का अहसास करा दिया। विदेश मंत्री ने साफ कहा कि अब वह दौर खत्म हो चुका है जब कुछ देश मिलकर दुनिया का अजेंडा सेट करते थे। जयशंकर ने भले ही कनाडा या किसी अन्य देश का नाम नहीं लिया, लेकिन उनकी बातों से साफ था कि वह किस ओर इशारा कर रहे हैं। फिर भी किसी के मन में कोई संदेह न रह जाए इसलिए न्यूयॉर्क में काउंसिल ऑन फॉरेन रिलेशंस में हुई चर्चा के दौरान वह भी साफ कर दिया। वहां उन्होंने साफ-साफ कहा कि कनाडा अगर कोई ठोस और सटीक सबूत देता है, तो भारत निश्चित रूप से उस पर विचार करेगा, लेकिन वहां पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह से आतंकवादी और अलगाववादी गतिविधियां बढ़ी हैं, संगठित अपराध बढ़ा है, उससे भारत का चिंतित होना स्वाभाविक है। वहां भारतीय राजनयिकों को धमकियां दी जाती हैं, भारतीय कॉन्स्युलेट पर हमला होता है और उनके लिए जिम्मेदार तत्वों के बारे में पूरी सूचना मुहैया कराए जाने के बावजूद ठोस कार्रवाई नहीं होती। उलटे उनके लोकतांत्रिक अधिकारों का हवाला दिया जाता है। ऐसी स्थिति भला कोई शक्तिशाली देश कैसे मंजूर कर सकता है? भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर दुनिया में मोदी सरकार के पोस्टर बॉय बन चुके हैं। भारतीय उन्हें पसंद करते हैं। उनकी सादगी हो या दो टूक जवाब देने का अंदाज, भारत का पक्ष वह पुरजोर तरीके से रखते हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद का संकट हो या कनाडा से मौजूदा विवाद, जयशंकर ने अपनी साहसिक कूटनीति से दुनिया को आईना दिखाने का काम किया है। जब से कनाडा के पीएम और विदेश मंत्री ने एक खालिस्तानी आतंकी की हत्या में भारत का नाम लिया है दोनों देशों के संबंधों में खटास आ गई है। ऐसे माहौल में संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक के लिए अमेरिका गए विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अपने धारदार तर्कों और तीखे बयानों से कनाडा को खूब सुनाया। हाल ही में अमेरिका के साथ भारत के द्विपक्षीय रिश्तों में जो करीबी आई है और जिस तरह से दोनों देशों में सामरिक भागीदारी बढ़ी है, उसका ध्यान रखना दोनों पक्षों के लिए जरूरी है। शायद इसी वजह से विदेश मंत्री जयशंकर इस पर अभी सार्वजनिक रूप से कुछ नहीं कह रहे। लेकिन जहां तक जवाबदेही पर जोर देने की बात है तो यह नियम सबके लिए होना चाहिए। और भारत के बारे में तो अभी सिर्फ आरोप है, वह भी ऐसा जिसका कोई ठोस आधार भी सामने नहीं आया है। जिस देश की सरकार ने आरोप लगाया है, वहां जांच तक पूरी नहीं हुई है, पर जिन देशों पर अन्य राष्ट्रों की संप्रभुता और सीमाओं का उल्लंघन करते हुए कार्रवाई करने के मामले ज्यादा ठोस रूप में सामने आ चुके हैं उन पर चुप्पी क्यों? क्या यह अजीब नहीं है कि जिम्मेदारी तय करने का यह जोश सिर्फ भारत के मामले में दिखाया जा रहा है?

नेता असभ्य क्यों होते जा रहे हैं?

रजनीश कपूर

ऐसी वाणी बोलिए, मन का आपा खोये। औरन को शीतल करे, आपहुं शीतल होए। कबीर दास जी का यह दोहा हमें बचपन से ही सिखाता आया है कि चाहे कुछ भी हो हमें ऐसी भाषा बोलनी चाहिए जो सुनने वाले के मन को आनंदित करे। जहां मीठे वचन सुनने वालों को सुख देते हैं, वहीं हमारे मन को भीआनंदित करते हैं। परंतु क्या हमारे द्वारा चुने गये जनप्रतिनिधि इसका अनुसरण कर रहे हैं? या सत्ता के अहंकार में आपा खो रहे हैं। भारत के नये संसद भवन के पहले सत्र में जो हुआ, वो अनहोनी बात थी। नई संसद के पहले सत्र में ऐसा होना देश के लोकतंत्र के लिए बहुत शर्मनाक है। ऐसा नहीं है कि संसद या विधान सभा में हंगामा पहली बार हुआ है कि जब सदन की गरिमा को वहाँ बैठे नेताओं ने तार-तार किया। ऐसा भी नहीं है कि संसद में ऐसी असभ्यता केवल भारत में ही होती है। दुनिया के कई देशों में आजकल ऐसे दृश्य दिखाई देने लगे हैं। हम इसकी केवल निंदा करके छोड़ देते हैं। ऐसी घटनाओं से कोई भी सबक़ नहीं लेता। जब भी कभी, किसी भी दल के नेता द्वारा, सदन में या सदन के बाहर असभ्यता का परिचय दिया जाता है तो उसके आचरण से न सिर्फ़ उस नेता के पारिवारिक संस्कार बल्कि उसके दल के संस्कारों का भी परिचय मिलता है। उनकी छवि पर इसका बुरा असर पड़ता है, अगर उन्हें अपनी छवि की चिंता हो तो। कोई मशहूर व्यक्ति न सिर्फ़ राजनीति में बल्कि किसी भी अन्य क्षेत्र में क्यों न हो अगर शांत और शालीन स्वभाव के हैं तो उनका ज़िक्र हमेशा सम्मान के साथ ही होता है। वहीं जब भी कभी कोई नेता अपने बुरे व्यवहार या कटु वचनों के कारण चर्चा का विषय बनते हैं तो वे इस बात से बेख़बर होते हैं कि उनके ऐसे व्यवहार से उनके वोटरों पर कितना विपरीत असर पड़ता है। पर आजकल तो वोटर भी ऐसे होते जा रहे हैं जो अनेक अन्य कारणों से ऐसे ही नेताओं को पसंद करते हैं। राजनैतिक दलों की बात करें तो सत्ता में बने रहने के लिए उन्हें भी अधिक वोट दिलाने वाली सीबीडीटीऐसी दुधारू गायों की ज़रूरत पड़ती रहती है, जो हंगामा खड़ा करके ध्यान आकर्षित करें। असभ्य नेता जब सदन में होते हैं तो वो भूल जाते हैं कि उनके विपक्ष में बैठे नेता भी एक जनप्रतिनिधि हैं। वो भी उतने ही सम्मान के हक़दार हैं जितने कि वे स्वयं को मानते हैं। परंतु सत्ता के नशे में चूर कुछ नेता, चाहे किसी भी दल के क्यों न हों अपने विपक्षी नेताओं को आजकल आम जनता की तरह समझने लगे हैं। नेताओं द्वारा असभ्य व्यवहार किसी भी तरह का हो सकता है। फिर वो चाहे किसी धर्म विशेष के प्रति हो या किसी जाति या वर्ग के प्रति हो, ऐसे असभ्य नेता कभी भी कोई मौक़ा नहीं छोड़ते। इन असभ्य नेताओं को, यदि वे सत्तारूढ़ दल के हों, उनके दल का समर्थन प्राप्त हो, तो वे किसी की भी परवाह नहीं करते। ऐसे में कोई आम नागरिक यदि किसी सभा में इनसे इनकी असभ्यता पर सवाल भी उठाए तो वे घमंड के चलते उनके सवाल का उत्तर नहीं देते। वहीं यदि कोई पत्रकार इन नेताओं से सवाल पूछे तो उसे इस बात की गारंटी नहीं होती कि ऐसे नेताओं से सवाल पूछने पर उसकी नौकरी बरकरार रहेगी या जायेगी।

स्वामीनाथन ने खेती की बदल दी थी सूरत

देश में जब भी हरित क्रांति का जिक्र होता तो सबसे पहले जो नाम और चेहरा सामने आता है वह है एमएस स्वामीनाथन का। भारत में खेती में क्रांति लाने वाला यह शख्स अब हम लोगों के बीच नहीं है। देश के बेहतरीन साइंटिस्ट में शुमार होने वाले एमएस स्वामीनाथन अपने पीछे एक पूरी विरासत छोड़ गए हैं। 98 साल के हो चुके स्वामीनाथन ने बुधवार (28 सितंबर, 2023) चेन्नई में आखिरी सांस ली। स्वामीनाथ का जन्म 7 अगस्त 1925 को केरल के कुंभकोणम में हुआ था। मोनकोंबू संबासिवन स्वामीनाथन ने भारत में हरित क्रांति की अगुवाई की थी। उनकी तैयार की गई चावल और गेहूं की उन्नत किस्मों से देश में खेती की सूरत पूरी तरह से बदल गई।

वर्ल्ड फूड प्राइज सम्मान मिला

एमएस स्वामीनाथन को 1960 के दशक के दौरान भारत में उच्च उपज देने वाली गेहूं और चावल की किस्मों को विकसित करने और पेश करने के लिए पहला विश्व खाद्य पुरस्कार विजेता नामित किया गया था। स्वामीनाथ ने उस वक्त निर्णायक भूमिका निभाई जब देश को व्यापक अकाल का सामना करना पड़ा। उनकी तैयार की गई चावल और गेंहू की उन्नत किस्मों (एचवायवी) से कुछ ही वर्षों में गेहूं का उत्पादन दोगुना हो गया था। इसके बाद देश खेती में पूरी तरह आत्मनिर्भर हो गया। उन्होंने अपनी योग्यता और कुशलता से लाखों लोगों को भोजन अभाव से बचाया। स्वामीनाथन को पद्म श्री, पद्म भूषण और पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया। उन्हें 1971 में रेमन मैग्सेसे पुरस्कार, 1986 में अल्बर्ट आइंस्टीन विश्व विज्ञान पुरस्कार सहित कई अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार मिले। इसके अलावा, एच के फिरोदिया पुरस्कार, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय पुरस्कार और इंदिरा गांधी पुरस्कार भी दिया गया।

एमएस स्वामीनाथ रिसर्च फाउंडेशन की स्थापना

स्वामीनाथन ने अपने महान मिशन को कायम रखने और स्थायी प्रभाव पैदा करने के लिए, एम एस स्वामीनाथन रिसर्च फाउंडेशन की स्थापना की। इस संस्था के माध्यम से उन्होंने भूख और गरीबी उन्मूलन के लिए अपना अथक प्रयास जारी रखा। फाउंडेशन देश में कृषि के क्षेत्र में आशा की किरण के रूप में कार्य करता है। संस्थान किसानों को ज्ञान और नवीन कृषि तकनीकों से सशक्त बनाता है। स्वामीनाथन ने अपने करियर में प्रशासन में अनेक पदों पर काम किया। उन्होंने भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान का निदेशक (1961-72), आईसीएआर का महानिदेशक और भारत सरकार का कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग का सचिव (1972-79), कृषि मंत्रालय का प्रधान सचिव (1979-80) की जिम्मेदारी संभाली। इसके अलावा वह योजना आयोग (1980-82), सदस्य (विज्ञान और कृषि), और अंतर्राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, फिलीपींस (1982-88) में महानिदेशक भी रहे। सरकार ने 2004 में, स्वामीनाथन को राष्ट्रीय आयोग के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया था। किसानों के आत्महत्या के मामलों के बीच किसान संकट को देखने के लिए एक आयोग की स्थापना की गई। आयोग ने 2006 में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की। आयोग ने अपनी सिफारिशों में सुझाव दिया कि न्यूनतम बिक्री मूल्य (एमएसपी) उत्पादन की भारित औसत लागत से कम से कम 50 प्रतिशत अधिक होना चाहिए।

खेती का तरीका बदल गया

1950 के दशक में भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान में एक युवा वैज्ञानिक के रूप में अपना करियर शुरू किया। उन्होंने डॉ. नॉर्मन बोरलॉग की नव विकसित मैक्सिकन बौनी गेहूं किस्म के बारे में सीखा। इसके बाद उन्हें भारत में आमंत्रित किया। दोनों वैज्ञानिकों ने गेहूं की ऐसी किस्मों को विकसित करने के लिए कंधे से कंधा मिलाकर काम किया, जिनसे अनाज की पैदावार अधिक हो। इस वैज्ञानिक सफलता में भाग लेने के अलावा, स्वामीनाथन ने भारतीय किसानों को सिखाने के लिए नए तरीके भी बनाए। अधिक उपज देने वाली गेहूं की किस्मों, उर्वरकों और अधिक कुशल कृषि तकनीकों के संयोजन को नियोजित करके उत्पादन को प्रभावी ढंग से बढ़ाने पर जोर दिया।1965 में, स्वामीनाथन ने भारत के उत्तरी क्षेत्र में आनुवंशिक रूप से बेहतर अनाज पैदावार पर फोकस किया। इनसे न केवल कृषि उपज में सुधार हुआ, बल्कि कृषि में वैज्ञानिक प्रगति भी शुरू हुई। किसानों के साथ स्वामीनाथन के सीधे काम किया। इससे किसानों की निरक्षरता और औपचारिक शिक्षा की कमी बाधा नहीं बनी। स्वामीनाथन ने भारतीयों की एक पीढ़ी को आधुनिक कृषि की प्रभावशीलता के बारे में ज्ञान प्रदान किया।

परिवार में तीन बेटियां

स्वामीनाथन के परिवार में उनकी तीन बेटियां हैं। सौम्या स्वामीनाथन एमएस स्वामीनाथन रिसर्च फाउंडेशन की अध्यक्ष हैं। दूसरी बेटी मधुरा स्वामीनाथन इंडियन स्टैटिस्टिकल इंस्टीट्यूट में इकोनॉमिक्स की प्रोफेसर हैं। वहीं, छोटी बेटी नित्या स्वामीनाथन इंग्लैड में यूनिवर्सिटी ऑफ ईस्ट एंगिला में जेंडर एनालिसिस की लेक्चरर हैं। उनकी पत्नी मीना का साल 2022 में देहांत हो गया था।

संजय विरुद्ध कैलाश मुकाबला रोचक और काँटेदार

नरेंद्र तिवारी

मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव की सुस्त पड़ी गतिविधियों में भाजपा की दूसरी सूची ने एकदम स्फूर्ति पैदा कर दी। राजनीतिक माहौल में अचानक तेजी एवं सक्रियता आ गयी लगती है। भाजपा की दूसरी सूची में जहां तीन केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर, प्रहलाद पटेल, फग्गनसिंह कुलस्ते शामिल है। इस सूची में कुल 7 सांसद सदस्य एवं राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय जैसे धुलन्दर नेताओं को विधानसभा का टिकट देकर भाजपा ने वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव को गम्भीरता से लड़ने हर हाल में विजय श्री वरण करने की रणनीति पर लड़ने का मूड बना लिया है। दूसरी सूची में इंदौरी भाई याने भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय को इंदौर-1 से भाजपा की उम्मीदवारी सौपना हर हाल में विजय होने की भाजपा की रणनीति को दर्शाता है। भाजपा का केंद्रीय नैतृत्व 2024 के लोकसभा चुनाव के मध्यनजर एमपी सहित राजस्थान, छत्तीसगढ़ के विधानसभा चुनावों को हर हाल में जितने की रणनीति पर काम करता दिखाई दे रहा है। यहीं कारण रहा है बड़े-बड़े चेहरों को विधानसभा चुनाव लड़ने की जवाबदारी दी जा ही है। इंदौर-1 से वर्तमान में संजय शुक्ला विधायक है। कांग्रेस ने अभी तक अपनी कोई भी अधिकृत सूची जारी नहीं कि है। अब जबकि इंदौर-1 से भाजपा की सूची में कैलाश विजयवर्गीय का नाम तय हो गया है। राजनैतिक रूप से देखने समझने वाली बात यह होगी कि क्या संजय शुक्ला इंदौर-1 नम्बर से ही कांग्रेस से विधायक पद के उम्मीदवार होंगे या नई परिस्थितियों में स्थान परिवर्तन पर विचार कर सकते है। राजनीति में अवसर की महत्ता से इंकार नहीं किया जा सकता है। संजय शुक्ला यदि भाजपा के दिग्गज नेता राष्ट्रीय महासचिव से मुकाबला करते है तो उनका नाम भी राष्ट्रीय राजनीति में शुमार हो जाएगा। श्री विजयवर्गीय के एलान के बाद इंदौर-1 की विधानसभा सीट एकदम सुर्खियों में आ गयी है। संजय और कैलाश के मध्य विधानसभा चुनाव 2023 का यह मुकाबला बेहद रोचक और काँटेदार और महामुकाबला होने जा रहा है। यह कहा जाने लगा है। इस संभावित मुकाबले पर प्रदेश ही नही राष्ट्रीय नेताओ की नजर भी रहेगी। अब जबकि दोनों के मध्य मुकाबले के आसार नजर आ रहे है तब यह विचार करना जरूरी हो जाता है कि किसका पलड़ा भारी है ? इंदौर-1 के इस सम्भावित मुकाबले को लेकर कुछ कहना जल्दबाजी होगी। यह मुकाबला बेहद काँटेदार, रोमांचक और दर्शनीय होगा। इस सम्भावित मुकाबले के दोनों राजनीतिक महारथी धुलन्दर है। किसी रोमांचक क्रिकेट मैच की तरह संजय-कैलाश के इस मुकाबले में आखिरी गेंद पर सिक्स लग सकता है। 20-20 के रोमांचक मैच की तरह सुपर ओवर भी हो सकता है। राजनीति के इन दोनों धुलन्दर खिलाड़ियों का राजनीतिक अतीत जानने पर हम पाते है कि कैलाश विजय वर्गीय इंदौर-2, इंदौर-4 एवं महू विधानसभा से विधायक रहें। प्रदेश की सरकार में तीन बार कैबिनेट मंत्री रहे। करीब 6 बार विधायक रहे। वर्ष 2000 में इंदौर के मेयर के पद पर विजय हुए। मध्यप्रदेश के इंदौर से राष्ट्रीय स्तर पर वर्तमान में भाजपा के मजबूत नेता माने जाते है। कैलाश विजयवर्गीय उस समय देश भर में चर्चा में आए थे जब जब उन्होंने बरसो पहले इंदौर में आयोजित फैशन शो के कार्यक्रम में रुप बदलकर पहुचे और विरोध किया था। कैलाश विजयवर्गीय का अनुभव संजय शुक्ला से अधिक है। उम्र के लिहाज से कैलाश विजयवर्गीय संजय शुक्ला से 17 वर्ष बड़े है। कैलाश 67 वर्ष के है जबकि संजय 50 की उम्र में पहुचने वाले है। संजय शुक्ला ने वर्ष 2018 के चुनाव में भाजपा के सुदर्शन गुप्ता को 8 हजार से अधिक मतों से पराजित किया था। संजय ने अपने इंटरव्यू में बताया कि कैलाश जी को उनके पिता स्व. विष्णुप्रसाद शुक्ला ने पार्षद और विधायक बनाया था। वह इस चुनाव को 25 हजार वोटों से जीतेंगे। संजय का आत्मविश्वास चरम पर है। उन्होंने यह भी कहा है कि वे कांग्रेस हाईकमान से मांग करेंगे कि उन्हें इंदौर क्षेत्र क्रमांक 1 से उम्मीदवार बनाए। संजय का आत्मविश्वास यूं ही नहीं है। यह विश्वास उनका जनता से जुड़ाव के कारण है। उनका सेवाभावी कार्य उन्हें अलग शख़्शियत प्रदान करता है। कोरोनाकाल में उनकी भूमिका जब अच्छे-अच्छे नेता यहां तक कि चिकित्सक भी जनता से दूरी बना रहे थे। संजय शुक्ला ने जनता के करीब जाकर बिना भेदभाव जनसेवा कर जनता के मन मे अपना अलग स्थान बनाया है। उन्होंने अव्यवस्थाओं का खुलकर विरोध किया। जब बडे-बडे नेता अपनी जबान भी नहीं खोल रहे पा रहे थै, संजय ने कोरोनाकालीन अव्यवस्थाओ पर चोट कर तात्कालिक प्रशासन को बेनकाब किया।

नींद और तोंद

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

नींद और तोंद उन्हीं को मिलती है जो भाग्यवान होते हैं। ये दोनों अधिक हो जाएँ तो कम किया जा सकता है, लेकिन न हो तो किसी बीमारी से कम नहीं है। गणित का नियम कहता है- जो होता है उसी में से घटाया जा सकता है। जो नहीं है उसके लिए अनुमान लगाना सबसे मुश्किल काम है। यह दुनिया अनुमान लगाने के पचड़े से बचने के लिए ही गणित से पिंड छुड़ाकर भाग रही है। अब देखिए न यहाँ एक तरफ देश दो जून की रोटी कमाने में तो वहीं दूसरी ओर आधा देश इसे पचाने में मरा जा रहा है। इन्हीं दोनों के बीच जो धंधा सबसे ज्यादा फलता-फूलता है, वह है नींद और तोंद का। इसे कैसे कम करें या ज्यादा इसी में लोग अपनी जेब ढीली करते जा रहे हैं। ये दोनों न होते तो कइयों के परिवार सड़क पर आ जाते। शुक्र है कि सोने वाली दुनिया और तोंद फुलाने वाले लोग कइयों की जीवन डोर अपने हाथ में थामे हुए हैं। अजगर की चाकरी और पंछी का काम इनके लिए सबसे प्रिय और आराध्य होता है। यानी आलस इनका परम देवता है। पशु-पक्षी जगत सुबह जल्दी उठ जाता है। यह उनकी विशेषता है। इंसान देरी तक सोता है यह उसकी विशेषता है। देरी तक सोने के कई लाभ होते हैं मसलन दिन की दौड़-धूप से कुछ देर बचने, बेफिजूल की बतकही करने, जात-पात, लिंग, धर्म, भाषा की किचकिच से थोड़ी देर तक अधिक सुस्ता सकता है। वैसे भी यहाँ कौन सही समय पर जागता है? यदि वह सही समय पर जागता तो दुनिया में इतनी झंझट नहीं होती। लेकिन इंसान है कि जलेबीदार घुमाव भरी जिंदगी का आदी हो चुका है। सीधेपन से तो उसे अपच हो जाता है। वैजानिक दृष्टि से भी देखें तो लोग सोने के लिए तरसा करते हैं और हजारों-लाखों रुपया डाक्टरों और दवाइयों में व्यय कर डालते हैं और यह अवैतनिक उपदेशक लोग स्वाभाविक निद्रा को आलस्य और दरिद्रता की निशानी बतलाते हैं। ठीक ही कहा है-₹घर की चक्की छोड़कर, बाहर पाहन पूजे जाएँ।₹ लोग यह समझते हैं कि हम आलसियों से संसार का कुछ भी उपकार नहीं होता। मनुष्य का आलस्य ही अविष्कारों की जननी है। वह ज्यादा चले न इसके लिए एक से बढ़कर गाड़िया बना लीं। परिजनों और परिचितों के घर जाना न पड़े इसके लिए मोबाइल बना लिया। खाना न पकाना पड़े इसके लिए स्वीगी और जोमाटो अपना लिया। लिखने से जिराक्स, चढ़ने से लिफ्ट-एस्कलेटर, पढ़ने से सोशल मीडिया, खेलने से वीडियोगेम और रोने से ग्लिसरिन आदि इसी आलस की देन है। ध्यान से देखें तो पता चलता है कि दुनिया के बड़े-बड़े नोबल प्राप्त आविष्कार आलस्य और ठलुआ-पंथी में ही हुए हैं। वाट साहब ने भाप शक्ति का आविष्कार एक ठलुआ बालक रहकर ही किया था। न्यूटन ने भी अपना गुरुत्वाकर्षण का सिद्धांत बेकारी में ही पाया था। लुई पाश्चर नहाने के आलस के चलते ही अपनी शादी भूलकर वैक्सिन की खोज में लगे रहे। थामस अल्वा एडिसन दुनिया को बत्ती देते उससे पहले ही पाठशाला ने उनकी बत्ती बुझा दी।

पितृपक्ष में भूलकर भी न करें ये काम

छोटी-छोटी गलतियां पितरों को कर देती हैं नाराज

हिंदू कैलेंडर पर आधारित श्राद्ध पक्ष या पितृ पक्ष 10 सितंबर 2022 (शनिवार) से शुरू होकर 25 सितंबर 2022 (रविवार) तक रहेगा। श्राद्ध एक अनुष्ठान है जो दिवंगत आत्मा की शांति के लिए मृत पूर्वजों के परिवार के सदस्यों द्वारा किया जाता है। पितृ पक्ष वर्ष का विशेष समय होता है। ऐसा माना जाता है कि भाद्रपद मास के दौरान पूर्णिमा से अमावस्या तक 16 दिनों तक हमारे मृत पूर्वजों की आत्माएं ऊर्जा के रूप में पृथ्वी पर आती हैं। ये ऊर्जाएं हमारे जीवन को उनकी इच्छा के अनुसार प्रभावित कर सकती हैं। इस अवधि के दौरान, श्राद्ध अनुष्ठान करने में मदद करने वाले ब्राह्मण पुजारियों को भोजन, कपड़े और दान दिया जाता है। गाय, कुत्ते और कौवे को भोजन कराया जाता है। हिंदू धर्म में, ब्राह्मणों को भगवान का प्राथमिक सेवक माना जाता है और वे एक आम आदमी और सर्वोच्च शक्ति के बीच की कड़ी है। पितृ पक्ष हमारे मृत पूर्वजों के लिए सबसे शुभ समय माना जाता है। विभिन्न अच्छे कार्यों के माध्यम से उन्हें खुश रखना मुक्ति या मोक्ष प्राप्त करने की प्रथाओं में से एक है। पितृपक्ष के कुछ विशेष नियम होते हैं। गलती से भी इन नियमों की अनदेखी नहीं करनी चाहिए।

श्राद्ध के दौरान करें इन नियमों का पालन

पितृ पक्ष के दौरान चावल, मांसाहारी, लहसुन, प्याज और बाहर का खाना खाने से बचें। बैंगन पकाने या खाने से भी परहेज करें।

श्राद्ध भोजन में मसूर, काली उड़द, चना, काला जीरा, काला नमक, काली सरसों और कोई भी अशुद्ध या बासी खाद्य पदार्थ का प्रयोग न करें।

श्राद्ध कर्म करने वाले व्यक्ति को अपने नाखून नहीं काटने चाहिए। उसे दाढ़ी या बाल कटवाना नहीं चाहिए।

उसे गंदे कपड़े नहीं पहनने चाहिए।

यदि आप श्राद्ध कर्म कर रहे हैं और मंत्रों का जाप कर रहे हैं, तो किसी से बात करने के लिए इसे कभी भी विराम न दें। यह नकारात्मक ऊर्जा ला सकता है।

श्राद्ध के दौरान व्यसन आपके अच्छे कर्मों और दान को नष्ट कर देता है। कई बार लोग तंबाकू चबाते हैं, सिगरेट पीते हैं या शराब का सेवन करते हैं।

श्राद्ध के दौरान करें इन नियमों का पालन -

यह श्राद्ध कर्म करने के फलदायी परिणाम में बाधा डालता है। झूठ न बोलें या कठोर शब्दों का प्रयोग न करें या दूसरों को शाप न दें।

श्राद्ध के दिन श्राद्ध कर्म करने वाले व्यक्ति द्वारा बार-बार भोजन करना भी वर्जित है।

पूजा के लिए लोहे के बर्तनों का प्रयोग न करें। इसके बजाय अपने पूर्वजों को प्रसन्न करने के लिए सोने, चांदी, तांबे या कांसे के बर्तनों का प्रयोग करें।

श्राद्ध में नए कपड़े न खरीदें और न ही पहनें।

इस पखवाड़े के दौरान नए घर में प्रवेश न करें, नया व्यवसाय या नया उद्यम शुरू न करें या जन्मदिन आदि न मनाएं।

शाम के समय श्राद्ध कर्म नहीं करना चाहिए।

भाद्रपद पूर्णिमा पर 5 दुर्लभ योग का संयोग

मां लक्ष्मी को प्रसन्न करने के कुछ खास उपाय और सत्यनारायण कथा बदल देंगे आपके आर्थिक हालात

पूर्णिमा तिथि भगवान विष्णु को अत्यंत प्रिय है, इसी के चलते पूर्णिमा के दिन भगवान विष्णु की पूजा की जाती है और सत्यनारायण व्रत का रखा जाता है। भगवान विष्णु की काफी प्रिय तिथि होने के चलते यह तिथि माता लक्ष्मी को भी अत्यंत प्रिय है। ऐसे में साल 2023 की भाद्रपद पूर्णिमा शुक्रवार, 29 सितंबर 2023 को पड़ रही है। खास बात यह है कि ये तिथि उसी दिन पड़ रही है जिस साप्ताहिक दिन का कारक देवी स्वयं माता लक्ष्मी हैं।

जानकारों के अनुसार भगवान विष्णु की अत्यंत प्रिय तिथि यानि पूर्णिमा का दिन मां लक्ष्मी को प्रसन्न करने के लिए अति विशेष मानी गई है। माना जाता है कि पूर्णिमा का चांद 16 कलाओं से परिपूर्ण रहता है, ऐसे में इस दिन चंद्र को अर्घ्य देने से सभी प्रकार के मानसिक तनाव दूर हो जाते हैं साथ ही वैवाहिक जीवन में भी सुख-शांति का आगमन होता है।

ध्यान रहे है कि भाद्रपद पूर्णिमा के दिन से ही पितृ पक्ष कर शुरूआत हो जाती है, परंतु इस दिन श्राद्ध नहीं किया जाता। वहीं इस साल सानि 2023 की भाद्रपद पूर्णिमा पर कुछ बेहद खास योग के संयोग का निर्माण हो रहा है, ऐसे में जानकारों के अनुसार इन खास योग में जो लोग सत्यनारायण की कथा करेंगे उन्हें विशेष धन लाभ प्राप्ति की संभावना बन रही है।

तो चलिए जानते हैं भाद्रपद पूर्णिमा 2023 के मुहूर्त, शुभ योग, उपाय...

भाद्रपद पूर्णिमा तिथि का प्रारंभ- गुरुवार,28 सितंबर 2023 को शाम 06.49 बजे से शुरु हो गई है।

भाद्रपद पूर्णिमा तिथि का समापन- शुक्रवार, 29 सितंबर 2023, दोपहर 03.26 बजे होगा।

इस दौरान स्नान-दान मुहूर्त शुक्रवार, 29 सितंबर 2023 को सुबह 04.36 बजे से सुबह 05.25 बजे तक रहेगा।

जबकि सत्यनारायण पूजा का मुहूर्त शुक्रवार, 29 सितंबर 2023 को सुबह 06.13 बजे से सुबह 10.42 बजे तक रहेगा।

इस दिन चंद्रोदय का समय शाम 06.18 बजे रहेगा।

वहीं इसी दिन लक्ष्मी पूजा का समय रात 11.18 बजे से प्रातः 12.36 बजे 30 सितंबर 2023

भाद्रपद पूर्णिमा 2023 शुभ योग

भाद्रपद पूर्णिमा 2023 के दिन मुख्य रूप से 4 शुभ योग का संयोग हो रहा है। इसके तहत सर्वार्थ सिद्धि योग, वृद्धि योग, अमृत सिद्धि योग और ध्रुव योग का संयोग बनेगा। पूर्णिमा तिथि पर सर्वार्थ सिद्धि और वृद्धि योग में लक्ष्मी पूजा करने के संबंध में जानकारों का कहना है कि ऐसा करने से आर्थिक लाभ होता है, साथ ही पूजा, मंत्र भी सिद्धि होते हैं इसके अलावा ऐसा करने से देवी मां लक्ष्मी की भी भक्त पर सदा कृपा बनी रहती हैं।

1. सर्वार्थ सिद्धि योग - अमृत सिद्धि योग - शुक्रवार, 29 सितंबर 2023, रात 11.18 - शनिवार, 30 सितंबर 2023, सुबह 06.13

2. वृद्धि योग - गुरुवार 28 सितंबर 2023, रात 11:55 - शुक्रवार, 29 सितंबर 2023, रात 08.03

3. ध्रुव योग - शुक्रवार, 29 सितंबर 2023, रात 08.03 - शनिवार, 30 सितंबर 2023, शाम 04:27

4. अमृत सिद्धि योग - शुक्रवार, 29 सितंबर 2023, रात 11.18 - शनिवार, 30 सितंबर 2023, सुबह 06.13

शुरू होने जा रहे हैं पितृ पक्ष, जान लें तर्पण की तिथियां और विधि

पितृपक्ष में पूर्वजों को याद करके दान धर्म करने की परंपरा है। हिन्दू धर्म में इन दिनों का खास महत्व है। पितृ पक्ष पर पितरों की मुक्ति के लिए कर्म किए जाते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, पितृ नाराज हो जाएं तो घर की तरक्की में बाधाएं उत्पन्न होने लगती हैं। यही कारण है कि पितृ पक्ष में पितरों को खुश करने और आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए श्राद्ध किए जाते हैं। पितृ पक्ष आश्विन मास के कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा तिथि से शुरू होता है। ये अमावस्या तिथि तक रहता है। इस बार पितृ पक्ष 29 सितंबर से शुरू होने जा रहा है और इसका समापन 14 अक्टूबर को होगा। मान्यता है कि पितृ पक्ष में श्राद्ध और तर्पण करने से पितर प्रसन्न होते हैं और आशीर्वाद प्रदान करते हैं। उनकी कृपा से जीवन में आने वाली कई प्रकार की रुकावटें दूर होती हैं। व्यक्ति को कई तरह की दिक्कतों से भी मुक्ति मिलती है।

14 अक्टूबर 2023, शनिवार सर्व पितृ अमावस्या

पितृ पक्ष में न करें ये गलतियां

1. हिंदू शास्त्रों में प्याज और लहसुन को 'तामसिक' माना जाता है, जो हमारी इंद्रियों को प्रभावित करती है। पितृ पक्ष की अवधि के दौरान, खाने में प्याज-लहसुन का इस्तेमाल करने से बचना चाहिए।

2. पितृ पक्ष के दौरान कोई भी जश्न या उत्सव नहीं मनाना चाहिए और ना ही इसका हिस्सा बनना चाहिए।

इस अवधि में किसी भी तरह का जश्न मनाने से आपके पूर्वजों के प्रति आपकी श्रद्धा प्रभावित होती है।

3. पितृ पक्ष की अवधि को अशुभ माना जाता है, इसलिए इस दौरान कुछ भी नया शुरू ना करने की सलाह दी जाती है। इस दौरान परिवार के सदस्यों को कुछ भी नई चीज नहीं खरीदनी चाहिए।

4. पितृ पक्ष का समय पूर्वजों को समर्पित है, इसलिए इस अवधि में शराब या मांसाहारी भोजन के सेवन से बचना चाहिए।

5. पितृ पक्ष के दौरान नाखून काटने, बाल कटवाने और दाढ़ी बनवाने से बचना चाहिए।

पितृ पक्ष में कैसे करें पितरों को याद

पितृ पक्ष में हम अपने पितरों को नियमित रूप से जल अर्पित करें। यह जल दक्षिण दिशा की ओर मुंह करके दोपहर के समय दिया जाता है। जल में काला तिल मिलाया जाता है और हाथ में कुश रखा जाता है। जिस दिन पूर्वज की देहांत की तिथि होती है, उस दिन अन्न और वस्त्र का दान किया जाता है। उसी दिन किसी निर्धन को भोजन भी कराया जाता है। इसके बाद पितृपक्ष के कार्य समाप्त हो जाते हैं।

पितृ पक्ष 2023 तिथि

प्रतिपदा तिथि प्रारंभ- सितंबर 29, 2023 को दोपहर 03 बजकर 26 मिनट से

प्रतिपदा तिथि समाप्त- सितंबर 30, 2023 को दोपहर 12 बजकर 21 मिनट तक

पितृ पक्ष के अनुष्ठानों का समय

कुतुप मुहूर्त- 29 सितंबर को दोपहर 11:47 बजे से 12:35 बजे तक, अवधि- 48 मिनट्स

रौहिण मुहूर्त- 29 सितंबर को दोपहर 12:45 बजे से 01:23 बजे तक, अवधि - 48 मिनट्स

अपराह्न काल - 29 सितंबर को दोपहर 01:23 बजे से 03:46 बजे तक, अवधि - 02 घंटे 23 मिनट्स

पितृ पक्ष में श्राद्ध की तिथियां

29 सितंबर 2023, शुक्रवार पूर्णिमा श्राद्ध

30 सितंबर 2023, शनिवार द्वितीया श्राद्ध

01 अक्टूबर 2023, रविवार तृतीया श्राद्ध

02 अक्टूबर 2023, सोमवार चतुर्थी श्राद्ध

03 अक्टूबर 2023, मंगलवार पंचमी श्राद्ध

04 अक्टूबर 2023, बुधवार षष्ठी श्राद्ध

05 अक्टूबर 2023, गुरुवार सप्तमी श्राद्ध

06 अक्टूबर 2023, शुक्रवार अष्टमी श्राद्ध

07 अक्टूबर 2023, शनिवार नवमी श्राद्ध

08 अक्टूबर 2023, रविवार दशमी श्राद्ध

09 अक्टूबर 2023, सोमवार एकादशी श्राद्ध

10 अक्टूबर 2023, मंगलवार मघा श्राद्ध

11 अक्टूबर 2023, बुधवार द्वादशी श्राद्ध

12 अक्टूबर 2023, गुरुवार त्रयोदशी श्राद्ध

13 अक्टूबर 2023, शुक्रवार चतुर्दशी श्राद्ध

जब दुर्योधन अपनी ही साजिश में फंसे और उनकी पत्नी ही बन गईं कृष्ण भक्त!

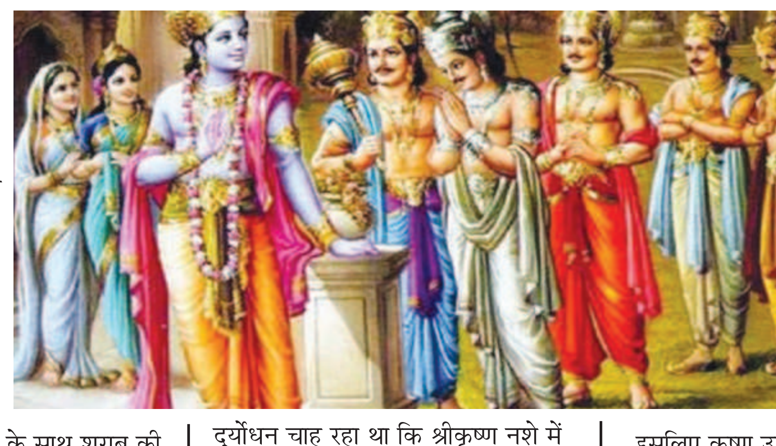

दुर्योधन की पत्नी का नाम भानुमति था। वो एक बहुत ही सुंदर लड़की थी, और जब कृष्ण दुर्योधन के महल में मेहमान बन कर आये तब वो सिर्फ सत्रह साल की थी। दुर्योधन ने एक षड्यंत्र रचा। दुर्योधन ने सोचा कि कृष्ण को नशे की हालत में ला कर वह उनसे कोई वादा करा लेगा। उसने भोज में तरह-तरह के व्यंजनों के साथ शराब की भी व्यवस्था की। इस भोज में दुर्योधन के दोस्त भी आए और सब नशे में धुत हो गए। लेकिन श्रीकृष्ण ने इन सबसे खुद को दूर रखा।

नशे में चूर होकर कृष्ण के पास पहुंची दुर्योधन की पत्नी

दुर्योधन चाह रहा था कि श्रीकृष्ण नशे में चले जाए लेकिन हुआ ये कि दुर्योधन की पत्नी भानुमति ने कुछ ज्यादा ही शराब पी ली। वो एक युवा लड़की थीं और उन्हें इन चीजों की आदत नहीं थी। वह नशे में सारी सुध-बुध खो बैठीं।

कृष्ण ने बचाई हस्तिनापुर की लाज

भानुमति अपना काबू खो बैठीं और कृष्ण से लिपट गईं और उनके लिए अपनी इच्छा प्रकट करने लगीं। कृष्ण ने उसे किसी शिशु की तरह सम्भाल। वो समझ गए थे कि स्थिति खराब हो चुकी है। भानुमती अगर कुछ गलत कर बैठीं तो बाद में संभाल नहीं पाएंगी और हस्तिनापुर की रानी का गौरव कलंकित हो जाएगा।

इसलिए कृष्ण उसको उठा कर महल के अंदर ले गए और उनकी सास गांधारी के कक्ष में जा कर उन्हें उनके हवाले कर दिया। अगले दिन सुबह जब भानुमति को पता चला तो वो कृष्ण के प्रति सम्मान और कृतज्ञता से भर गईं कि उन्होंने उन्हें बचा लिया था। तब से वो कृष्ण की भक्त बन गईं।

किराए पर देना चाहते हैं अपना घर, भूलकर भी इस हिस्से में न रखें किराएदार

बहुत से लोग एक से अधिक मकान होने पर अपने उस घर को किराए पर चढ़ा देते हैं। जिससे उनका घर खाली भी नहीं रहता और उनकी अतिरिक्त आय होने लगती है। कई बार अच्छा सोचते हुए किराए पर मकान देने के बाद भी बहुत सारी उलझनों का सामना करना पड़ता है। या तो किरायेदार समय पर किराया नहीं देता, या फिर कोई किरायेदार बहुत ज्यादा समय तक उस घर में नहीं टिक पाता। इसके पीछे वास्तु दोष भी एक मुख्य कारण हो सकता है। इस तरह की परेशानी से बचने के लिए वास्तु शास्त्र में कई तरह के उपाय बताए गए हैं जिन्हें अपनाकर आप लाभान्वित हो सकते हैं। वे कौन से उपाय हैं जानेंगे भोपाल निवासी ज्योतिषी एवं वास्तु सलाहकार पंडित हितेंद्र कुमार शर्मा से।

मुख्य द्वार का रखें विशेष ध्यान

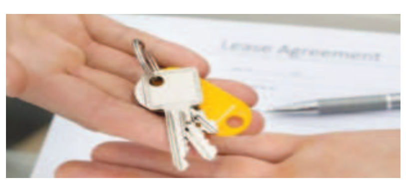

वास्तु शास्त्र के अनुसार घर का मुख्य द्वार हर किसी व्यक्ति के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। मुख्य द्वार ही एक वो रास्ता है जिसके जरिए सकारात्मक ऊर्जा घर में प्रवेश करती है। घर का मुख्य द्वार समय-समय पर पेंट करवाते रहें और उस पर बंदनवार अवश्य बांधें। ऐसा करने से मकान मालिक और किराएदार के बीच मधुर रिश्ते बने रहते हैं।

तुरंत हटाएं ये चीजें

वास्तु शास्त्र के अनुसार किराए पर मकान देने से पहले आपके उपयोग में नहीं आने वाली टूटी-फूटी चीजों को या तो रिपेयर करवाएं या फिर तुरंत उस जगह से हटा दें। खराब पड़ी ये चीजें घर में नकारात्मक ऊर्जा को बढ़ावा देती हैं। इसलिए यह सोचकर कि किराएदार इस घर में रहेंगे आप वहां पर किसी भी तरह का कबाड़ या टूटी-फूटी चीज ना छोड़ें।

नल का रखें विशेष ध्यान

वास्तु शास्त्र के अनुसार किराए पर घर देने से पहले उसे घर के प्रत्येक नल को अच्छे से जांच लें। ये सुनिश्चित करें कि कोई भी नल लिक ना कर रहा हो। यदि नल से पानी टपकता है तो किराए पर रहने आए उस व्यक्ति को आर्थिक, शारीरिक और मानसिक परेशानी झेलनी पड़ सकती है। यहां तक कि उसे व्यापार और नौकरी में भी पड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

घर का ये हिस्सा ना दें किराए पर

वास्तु शास्त्र के अनुसार जिस घर में आप रहते हैं उसी का एक भाग यदि आप किराए पर देना चाहते हैं तो भूल कर भी साउथ वेस्ट का हिस्सा किराए पर ना दें। ऐसा करने पर किराएदार के मालिक बनने की संभावना बहुत हद तक बढ़ जाती है।

हम अपने हिसाब से 'सुंदर' हैं: सिमरन कौर

सिमरन कौर लव स्टोरी' तोसे नैना मिला के' का हिस्सा है। उसने इस प्रोजेक्ट को अपनाने, इसकी खासियत, किस चीज ने उसे यह किरदार निभाने के लिए प्रेरित किया, के बारे में बात की। उन्होंने कहा, यह शो दो बहनों पर केंद्रित है एक असाधारण रूप से गोरी सुंदर और तेजस्वी है, जबकि दूसरी बहन पारंपरिक सौंदर्य मानकों पर फिट नहीं बैठती। मैं पहली बहन बनी हूं। शादी के बाद दोनों बहनें एक ही छत के नीचे रहती हैं। शो में मैं छोटे भाई से शादी करती हूं, जबकि मेरी बहन बड़े भाई से शादी करती है। अवधारणा शानदार और लेखन उत्कृष्ट है। यह शो एक सकारात्मक संदेश देता है, जो इस बात पर जोर देता है कि हम सभी अपने हिसाब से सुंदर हैं। मेरे किरदार का नाम हंसिनी है और घर में उसके साथ राजपरिवार की तरह व्यवहार किया जाता है। मेरे पास लेटैस्ट आऊटफिट्स पहनने का अवसर है, जो किरदार की सुंदरता से मेल खाते हैं।

इस धारावाहिक से उसने कुछ महीने के अंतराल के बाद छोटे पर्दे पर वापसी की है। उनका पिछला शो 'अगर तुम न होते' खत्म होने के बाद वह वैब सीरीज और फिल्मों में बिजी हो गई थी। उसने कहा, मैं अन्य माध्यमों को भी तलाशना चाहती हूं। किसी शो में मुख्य भूमिका निभाना बड़ी जिम्मेदारी होती है। शो की सफलता आपकी परफॉर्मेंस पर निर्भर करती है। जब आपके फैन्स किसी नए शो के आने के बारे में सुनते हैं तो वे खुश हो जाते हैं। आपका लक्ष्य अपने दर्शकों और फैन्स को सर्वश्रेष्ठ मनोरंजन प्रदान करना है और आप इसके लिए अपना सब कुछ देने के लिए समर्पित हैं, अक्सर 100 प्रतिशत से अधिक देते हैं।

सिमरन ने कहा, हम महाबलेश्वर के पास स्थित वाई के सुरम्य स्थान पर एक आऊटडोर शूट के लिए गए थे और

हमारा लक्ष्य क्षेत्र की लुभावनी प्राकृतिक सुंदरता को कैद करना था, जो निश्चित रूप से शो की विजुअल अपील को बढ़ाएगी। उसने कहा, अभिनेता, निर्देशक, निर्माता और पूरी टीम सहित इसके प्रत्येक सदस्य ने इस शो को जीवंत बनाने में अपना जुनून और समर्पण डाला है। शूटिंग के दौरान कोई कसर नहीं छोड़ी जाती।

मैं जीवन व करियर के उस पड़ाव पर हूं, जहां से पीछे मुड़कर नहीं देख सकती हूं : अमृता खानविलकर

मराठी फिल्म 'गोलमाल' व के लिए पहली बार कैमरे का सामना करने वाली अमृता खानविलकर ने मराठी फिल्म इंडस्ट्री में खूब नाम कमाया है और अब वह हिन्दी फिल्म इंडस्ट्री में भी अपनी उपस्थिति मजबूती से दर्ज करवा रही है। हाल के सालों में वह 'राजी', 'सत्यमेव जयते', 'मलंग' जैसी कुछ बड़ी फिल्मों में नजर आई।

करियर की शुरुआत मुझे 'सिनेस्टार की खोज' प्रतियोगिता का सफर याद है मुझे याद है कि मैं पुणे से मुंबई कैसे आई और कैसे मैंने छोटे पर्दे पर अपना नाम बनाया, फिर कैसे मैंने मराठी सिनेमा में अपनी शुरुआत की। अब मैं जीवन और करियर के उस पड़ाव पर हूं, जहां मैं पीछे मुड़कर देख और आत्मनिरीक्षण कर सकती हूं।

अमृता का कहना है वह खुद को भाग्यशाली मानती है कि वह ऐसे दौर में है, जब उसे कई तरह की भूमिकाएं निभाने के प्रस्ताव मिल रहे हैं। उसने कहा कि उसे मराठी और हिन्दी दोनों फिल्मों में काम करने में आनंद आता है। उसके अनुसार, ₹मुझे लगता है कि किसी भी माध्यम या भाषा के अभिनेता, केवल अभिनेता होते हैं। हम भाग्यशाली हैं क्योंकि मेरे बहुत से दोस्त मुझे बताते हैं कि मुंबई ऐसी जगह है, जहां हिन्दी और मराठी दोनों फिल्मोद्योग हैं, इसलिए हमें दोनों भाषाओं का सबसे अच्छा काम देखने को मिलता है। मैं भाग्यशाली हूं कि मुझे दोनों में काम करने का मौका मिला, चाहे वह हिन्दी हो या मराठी, छोटा पर्दा या ओ.टी. टी.।

मैं ग्लैमरस का लेबल नहीं चाहती उसे एक ग्लैमरस अभिनेत्री माना जाता है, जिसकी गवाही उसका सोशल मीडिया भी देता है जहां वह अपनी एक से बढ़ कर एक फोटो पोस्ट करती है।

वह कहती है, मुझ पर ग्लैमरस का ठप्पा लगा दिया गया है। मैं यह नहीं चाहती लेकिन मुझे बन-ठन कर रहना पसंद है। इवेंट्स में आना-जाना भी लगा रहता है, इसलिए अपने आप को अच्छे से प्रस्तुत करना महत्वपूर्ण है और मुझे यह पसंद है। अब अगर इस सब को ग्लैमरस कहा जाए तो मैं कुछ नहीं कर सकती।

जोखिम का फल मिलता है

करियर में लिए फैसलों के बारे में वह कहती है, मैं किसी भी तरह की चुनौती से कभी इंकार नहीं करती, चाहे वह निजी जिंदगी में हो या करियर में मुझे देर रात एक मराठी फिल्म के सांग में डांस करने के लिए फोन आया। अगले ही दिन मैं इसकी शूटिंग के लिए कोल्हापुर पहुंच गई। अगर मैंने वह जोखिम न उठाया होता तो आज मैं महाराष्ट्र के कोने-कोने में लोकप्रिय नहीं होती। यही बात मेरे अब तक के अन्य सभी कामों पर लागू होती है।

जोश से मनाती है उत्सव

अमृता को सभी उत्सव पूरे जोश से मनाने का शौक है। इन दिनों देश भर और विशेष रूप से महाराष्ट्र में गणेशोत्सव धूम-धाम से मनाया जा रहा है। उसका कहना है कि वह इस उत्सव को बड़े उत्साह से मनाती है। इस साल अमृता के लिए यह दोहरा जश्न है क्योंकि उसने राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता राहुल देशपांडे के साथ अपने बैनर तले एक नया गीत भी जारी किया है। गाने का नाम 'गणराज गजानन' है। उत्सव से जुड़ी अपनी बचपन की यादें ताजा करते हुए वह कहती है, मैं कभी नहीं भूल सकती कि कैसे मैं पुणे में अपनी सोसायटी में गणेशोत्सव के दौरान पांच दिनों तक दिल खोलकर नाचती थी। मुझे याद है कि उस समय मेरे पड़ोसी मुझे माधुरी दीक्षित कहकर बुलाते थे।

48 की रवीना टंडन और 18 साल की राशा को देख फैंस कंफ्यूज, बोले- यार मम्मी को क्रश बनाऊं या बेटी को

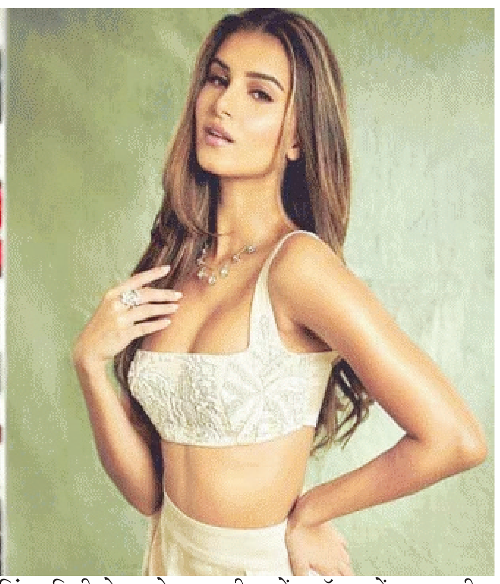

बॉलीवुड एक्ट्रेस रवीना टंडन की तरह उनकी बेटी राशा थडानी भी एकदम कमाल हैं। उनकी हर बार तस्वीरें आते ही छा जाती है। सोशल मीडिया पर राशा थडानी का नया वीडियो सामने आया है जिसमें वह कैजुअल लुक में बेहतरीन दिख रही हैं।

रवीना टंडन पर भी भारी पड़ीं 18 साल की बिटिया रानी राशा, फैंस बोले- यार मम्मी को क्रश बनाऊं या बेटी को

बॉलीवुड एक्ट्रेस रवीना टंडन तो पिछले कई दशक से इंडस्ट्री पर राज कर रही हैं। अब उनकी बिटिया रानी भी इस राह पर निकल पड़ी हैं। बॉलीवुड डेब्यू से पहले ही रवीना टंडन और अनिल थडानी की बेटी राशा थडानी काफी सुर्खियां बटोरती हैं। हाल में ही वह कार्तिक आर्यन के घर गणेश उत्सव में शामिल हुई थीं, जहां उन्हें देखते ही फैंस दिल हार बैठे थे। अब राशा थडानी का नया वीडियो सामने आया है, जिसे देखने के बाद फैंस उनकी तारीफ करते नहीं दिख रहे हैं।

हाल में ही राशा थडानी एयरपोर्ट पर स्पॉट हुईं, इस दौरान वह कैजुअल लुक में नजर आईं। उनके वीडियो पर फैंस जमकर रिएक्ट कर रहे हैं। राशा का लुक और सिंपलसिटी देख लोग उनकी कमेंट बॉक्स में खूब तारीफ करने लगे।

मां रवीना टंडन की कार्बन कॉपी हैं राशा

कुछ फैंस ने तो राशा को रवीना टंडन की कार्बन कॉपी बताया तो कुछ ने कहा कि राशा तो अपनी मम्मी से भी चार कदम आगे हैं। वह अभी से बहुत ही पॉपुलर हैं और कैसे अटेंशन हासिल करनी है, ये बखूबी समझती है।

फैंस हुए कंफ्यूज, रवीना हैं या राशा

एक फैन ने लिखा, 'यार मैं तो कंफ्यूज हो गया हूं, बेटी को क्रश बनाऊं या मां को।' एक यूजर ने लिखा, 'ये बिल्कुल रवीना टंडन जैसी हैं। फेस कट से लेकर नैन नक्श एकदम मां की तरह है।'

रवीना टंडन के चार बच्चे

मालूम हो, रवीना टंडन के चार बच्चे हैं। दो बेटियां उन्होंने शादी से पहले गोद ली थी। जिनका नाम पूजा और छाया है। फिर अनिल थडानी से शादी के बाद रवीना टंडन दो बच्चों की मां बनीं एक बेटा रणबीर थडानी और एक बेटी राशा। एक्ट्रेस की बेटी राशा के नाम का मतलब होता है बारिश की पहली बूंद।

एल्विस यादव को नहीं मिला 25 लाख का प्राइज मनी:'बिग बॉस ओटीटी 1' विनर दिव्या अगरवाल बोलीं, 'पेमेंट प्रोसेस लंबा होता है, मुझे 6 महीने बाद पैसे मिले थे'

पॉपुलर यूट्यूबर एल्विश यादव ने एक इंटरव्यू में दावा किया कि 'बिग बॉस ओटीटी 2' के एक महीने बाद भी उन्हें उनकी प्राइज मनी नहीं मिली है। दरअसल इस इंटरव्यू में एल्विश से पूछा गया था कि वे अपने लिए चौथी गाड़ी कब ले रहे हैं? इस पर जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि 'वे भी ले लेंगे जब बिग बॉस वाले 25 लाख भेज देंगे'।

14 अगस्त को एल्विश यादव ने शो जीता था तो अब सवाल ये है कि आखिरकार उन्हें पैसे क्यों नहीं दिए गए।

कंटेस्टेंट के लिए पेमेंट प्रक्रिया अलग-अलग हो सकती है

करीबी सूत्र बताते हैं, 'बिग बॉस जैसे रियलिटी शो में कंटेस्टेंट के लिए पेमेंट प्रक्रिया अलग-अलग हो सकती है और शो की प्रोडक्शन टीम द्वारा इसे गोपनीय रखा जाता है। प्रतियोगियों को भुगतान की जाने वाली राशि कई फैक्टर पर निर्भर हो सकती है, जिसमें प्रतियोगियों की लोकप्रियता और मांग, सीजन का बजट और उनके व्यक्तिगत कॉन्ट्रैक्ट की शर्तें शामिल हैं।

शो में शामिल कंटेस्टेंट को हर हफ्ते पेमेंट की जाती है। उनकी टीम मेंबर को चेक दिया जाता है। वहीं विनर को उनका विनिंग अमाउंट कुछ महीनों बाद दी जाती है। दरअसल, विनर के साथ चैनल के कुछ टर्म्स और कंडीशन होते हैं, जिसे ध्यान में रखकर जीती हुई राशि दी जाती है।

शो खत्म होने के 6 महीने बाद मिले थे पैसे- दिव्या अगरवाल

'बिग बॉस ओटीटी 1' की विनर रह चुकी दिव्या अगरवाल की मानें तो उन्हें उनकी जीती हुई रकम शो खत्म होने के तकरीबन 6 महीने बाद मिली। दैनिक भास्कर से बातचीत के दौरान, दिव्या कहती हैं, 'देखिये, पैसे हमें कभी तुरंत नहीं मिलते, पेमेंट का एक प्रोसेस है, जिसे हर किसी को फॉलो करना पड़ता है। जब मैंने बिग बॉस ओटीटी सीजन 1 जीता था, तब उसके एक हफ्ते बाद ही चैनल पर प्रीमियर हो गया था।

मुझे मेरे पैसे शो खत्म होने के बाद मिला था। इस प्रोसेस में तकरीबन 6 महीने लग गए थे। कुल अमाउंट का 30 प्रतिशत टैक्स भी कटता है।'

पेमेंट का प्रोसेस थोड़ा लंबा होता है: दिव्या

वे आगे कहती हैं, 'देखिये, ये एक बड़ा प्रोडक्शन हाउस है और पेमेंट का प्रोसेस थोड़ा लंबा होता है। लेकिन हां, मेकर्स पहले ही बता देते हैं कि पैसे कितने दिनों या महीनों बाद मिलेंगे।'

एल्विश यादव ने दुबई में लिया 8 करोड़ का घर

एल्विश यादव फिलहाल अपनी नई सक्सेस इंजॉय कर रहे हैं। उन्होंने रियलिटी शो में खिताब जीतने वाले पहले वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट बनने का टैग हासिल किया है। इस अचीवमेंट पर एल्विश ने खुद को दुबई में एक शानदार घर गिफ्ट दिया जिसकी कीमत 8 करोड़ रुपये है।

शाहरुख की फिल्मों के लिए दीपिका 'लक्की चार्म'

हां, मेरे इरादे वैश्विक हैं लेकिन ये इरादे एक फिल्म स्टार होने के इरादों से कहीं आगे हैं। मैं एक व्यक्ति के रूप में वैश्विक स्तर पर बहुत कुछ करना चाहती हूं। मुझे नहीं लगता कि वैश्विक स्तर पर स्वीकार किए जाने के लिए मुझे किसी दूसरे देश जाकर बसने की या फिर उनकी तरह ही बोलने का लहजा अपनाने की जरूरत है।

दीपिका पादुकोण के लिए यह साल बहुत ही शानदार जा रहा है। पहले फिल्म 'पठान' और उसके बाद 'जवान' ने बॉक्स ऑफिस पर ताबड़तोड़ कमाई की है। इन दोनों ही फिल्मों में उसने सुपरस्टार शाहरुख खान के साथ काम किया है। गौरतलब है कि दीपिका ने फिल्म 'ओम शांति ओम' के साथ बॉलीवुड में डेब्यू किया था और उसका पहला हीरो शाहरुख ही था और तब से ही उन दोनों की जोड़ी को काफी पसंद किया जाता रहा है। अब तक दीपिका ने शाहरुख के साथ कुल 5 फिल्में की हैं जिनमें 'हैप्पी न्यू ईयर' 'और' चेन्नई एक्सप्रेस' भी शामिल हैं। आज तक की उनकी सभी फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन किया है।

सफलता पर बोली दीपिका

जहां 'पठान' ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन करते हुए दुनिया भर में 1000 करोड़ रुपए से भी अधिक की कमाई की, वहीं 'जवान' दुनिया भर में 880 करोड़ रुपए का आंकड़ा अब तक पार कर चुकी है।

शाहरुख के साथ अपनी फिल्मों के बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन करने के बारे में दीपिका ने कहा, मैं कभी भी आंकड़ों से आकर्षित नहीं हुई, चाहे वह स्कूल में मैथ्स हो या 'पठान' की कमाई के आंकड़े। मैं बस इस बात से खुश थी कि सिनेमाघर फिर से जीवित हो गए और लोग फिर से वहां आ रहे थे। मैं वास्तव में इसके लिए आभारी महसूस कर रही थी।

फिल्म 'जवान' में दीपिका ने शाहरुख के दो किरदारों में से एक की मां का रोल किया है। इसके लिए दीपिका कैसे मानी, के बारे में शाहरुख ने बताया, हम फिल्म 'पठान' के गाने 'बेशरम रंग' की शूटिंग कर रहे थे और मैं अपनी मैनेजर पूजा से पूछ रहा था कि क्या ये मेरी मां का रोल करेंगी। पूजा ने उसी वक्त जाकर दीपिका से बात की और लौटकर बताया कि हां, उन्होंने इसकी अनुमति दे दी है।

कुछ फिल्मों के लिए नहीं लेती पैसे

ऐसी अटकलें थीं कि दीपिका ने फिल्म 'जवान' में स्पैशल रोल करने के लिए 15 करोड़ रुपए बतौर फीस चार्ज किए हैं लेकिन उसने खुलासा किया है कि उसने इसके लिए एक भी पैसा नहीं लिया। फिल्मों में ही नहीं, उन दोनों की रियल में भी काफी अच्छी दोस्ती है। हालांकि शाहरुख की फिल्मों के लिए दीपिका को बार-बार 'लक्की चार्म' कहने पर भी दीपिका पादुकोण को सख्त एतराज है। फिल्म 'जवान' की सफलता को लेकर हुए एक कार्यक्रम में उसने कहा, किसी के लिए लक्की चार्म होने जैसी बात कहना मेरे हिसाब से एक बहुत ही 'फेकू' (थ्रोअवे) किस्म का तमगा है। मेरे दिल में शाहरुख खान के लिए जो मोहब्बत और इज्जत है, उसके चलते वह जो कुछ भी कहेंगे। करने को तैयार रहूंगी। मैं फिल्म 'प्रोजेक्ट के' की शूटिंग कर रही थी, जब शाहरुख और एटली मुझे फिल्म की कहानी सुनाने आए थे। मेरा और शाहरुख का रिश्ता क्या है, यह सबको पता है। मुझे पता है कि अगर कभी मैं मुसीबत में हुई, तो जो शख्स ग्लोबल स्टार बनने के लिए देश छोड़ने की जरूरत नहीं सबसे पहले मेरी मदद को आएगा, वह शाहरुख ही होंगे।

दीपिका ने यह भी बताया कि उसने 'जवान' या अन्य फिल्मों में किए स्पैशल रोल से लेकर फिल्म '83' के लिए भी कोई फीस नहीं ली। उसके अनुसार, मैं फिल्म '83' का हिस्सा बनना चाहती थी क्योंकि मैं चाहती थी कि यह उन महिलाओं को समर्पित हो जो अपने पतियों की महिमा के पीछे खड़ी हैं। मैंने अपनी मां को ऐसा करते देखा।

वे बेनकाब हो गए

मुलुंड में मराठी महिला के साथ हुई घटना पर संजय राउत ने महाराष्ट्र सरकार को घेरा

मुंबई, 28 सितंबर (एजेंसियां)। मुलुंड इलाके में मराठी भाषियों के साथ दोयम दर्जे का व्यवहार करने का मामला सामने आया है। मुलुंड (मुलुंड पश्चिम) में एक व्यक्ति ने कहा कि वे एक मराठी व्यक्ति को घर नहीं देंगे। तृप्ती देवरूखकर नाम की महिला ने सोशल मीडिया पर अपना अनुभव साझा किया है। उन्होंने एक वीडियो शेयर कर आरोप लगाया कि जब वह मुलुंड पश्चिम में ऑफिस के लिए घर देखने गए तो उन्हें यह कहकर घर देने से इनकार कर दिया गया कि वह मराठी हैं। उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने उनका हाथ पकड़ा और उनके पति को धक्का दिया। मुलुंड में हुई घटना के बाद शिवसेना और मनसे ने राज्य सरकार पर निशाना साधा है। अब सांसद संजय राउत भी आलोचना कर रहे हैं कि ये कहां से आ गए?

संजय राउत ने सीएम शिंदे पर साधा निशाना

संजय राउत ने सवाल पूछा है कि, एक मराठी आदमी को घर देने से मना करने वालों में यह महिमा कहां से आ गई? संजय राउत ने कहा, यह मुलुंड में किसी मराठी व्यक्ति को सीट न देने का मामला नहीं है। एकनाथ शिंदे को जवाब देना चाहिए। मराठी लोगों को मारने की ये साजिश नाकाम होगी। जो लोग कहते हैं कि हमारी शिवसेना असली है, वे बेनकाब हो गए हैं।' तृप्ति देवरुखकर के आंसू बर्बाद नहीं होंगे। तृप्ती देवरूखकर ने सोशल मीडिया पर यह भी आरोप लगाया है कि मुलुंड इलाके में मराठी भाषियों के साथ दोयम दर्जे का व्यवहार किया गया और जवाब मांगने पर उनकी पिटाई की गई। उन्होंने आरोप लगाया कि, जब वह मुलुंड पश्चिम इलाके में शिव सदन बिल्डिंग में किराए के लिए ऑफिस की जगह तलाशने गईं तो मालिक ने उन्हें यह कहते हुए धक्का दे दिया कि हम महाराष्ट्र के व्यक्ति को ऑफिस नहीं देंगे।

शख्स ने मांगी माफी

वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मुलुंड में मनसे कार्यकर्ताओं ने उस शख्स से जवाब मांगा। शख्स की उम्र को देखते हुए उसे समझाया गया और माफी मांगने को कहा गया। वीडियो में शख्स कहता नजर आ रहा है कि मुझसे गलती हो गई, मैं मराठी मानुष से माफी मांगता हूं।

मणिपुर में बवाल जारी डीसी दफ्तर में प्रदर्शनकारियों ने किया तोड़फोड़, गाड़ियां भी फूंकीं

इंफाल, 28 सितंबर (एजेंसियां)। मणिपुर में 2 छात्रों की मौत को लेकर चल रहा हिंसक प्रदर्शन गुरुवार की सुबह भी जारी रहा। अधिकारियों द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक, प्रदर्शनकारियों की उग्र भीड़ ने इंफाल वेस्ट में एक डिप्टी कमिश्नर कार्यालय में तोड़फोड़ की और 2 गाड़ियों में आग लगा दी। सूबे की राजधानी में छात्रों की अगुवाई में यह हिंसा मंगलवार को तब शुरू हुई जब जुलाई में लापता हुए एक लड़के और लड़की की लाशों की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हुईं। अधिकारियों ने बताया कि बीती रात उरीपोक, यैसकुल, सगोलबंद और टेरा इलाकों में प्रदर्शनकारियों की सुरक्षाबलों से झड़प हुई। प्रदर्शनकारियों से निपटने के लिए सुरक्षाबलों को आंसू गैस के कई गोले छोड़ने पड़े।

बिजली का करंट लगने से इंजीनियर की हो गई मौत

मद्रास हाईकोर्ट ने 25 लाख रुपये का मुआवजा देने का राज्य सरकार को दिया आदेश

चेन्नई, 28 सितंबर (एजेंसियां)। साल 2014 में एक इंजीनियर की बिजली का करंट लगने से मौत हो गई थी। इस मामले में मद्रास हाईकोर्ट की मुदुरै खंडपीड ने राज्य सरकार को आदेश दिया है कि मृतक के पिता को 25 लाख रुपये का मुआवजा दिया जाए। मृतक विग्नेश की तिरुवन्नमलाई अरुणाचलेश्वर मंदिर में 'गिरिवलम' के दौरान एक चिकित्सा शिविर में बिजली के करंट से मौत हो गई थी। मृतक अंगप्पन उर्फ विग्नेश और उसके दोस्त 'गिरिवलम' में हिस्सा लेने के लिए तिरुवन्नामलाई गए थे। उसी दौरान रात करीब 10।45 बजे सड़क किनारे लगा एक होर्डिंग विग्नेश और कुछ अन्य लोगों पर गिर गया। विग्नेश को गंभीर चोटें आईं जिसके बाद इन लोगों को एक चिकित्सा शिविर में ले जाया गया। जहां उसकी मौत हो गई।

विग्नेश के पिता ने हाईकोर्ट में की थी अपील

विग्नेश कैंप टेंट के लोहे के खंभों में से एक के संपर्क में आ गया और बिजली के रिसाव के कारण उसे बिजली का झटका लगा। अधिकारियों पर आरोप लगाते हुए, विग्नेश के पिता स्वामीजी ने साल 2014 में 50 लाख रुपये मुआवजे की मांग करते हुए उच्च न्यायालय का रुख किया। याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति जीआर स्वामीनाथन ने कहा, तमिलनाडु जिला नगर पालिका अधिनियम, 1920 में निर्धारित वैधानिक योजना स्थानीय निकाय पर भक्तों की भलाई के लिए उचित व्यवस्था करने का दायित्व डालती है। नगर पालिका लाइसेंस शुल्क और टोल के संग्रह से संतुष्ट नहीं रह सकती। हालांकि न्यायाधीश ने माना कि होर्डिंग का गिरना विग्नेश की मौत का प्रत्यक्ष कारण नहीं था। उन्होंने इस तथ्य पर न्यायिक संज्ञान लिया कि तमिलनाडु में होर्डिंग्स को असुरक्षित तरीके से लगाने की वजह से काफी मौतें हुई हैं साथ ही चिकित्सा शिविर में अनुचित तारों के कारण बिजली का रिसाव हुआ। न्यायाधीश ने जिला प्रशासन और तिरुवन्नामलाई नगर पालिका को उत्तरदायी ठहराया और सरकार को एक महीने के भीतर स्वामीजी को 25 लाख रुपये का मुआवजा देने का निर्देश दिया।

बिगड़े हालातों के बीच मणिपुर वापस बुलाए गए आईपीएस राकेश बलवाल

दो साल से श्रीनगर पुलिस की संभाल रहे थे कमान

श्रीनगर, 28 सितंबर (एजेंसियां)। मणिपुर में बिगड़े हालातों हालातों के बीच आईपीएस अधिकारी राकेश बलवाल को वापस बुलाया गया है। वह वर्तमान में श्रीनगर में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) के तौर पर अपनी सेवाएं दे रहे हैं। भारत सरकार ने आईपीएस अधिकारी राकेश बलवाल को समय से पहले मणिपुर कैडर में वापस भेजने का आदेश जारी किया है। सरकार के उप सचिव के एक आदेश के अनुसार, बलवाल, आईपीएस (एमए-2012) को एजीएमयूटी से मणिपुर कैडर में वापस भेज दिया गया है। गृह मंत्रालय के प्रस्ताव के बाद यह आदेश पारित किया गया है। गृह मंत्रालय के प्रस्ताव के लगभग एक महीने बाद कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने मंजूरी दे दी है। श्रीनगर पुलिस की कमान संभाल रहे राकेश बलवाल को अब मणिपुर में तैनात किया जाएगा। राकेश बलवाल 2012 बैच के मणिपुर कैडर के अधिकारी हैं। दिसंबर 2021 में उन्हें श्रीनगर में बतौर एसएसपी तैनात किया गया। राकेश बलवाल जम्मू संभाग के उधमपुर जिले के रहने वाले हैं। वह एनआईए के पुलिस अधीक्षक के रूप में भी सेवाएं दे चुके हैं। एनआईए के पुलिस अधीक्षक के तौर पर कार्य करते हुए वह 2019 के पुलवामा हमला सहित कई आतंकवाद से संबंधित मामलों की जांच करने वाली टीमों का हिस्सा रहे हैं।

पति-पत्नी अलग अलग रह रहे हों तो फ्रेंड बनाना क्रूरता नहीं माना जा सकता : दिल्ली हाईकोर्ट

नई दिल्ली, 28 सितंबर (एजेंसियां)। जब पति-पत्नी काम की जरूरतों के कारण अलग-अलग रह रहे हों तो कार्यस्थल या किसी अन्य जगह दोस्त बनाना क्रूरता नहीं माना जा सकता। दिल्ली हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट के आदेश को संशोधित करते हुए यह आदेश दिया है।। अदालत ने कहा कि अकेले रहने वाले व्यक्ति को दोस्त रखने में सांत्वना मिल सकती है और केवल दोस्तों से बात करने को अपने जीवनसाथी की अनदेखी या क्रूर कृत्य नहीं माना जा सकता है।

दोनों अलग रहते हों तो दोस्त बनना स्वाभाविक

दरअसल विचाराधीन मामले में एक पत्नी ने अपील किया था जिसमें पति को परित्याग और क्रूरता के आधार पर तलाक देने के पारिवारिक अदालत के फैसले को चुनौती दी गई थी। सेना में अधिकारी पति ने यह तर्क दिया कि उसकी लगातार पोस्टिंग के कारण पत्नी ने कभी भी उसके कार्यस्थल पर जाने की इच्छा नहीं दिखाई। दूसरी ओर पत्नी ने तर्क दिया कि पति का उसके साथ वैवाहिक संबंध बनाए रखने का कोई इरादा नहीं था, और जब वह उससे मिलने जाती थी, तब वह अपने पुरुष और महिला दोस्तों के साथ फोन पर व्यस्त रहता था। अदालत ने कहा कि अलग-अलग रहने की व्यवस्था को देखते हुए दोनों पक्षों के लिए दोस्त बनाना स्वाभाविक है।

बिना सबूत ऐसी दोस्ती को क्रूरता नहीं माना जा सकता

अदालत ने कहा कि बिना किसी सबूत के ऐसी दोस्ती को क्रूरता नहीं माना जा सकता। अदालत ने मूल आदेश को संशोधित किया, परित्याग के आधार पर तलाक को रद्द कर दिया, लेकिन पत्नी द्वारा क्रूरता के आधार पर इसे बरकरार रखा। पत्नी के इस आरोप के जवाब में कि पति प्रतिदिन शराब का सेवन करता है, अदालत ने कहा कि रोज शराब का सेवन शराब की लत या बुरे चरित्र का संकेत नहीं देता है, खासकर शराब के सेवन से जुड़ी अतिरिक्त घटनाओं के बिना।

पत्नी ने पति पर दूसरी महिला से अवैध संबंध का लगाया आरोप

पत्नी ने पति पर दूसरी महिला से अवैध संबंध होने का भी आरोप लगाया। हालांकि, अदालत ने कहा कि उसने क्रॉस-एग्जामिनेशन के दौरान कहा था कि वह उसके कथित व्यवहार के बावजूद उसके साथ रहने को तैयार है। अदालत ने इसे पति के कार्यों के प्रति सहमति माना। पीठ ने आगे कहा कि नाबालिग बच्चे को पिता से अलग कर दिया गया है और पत्नी ने उसके खिलाफ हथियार के रूप में इस्तेमाल किया है। अदालत के अनुसार, यह अलगाव उस पिता के प्रति अत्यधिक मानसिक क्रूरता है, जिसने लगातार बच्चे का भरण-पोषण किया था।

एक लाख के इनामी सद्दाम को एसटीएफ ने किया गिरफ्तार

बरेली, 28 सितंबर (एजेंसियां)। बरेली जिला जेल में बंद रहे माफिया अशरफ के साले सद्दाम को एसटीएफ बरेली यूनिट ने दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया है। प्रयागराज में हुए उमेश पाल हत्याकांड के बाद से सद्दाम फरार था। उस पर एक लाख रुपये का इनाम घोषित था। कई टीमें उसकी तलाश में जुटी थीं। एसटीएफ के डीएसपी अब्दुल कादिर के नेतृत्व में टीम ने दिल्ली में डेरा डाला और सद्दाम को गिरफ्तार कर लिया। जेल में अशरफ से अवैध मुलाकात कराने और सहूलियत पहुंचाने के मामले में सद्दाम के खिलाफ बिथरी चैनपुर थाने में मुकदमा दर्ज हुआ था। बृहस्पतिवार को एसटीएफ उसे लेकर बरेली के बिथरी चैनपुर थाना पहुंची। एसटीएफ और पुलिस की संयुक्त टीम सद्दाम से पूछताछ कर रही है। उसे कोर्ट में पेश कर जेल भेजा जाएगा। माना जा रहा है कि सद्दाम से अशरफ और अतीक अहमद के कई राज खुल सकते हैं। गैर जमानती वारंट जारी होने के बाद भी सद्दाम के न मिलने पर प्रयागराज में उसकी संपत्ति की कुर्की की तैयारी की जा रही थी। लखनऊ और प्रयागराज की टीम भी उसकी तलाश में जुटी थी। आखिरकार एसटीएफ ने उसे दबोच लिया। उमेश पाल की हत्या की साजिश बरेली जिला जेल में रची गई थी। यहां बंद रहे माफिया अशरफ का साला सद्दाम तीन साल से बरेली में ही किराये पर रह रहा था। वह प्रयागराज के रसूखदारों, शूटरों व अन्य जगह से आए लोगों की अशरफ से मुलाकात कराता था।

18 सालों में महिलाओं के लिए कोई सुरक्षा व्यवस्था नहीं

शोभा ओझा ने शिवराज सरकार पर जमकर बोला हमला

उज्जैन, 28 सितंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के उज्जैन में एक 12 साल की लड़की के साथ रेप के मामले को लेकर कांग्रेस पार्टी ने विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेता शोभा ओझा ने कहा कि यह बेहद शर्मनाक घटना है, शिवराज सिंह चौहान महिलाओं को वोट बैंक मानते थे। वह राज्य में महिलाओं को सुरक्षा नहीं दे सके। हम दोषियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने की मांग करते हैं। दरअसल 26 सितंबर को उज्जैन में एक 12 वर्षीय नाबालिग लड़की के साथ रेप का मामला सामने आने के बाद पूरे प्रदेश में कांग्रेस पार्टी इसका विरोध कर रही है। इसी तरह में कांग्रेस नेताओं उज्जैन में इस मामले पर जमकर विरोध प्रदर्शन किया है। कांग्रेस नेताओं ने शिवराज सरकार पर कई गंभीर आरोप भी लगा रहे है।

क्या हुआ था मामला

मध्य प्रदेश के उज्जैन जिले के बारनगर इलाके में एक 12 वर्षीय लड़की को सड़कों पर खून से लथपथ पाया गया। रेप के बाद अर्धनग्न और लहूलुहान हालत में एक 12 साल की लड़की घर-घर जाकर मदद मांगती रही। लोग उसे घूरते रहे लेकिन मदद करने से इनकार कर दिया। जब वह मदद के लिए उसके पास आई तो एक आदमी को उसे भागते हुए देखा गया। लड़की बमुश्किल अपना कपड़ा ढककर सड़कों पर भटकती हुई आखिरकार एक आश्रम में पहुंच गई। वहां एक पुजारी को यौन हिंसा का संदेह हुआ, उसने उसे तौलिये से ढक दिया और जिला अस्पताल ले गया। मेडिकल जांच में दुष्कर्म की पुष्टि हुई।

क्या कही कांग्रेस नेत्री शोभा ओझा ने

प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेत्री शोभा ओझा ने कहा है कि शिवराज सिंह चौहान को हम लाल करते हैं उन्होंने 18 साल में बस वोट मांगा, लेकिन 18 सालों में महिलाओं, बेटियों के लिए सुरक्षा के कोई इंतजाम नहीं किए हैं। ऐसे मामा को चुल्लू भर पानी में डूबकर मर जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि उनके रहते मध्य प्रदेश महिला अत्याचार के मामले में नंबर एक पर है, उन्होंने कहा कि आरोपियों को जल गिरफ्तार किया जाए और प्रेरित महिला के मन को एक करोड रुपए का तुरंत मुआवजा दिया जाए इसके साथ उन्होंने मुख्यमंत्री से इस्तीफे की भी मांग कर दी।

जाम से बेहाल बेंगलुरु

घंटों फंसे रहे स्कूली बच्चे; बीच रास्ते पिज्जा ऑर्डर कर मिटानी पड़ी भूख

बेंगलुरु, 28 सितंबर (एजेंसियां)। देश की आईटी राजधानी कहे जाने वाले बेंगलुरु शहर में भयंकर जाम की तस्वीरों से हर कोई हैरान है। बीते दिन जाम से लोग इतने परेशान हो गए हैं कि वो कर्नाटक की राजधानी बदलने तक की बात कहने लगे। लोगों को एक किमी का रास्ता तय करने में दो घंटों तक का समय लगा। बेंगलुरु के आउटर रिंग रोड पर लगे इस जाम से लोग इतने परेशान हुए कि वो सोशल मीडिया पर अपना दर्द बयां करने लगे। स्कूल से छुट्टी के बाद कई घंटों तक बच्चे भी जाम में फंसे रहे और वो रात में घर लौट सके। इसको लेकर ट्रैफिक पुलिस ने आज भी आईटी कंपनियों को एडवाइजरी जारी की है। दरअसल, बेंगलुरु में इस जाम का कारण किसानों और कन्नड़ संगठनों द्वारा बुलाए गया बेंगलुरु बंद था। ये बंद तमिलनाडु को कावेरी नदी का पानी छोड़े जाने के विरोध में बुलाया गया था। जाम में फंसकर लोग इतने परेशान हो गए कि वो बेंगलुरु पुलिस को टैग करते हुए एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर फोटो और वीडियो डालने लगे। एक शख्स ने तो अपनी पोस्ट में कहा कि मैं इसी जाम के चलते कर्नाटक की राजधानी बदलने की बात से सहमत हूं। वहीं कई लोगों ने आउटर रिंग रोड पर लगे कई किमी जाम की फोटो साझा की। एक वीडियो में एक शख्स ने बताया कि वो जाम में इतनी देर से फंसा था कि उसे पिज्जा ऑर्डर करना पड़ा। वीडियो में देखा जा रहा है कि एक शख्स को डिलीवरी ब्वाय जाम में पिज्जा दे रहा है।

केरल के मंत्री के निजी स्टाफ पर लगे रिश्वत के आरोप, कांग्रेस ने कहा- मामले की जांच हो

तिरुवनंतपुरम, 28 सितंबर (एजेंसियां)। (केरल),केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज के एक निजी स्टाफ के खिलाफ रिश्वतखोरी का आरोप सामने आया है। जिसके बाद विपक्षी कांग्रेस ने इसकी जांच की मांग की है। मलप्पुरम जिले के निवासी हरिदासन ने आरोप लगाया कि मंत्री के एक निजी स्टाफ सदस्य ने उनकी बहू की सरकारी चिकित्सा अधिकारी के रूप में नियुक्ति के लिए एक लाख रुपये रिश्वत ली। पथानामथिट्टा में सीपीआई (एम) की ट्रेड यूनियन शाखा सीटू के एक पूर्व कार्यालय सचिव, जिसने कथित तौर पर बिचौलिए के रूप में काम किया, ने भी उक्त नियुक्ति के लिए रिश्वत ली, उन्होंने दावा किया और अपनी बहू को भी इसमें शामिल कर लिया। हालांकि, नौकरी नहीं मिली।

निजी स्टाफ ने ली रिश्वत

हरिदासन ने मीडिया के माध्यम से अपने और मंत्री के निजी स्टाफ सदस्य के बीच पैसे के लेनदेन के कुछ कथित सबूत भी जारी किए। बाद में, उन्होंने कहा कि राज्य पुलिस की विशेष शाखा के अधिकारियों ने उनका बयान दर्ज किया है। हरिदासन ने मीडिया को बताया, उन्होंने मुझसे विवरण मांगा और मेरे बयान लिए। मैंने उन्हें सारी जानकारी दी और मेरे पास मौजूद सबूतों की एक फोटोकॉपी साझा की। आरोपों को खारिज करते हुए स्वास्थ्य मंत्री के कार्यालय ने कहा कि मामले की विस्तृत जांच के लिए एक शिकायत डीजीपी को भेज दी गई है। मंत्री वीना जॉर्ज ने भी इसका कड़ा विरोध किया और कहा कि प्राप्त शिकायत के आधार पर उन्होंने आरोपी निजी स्टाफ सदस्य से स्पष्टीकरण मांगा है। उन्होंने यह भी कहा कि शिकायत मिलने पर उन्होंने कभी भी उसे छिपाने की कोशिश नहीं की। उन्होंने कन्नूर में संवाददाताओं से कहा, जब मुझे एक मंत्री के रूप में ऐसी शिकायत मिली, तो मैंने सबसे पहले जो किया वह था। अपने निजी स्टाफ सदस्य से स्पष्टीकरण मांगना, जिसके खिलाफ आरोप लगाया गया था। यह उस जांच का हिस्सा था जो मैंने इस मुद्दे के संबंध में अपने कार्यालय में की थी। जॉर्ज ने कहा कि उन्होंने मामले की व्यापक जांच के लिए मलप्पुरम के व्यक्ति की शिकायत पुलिस को भेज दी है और अपने निजी स्टाफ सदस्य को उसके खिलाफ आरोपों के मद्देनजर पुलिस में शिकायत दर्ज करने का निर्देश दिया है।

विधानसभा चुनाव के पहले अवैध हथियार बनाने वाली फैक्ट्री का पर्दाफाश, तीन गिरफ्तार

धार, 28 सितंबर (एजेंसियां)। जिले के कुक्षी और मनावर थाना क्षेत्र में छापा मार कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अवैध हथियार के तीन बड़े सौदागरों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से भारी मात्रा में देशी कट्टे, 12 बोर की बंदूक, कारतूस और अन्य सामान बरामद किया गया हैं। विधानसभा चुनाव के पहले पुलिस ने बड़ी सफलता अर्जित की है। धार एसपी मनोज कुमार सिंह ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली थी कि धार और कुक्षी मनावर क्षेत्र में अवैध हथियारों की फैक्ट्री संचालित हो रही है। इसी सूचना के आधार पर साइबर सेल और पुलिस बल की मदद से छापा मार कार्रवाई की गई। पुलिस ने ग्राम बारिया में रहने वाले तीन को कुख्यात बदमाशों को गिरफ्तार किया। आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने 149 देसी कट्टे, दो पिस्टल, 151 फायर आर्म्स, 13 जिंदा कारतूस, मोटरसाइकिल सहित 31 लाख 56000 कीमत का मशरूका जब्त किया है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक आरोपियों द्वारा बाकायदा हथियार बनाने का कारखाना चलाया जा रहा था। पुलिस ने अभी आशंका जाता है कि इन हथियारों का उपयोग विधानसभा चुनाव में भी रंजिश निकालने के लिए किया जा सकता था। अवैध हथियार बनाने और इसकी तस्करी करने के मामले में पुलिस ने धार जिले के बोरिया में रहने वाले ईश्वर पिता प्रधान सिंह, तकदीर सिंह पिता प्रीतम सिंह, जतन सिंह पिता भीम सिंह छाबड़ा को गिरफ्तार किया है। तीनों सिकलीगर है। आरोपियों ने इससे पहले भी कई बड़ी वारदातों का अंजाम दिया है। आरोपियों से पूछताछ के दौरान कई खुलासे हो रहे हैं।

कांग्रेस विधायक सुखपाल खैरा ड्रग्स केस में गिरफ्तार, सुबह 6 बजे घर से उठा ले गई पंजाब पुलिस

चंडीगढ़, 28 सितंबर (एजेंसियां)। पंजाब पुलिस ने गुरुवार सुबह-सुबह एक ऑपरेशन में, भुलत्थ विधायक और कांग्रेस नेता सुखपाल सिंह खैरा को चंडीगढ़ में सेक्टर-5 स्थित उनके आवास से गिरफ्तार कर लिया। सूत्रों ने कहा कि उन्हें फाजिल्का के जलालाबाद में नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस 1985) अधिनियम के तहत दर्ज एक पुराने मामले के सिलसिले में उठाया गया। इस ऑपरेशन के लिए पुलिस अधीक्षक (एसपी) रैंक के एक अधिकारी के साथ फाजिल्का पुलिस की एक टीम विधायक खैरा के आवास पर पहुंची थी। गुस्साए सुखपाल सिंह खैरा ने पुलिस कार्रवाई पर सवाल उठाए और राज्य सरकार पर मनमानी का आरोप लगाया। उन्होंने फेसबुक लाइव में कहा कि उन्हें राजनीतिक हिसाब बराबर करने के लिए परेशान किया जा रहा है। खैरा के फेसबुक लाइव वीडियो में उन्हें पुलिस कर्मियों के साथ बहस करते देखा जा सकता है। वह पुलिस से वारंट दिखाने की मांग कर रहे हैं। वह पुलिस कर्मियों से अपनी पहचान बताने को भी कह रहे हैं, क्योंकि उनमें से कुछ सादे कपड़ों में थे।

सुखपाल खैरा ने अपनी गिरफ्तारी पर किया फेसबुक लाइव

वीडियो में एक पुलिस कर्मी खैरा को बताता है कि वह डीएसपी जलालाबाद अच्छरू राम शर्मा हैं। सुखपाल सिंह खैरा उस केस के बारे में पूछते हुए सुने जा सकते हैं, जिसमें उनके खिलाफ पुलिस कार्रवाई करने आई है। उनके सवाल पर डीएसपी अच्छरू शर्मा को यह कहते हुए सुना जा सकता है कि यह एनडीपीएस मामला है, जिस पर खैरा कहते हैं कि इस मामले को सुप्रीम कोर्ट पहले ही रद्द कर चुका है। खैरा सुबह-सुबह अपने बेडरूम में घुसने को लेकर पुलिस का विरोध भी करते नजर आ रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने 2015 के एनडीपीएस केस में सुखपाल खैरा को राहत देते हुए कहा था कि पुलिस चाहे तो इस मामले की आगे भी जांच कर सकती है। इसी आधार पर पंजाब पुलिस ने सुखपाल खैरा को गिरफ्तार किया है। फाजिल्का ड्रग्स तस्करी मामले में सेशन जज के आदेश

पर 13 अप्रैल 2023 को पंजाब पुलिस के डीआईजी स्वप्न शर्मा के नेतृत्व में एक एसआईटी का गठन हुआ। एसआईटी जांच में सुखपाल सिंह खैरा ड्रग्स तस्करी में शामिल पाए गए। इस मामले में बाकी जो ड्रग्स तस्कर थे उन्हें 10 साल की सजा हो चुकी है। सुखपाल सिंह खैरा ने कहा कि वह कोर्ट का रुख करेंगे और न्याय की गुहार लगाएंगे। सुखपाल खैरा के बेटे मेहताब खैरा ने कहा कि 2015 के एनडीपीएस के एक मामले में उनके पिता को आज गिरफ्तार किया गया है। मामला सुप्रीम कोर्ट में चल रहा है और शीर्ष अदालत पहले ही याचिका खारिज कर चुकी है। उसके बावजूद भी आज मेरे पिता को गिरफ्तार किया गया है। पंजाब की वर्तमान सरकार ने बदलाखोरी के चलते मेरे पिता पर एक्शन लिया है। महताब ने राज्य की जनता से अपील की कि उनके पिता ने हमेशा पंजाब की आवाज उठाई है, इसलिए लोग उनका साथ दें। ईडी भी सुखपाल खैरा से 2015 के ड्रग्स केस में कर चुकी है पूछताछ इससे पहले प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने भी उन्हें 2015 के एक मामले में इस मामले में पूछताछ के लिए बुलाया था, और उनकी गिरफ्तारी हुई थी। ईडी ने सुखपाल सिंह खैरा पर ड्रग केस के दोषियों और फर्जी पासपोर्ट रैकेटरों का सहयोग करने का आरोप लगाया था। ड्रग मामले में ईडी विधायक खैरा से 2015 से पूछताछ कर रही है। उनके भुलत्थ स्थित आवास पर रेड भी पड़ी थी। कांग्रेस विधायक सुखपाल सिंह खैरा ने हाल ही में आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा की शादी के खर्चे पर सवाल उठाए थे। उन्होंने पूछा था कि राघव जैसा आम आदमी ऐसी भव्य और आलीशान शादी का खर्च कैसे उठा सकता है?

पहले आम आदमी पार्टी में थे सुखपाल खैरा, 2019 में कांग्रेस में आए

उन्होंने कहा था कि एक 'आम आदमी' कैसे 7 स्टार होटल में शादी का जश्न मना सकता है? ऐसे होटलों में एक रात के लिए आपको 10 लाख रुपये तक खर्च करने होते हैं। सुखपाल सिंह खैरा ने 2017 में पंजाब के कपूरथला जिले की भुलत्थ विधानसभा सीट से आम आदमी पार्टी के टिकट पर विधानसभा चुनाव जीता था। लेकिन जनवरी 2019 में उन्होंने आम आदमी पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था और जून 2021 में वह कांग्रेस में शामिल हो गए थे। वह जुलाई 2017 से जुलाई 2018 के दौरान पंजाब विधानसभा में विपक्ष के नेता थे। उन्हें जुलाई 2022 में अखिल भारतीय किसान कांग्रेस के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया। वह भूलत्थ से लगातार 3 बार के विधायक हैं।

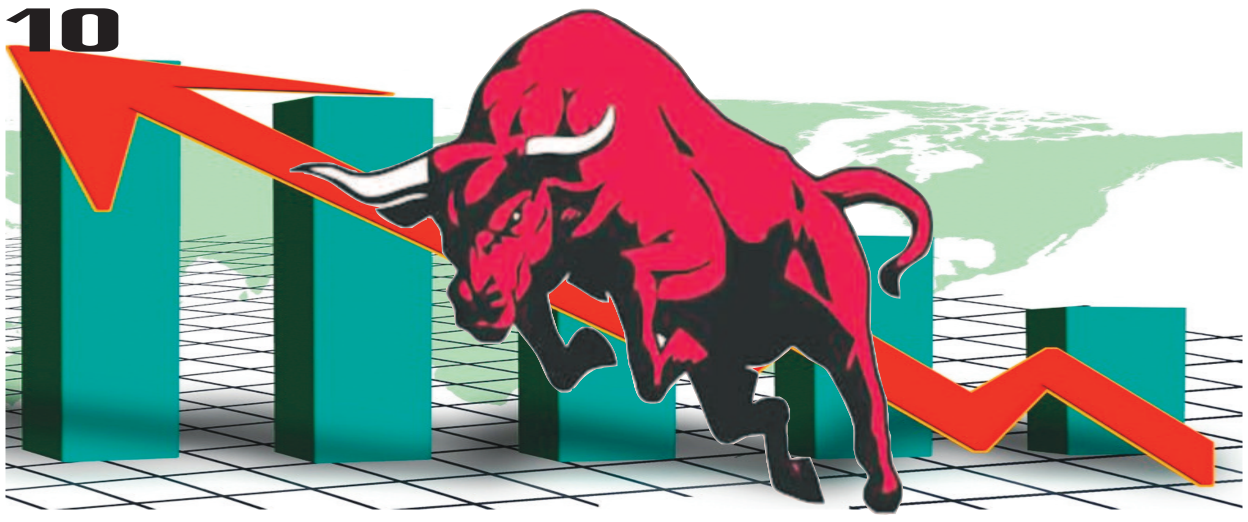

शेयर वाले बाबा: हुलिया देखकर खा जाएंगे धोखा, 100 करोड़ का शेयर लेकर घूमते हैं ये

नई दिल्ली, 28 सितंबर (एजेंसियां)। नई दिल्लीकिसी करोड़पति के बारे में आप क्या सोचते होंगे? आम तौर पर एक करोड़पति के लिए जो तस्वीर लोगों के मन में आती है, वो चमक-दमक, सूट-बूट और लंबी-चौड़ी गाड़ियों की होती है. सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा एक वीडियो आपकी इस छवि को चकनाचूर कर सकता है. वायरल वीडियो है बेहद सामान्य दिख रहे एक बुजुर्ग की, जिनका दावा है कि उनके पास करोड़ों के शेयर हैं. वीडियो को सोशल मीडिया एक्स पर राजीव मेहता नामक एक यूजर ने पोस्ट किया है, जिसे लाखों लोग देख चुके हैं. वीडियो की मानें तो उसमें दिख रहे बुजुर्ग के पास फिलहाल 100 करोड़ रुपये से ज्यादा के शेयर हैं. उनके पास कथित तौर पर एलएंडटी के 80 करोड़ रुपये के शेयर, अल्ट्राटेक सीमेंट के 21 करोड़ रुपये के शेयर और कर्नाटक बैंक के 1 करोड़ रुपये के शेयर हैं. इस तरह देखें तो उनके पास 102 करोड़ रुपये के शेयर हैं. हालांकि लोग इस कैलकुलेशन से सहमत नहीं हो रहे हैं. कैपिटल माइंड के फाउंडर एवं सीईओ दीपक शिनॉय पोस्ट पर कमेंट करते हुए अपना कैलकुलेशन बताते हैं. वो बताते हैं कि बुजुर्ग के पास एलएंडटी के 27 हजार शेयर बताए जा रहे हैं, जिनकी वैल्यू करीब 8 करोड़ रुपये होती है.

घरों की बिक्री में रिकॉर्ड उछाल, कीमत में 36 फीसदी की हुई वृद्धि

नई दिल्ली, 28 सितंबर (एजेंसियां)। घरों की बिक्री की रफ्तार में तेजी बनी हुई है। इसके चलते जुलाई से सितंबर के बीच देश के 7 प्रमुख शहरों में आवास की बिक्री सालाना आधार पर 36% बढ़कर रिकॉर्ड 1,20,280 इकाई हो गई। रियल एस्टेट परामर्श कंपनी एनारॉक की रिपोर्ट से यह जानकारी मिली है। एक साल पहले की समान अवधि में सात प्रमुख शहरों में आवास बिक्री 88,230 इकाई थी। एनारॉक ने इस बात को रेखांकित किया कि जुलाई-सितंबर में तिमाही बिक्री अब तक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। एनारॉक के चेयरमैन अनुज पुरी ने कहा कि मुंबई मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र (एमएमआर) और पुणे ने कुल बिक्री में 51 प्रतिशत योगदान दिया। पुरी ने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक के दो बार से रेपो रेट में बदलाव नहीं करने से घरों की बिक्री अच्छी बनी हुई है।

कीमतें सालाना आधार पर 11% बढ़ी

एनारॉक ने आंकड़े जारी करते हुए कहा कि इस साल जुलाई-सितंबर की अवधि में सात शहरों में आवास की औसत कीमतें सालाना आधार पर 11% बढ़ी। हैदराबाद में सबसे ज्यादा 18% की बढ़ोतरी देखी गई। आंकड़ों के अनुसार, जुलाई-सितंबर 2023 के दौरान दिल्ली-एनसीआर (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र) में आवास की बिक्री छह प्रतिशत बढ़कर 15,865 इकाई हो गई, जो एक साल पहले की अवधि में 14,970 इकाई थी। एमएमआर में समीक्षाधीन अवधि के दौरान आवास बिक्री 26,400 इकाइयों से 46 प्रतिशत बढ़कर 38,500 इकाई हो गई। बेंगलुरु में आवास की बिक्री 29 प्रतिशत बढ़कर 16,395 इकाई हो गई, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में 12,690 इकाई थी। पुणे में बिक्री अधिकतम 63 प्रतिशत बढ़कर 14,080 इकाइयों से 22,885 इकाई हो गई।

हैदराबाद में घरों के मांग में सबसे अधिक उछाल

हैदराबाद में आवासीय संपत्तियों की बिक्री 11,650 इकाइयों से 41 प्रतिशत बढ़कर 16,375 इकाई हो गई। चेन्नई में 3,490 इकाइयों से 42 प्रतिशत बढ़कर 4,940 इकाई हो गई। इस साल जुलाई-सितंबर के दौरान कोलकाता में आवास की बिक्री सात प्रतिशत बढ़कर 5,320 इकाई हो गई, जो एक साल पहले की अवधि में 4,950 इकाई थी। गुरुग्राम स्थित रियल्टी कंपनी क्रिसुमी कॉर्पोरेशन के प्रबंध निदेशक मोहित जैन ने कहा कि मुख्य रूप से आय के बढ़ते स्तर के कारण घर खरीदने की बढ़ती आकांक्षा से पिछले कुछ वर्षों में आवास की मजबूत मांग है। इसके आगे भी जारी रहने की उम्मीद है।

त्योहारी सीजन में और बढ़ेगी घरों की मांग

अंतरिक्ष इंडिया के सीएमडी और दिग्गज रियल एस्टेट एक्सपर्ट राकेश यादव ने बताया कि त्योहारी सीजन शुरू हो गया है। आने वाले दिनों में नवरात्र, दशहरा, दिवाली जैसे बड़े त्योहार हैं। इसमें घर खरीदना सबसे शुभ माना जाता है। पूरे साल में घरों की कुल बिक्री में त्योहारी सीजन का योगदान करीब 25 फीसदी होता है। जिस तरह से प्रॉपर्टी बाजार में मोमेंटम बना हुआ है, उसको देखते हुए यह कहना मुश्किल नहीं कि इस त्योहारी सीजन में घरों की रिकॉर्ड बिक्री होगी। डेवलपर्स भी इस मौके पर कई अच्छे ऑफर्स लेकर आएंगे। इसका फायदा उठाकर होम बायर्स कम बजट में घर के सपने को पूरा कर सकते हैं।

सोने की चमक हुई फीकी, चांदी के दाम भी हुए कम

नई दिल्ली, 28 सितंबर (एजेंसियां)। नई दिल्लीसोने की कीमत में गिरावट का सिलसिला गुरुवार को भी जारी है. मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज यानी वायदा बाजार में सोना आज गिरावट के साथ कारोबार कर रहा है. शुरुआती दौर की बात करें तो गोल्ड आज 57,631 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर खुला था. इसके बाद 12 बजे तक इसकी कीमत में और कमी देखी गई है और यह कल के मुकाबले 137 रुपये यानी 0.24 फीसदी की कमी के साथ 57,535 रुपये पर कारोबार कर रहा है. वहीं बुधवार को एमसीएक्स पर 24 कैरेट सोना 57,672 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था.

चांदी के दाम भी गिरे

चांदी में भी गिरावट देखी जा रही है. चांदी कल के मुकाबले आज 68 रुपये यानी 0.10 फीसदी कमी के साथ कारोबार कर रही है. शुरुआती दौर में चांदी 70,562 रुपये प्रति किलोग्राम स्तर पर खुली थी. इसके बाद इसकी कीमत में मामूली गिरावट देखी गई है और यह दिन में 12 बजे तक 70,481 रुपये के स्तर तक आ गई है. बुधवार को मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर चांदी 70,560 रुपये के स्तर पर बंद हुई थी. घरेलू मार्केट की तरह ही अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने की कीमत में गिरावट देखी जा रही है. गुरुवार को सोना छह महीने के निचले स्तर पर पहुंच गया था. आज सोना कल के मुकाबले 1.4 फीसदी टूटकर 1,874.49 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा है.

सेंसेक्स 610 अंक गिरकर 65,508 पर बंद

निफ्टी भी 192 अंक फिसला, टेक महिंद्रा का शेयर 4% से ज्यादा टूटा

नई दिल्ली, 28 सितंबर (एजेंसियां)। शेयर बाजार में आज यानी गुरुवार (28 सितंबर) को गिरावट देखने को मिली है। सेंसेक्स 610 अंक गिरकर 65,508 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी में 192 अंक की गिरावट रही। ये 19,523 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 24 में गिरावट और 6 में तेजी देखने को मिल रही है। सेक्टोरल इंडेक्सों में ऑटो, बैंक, इंफ्रा, एनर्जी, मेटल, फार्मा और पीएसयू बैंक बढ़े हैं। जबकि आईटी और एफएमसीजी दबाव में दिख रहे हैंआज टेक महिंद्रा के शेयर में 4.16% की गिरावट देखने को मिली है।यात्रा ऑनलाइन का शेयर डिस्काउंट के साथ मार्केट में लिस्ट हुआ। बीएसई पर शेयर 8.45% के डिस्काउंट के साथ 130 रुपए के भाव पर लिस्ट हुआ। एनएसई पर शेयर 10.2% के डिस्काउंट पर 127.5 रुपए के भाव पर लिस्ट हुआ है। हांलाकि बाद में इसमें कुछ रिकवरी देखने को मिली और ये 4.30% की गिरावट के साथ 135.90 रुपए पर बंद हुआ। कंपनी का इश्यू प्राइस 142 रुपए था।कच्चा तेल 10 महीने की ऊंचाई पर है, बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 95 डॉलर प्रति बैरल के पार चला गया है, डब्ल्यूटीआई क्रूड भी अगस्त 2022 के बाद पहली बार 95 डॉलर प्रति बैरल के पार ट्रेड करता दिख रहा है। वहीं सोने और चांदी की कीमतों में दबाव दिख रहा है, सोना साढ़े छह महीने के निचले स्तर पर चला गया है और 1900 डॉलर प्रति आउंस के नीचे फिसल गया है, फिलहाल सोने का दिसंबर वायदा 1891 डॉलर प्रति आउंस पर ट्रेड करता दिख रहा है, चांदी की कीमतें भी नरम होकर 22.695 डॉलर प्रति आउंस पर आ गई हैं। इससे पहले कज यानी बुधवार (27 सितंबर) को शेयर बाजार में तेजी देखने को मिली थी। सेंसेक्स 173 अंक चढ़कर 66,118 के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं, निफ्टी में 51 अंक की तेजी रही। ये 19,716 के स्तर पर बंद हुआ था। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 21 में तेजी और 9 में गिरावट देखने को मिली थी।

गूगल, फेसबुक को देना पड़ सकता है 18% जीएसटी

ऑनलाइन गेमिंग के बाद एडटेक कंपनियों की बारी

नई दिल्ली, 28 सितंबर (एजेंसियां)। ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों के बाद जल्द सरकार गूगल, फेसबुक, एक्स और दूसरी एडटेक कंपनियों पर 18 फीसदी का जीएसटी लगा सकती है. सेंट्रल बोर्ड ऑफ डायरेक्ट टैक्स यानी सीबीडीटी के नोटिफिकेशन के मुताबिक इस तरह की कंपनियों को टैक्स का भुगतान करना होगा. सरकार के इस फैसले से कंटेंट क्रिएटर्स को तगड़ा झटका लग सकता है. सीबीडीटी के नोटिफिकेशन के मुताबिक, अब ऑनलाइन हो रही कमाई पर 18 फीसदी जीएसटी लग सकता है. आइए डिटेल में जानते हैं ऑनलाइन गेमिंग पर जीएसटी के बाद किन कंपनियों पर जीएसटी की तलवार लटकी है. हाल ही में सरकार ने ऑनलाइन गेमिंग पर जीएसटी लागू किया है. ऑनलाइन गेमिंग के बाद ऑनलाइन विज्ञापन, क्लाउड सर्विसेज, म्यूजिक, ऑनलाइन एजुकेशन यानि एडटेक कंपनियों पर भी जीएसटी लागू किया जा सकता है. वित्त मंत्रालय के इस आदेश के अनुसार, अब विदेशी डिजिटल सेवा प्रदाता कंपनियों से पर्सनल यूज के लिए ऑनलाइन सेवाओं का इम्पोर्ट करना जीएसटी के दायरे में आएगा. रिपोर्ट के मुताबिक, जीएसटी के दायरे में सॉफ्टवेयर बेचने वाली कंपनियां, कंटेंट स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म जैसे नेटफ्लिक्स और अमेजन, सोशल मीडिया कंपनियां और विज्ञापन होस्ट करने वाली सर्च इंजन कंपनियां आएंगी. हालांकि टैक्स की देनदारी सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी सेवाओं को आयात करने वाले यानी एंड बेनेफिशियरी की होगी.

400 रुपये बोरी तक महंगी हो सकती है सीमेंट

निर्माण कार्यों पर पड़ेगा असर

नई दिल्ली, 28 सितंबर (एजेंसियां)। सीमेंट कंपनियां मांग कम होने के बावजूद कार्टेल बनाकर एक बार फिर एक अक्टूबर से 15 रुपये प्रति बोरी की बढ़ोतरी करने जा रही हैं। कंपनियों ने डीलरों को इसकी सूचना दे दी है। सीमेंट कंपनियों का कहना है कि उत्पादन लागत बढ़ जाने के कारण कीमत बढ़ाने जा रहे हैं। अगस्त तक 310 से 320 रुपये बोरी बिकने वाली सीमेंट की कीमत एक सितंबर को एक साथ 50 रुपये बढ़ा देने के बाद रिटेल में प्रति बोरी 360 रुपये पहुंच गई है। अब कंपनियों द्वारा एक बार फिर बढ़ोतरी से यह बाजार में रिटेल में 400 रुपये बोरी तक पहुंच जाएगी। इसका असर निर्माण कार्यों पर पड़ना निश्चित है। दरअसल, बारिश की समाप्ति के दौरान ही सीमेंट कंपनियां कीमत बढ़ाती हैं, क्योंकि इसके बाद निर्माण कार्यों में तेजी आती है।

सीमेंट उत्पादन राज्य

देश की कुल जरूरत का 20 प्रतिशत उत्पादन छत्तीसगढ़ में होता है। आपको बता दें कि सीमेंट के उत्पादन के मामले में छत्तीसगढ़ देश के प्रमुख राज्यों में शामिल है। देश की कुल जरूरत का लगभग 20 प्रतिशत सीमेंट का उत्पादन यहां होता है।

गेट्स फाउंडेशन: सीईओ सुजमैन बोले- भारत विकासशील देशों की सबसे अहम आवाज

नई दिल्ली, 28 सितंबर (एजेंसियां)। बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन के सीईओ मार्क सुजमैन ने दक्षिणी गोलार्ध में उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए भारत के समर्थन की सराहना की और इसे ग्लोबल साउथ की सबसे अहम आवाज करार दिया। साथ ही कहा है कि भारत वैश्विक नेतृत्व करने में सक्षम है। में सुजमैन ने कहा कि भारत में विकसित मॉडल वै श्विक स्तर पर, खासकर ग्लोबल साउथ में प्रगति को गति दे सकते हैं। भारत स्पष्ट रूप से ग्लोबल साउथ की सबसे महत्वपूर्ण आवाजों में से एक है। उन्होंने कहा कि यह एक ऐसा देश है, जहां हमने (गेट्स फाउंडेशन) 20 वर्षों में विकसित की गई मजबूत साझेदारियों के अलावा, भारत में बेहतर स्वास्थ्य और विकास

परिणामों को चलाने में मदद करने के लिए भारत में काम किया है। अब हम कृषि में डिजिटल वित्तीय समावेशन में मदद करने और स्वास्थ्य में अपने कुछ सबक और सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने में भारत की ग्लोबल लीडर बनने की क्षमता देखते हैं। उन्होंने कहा कि यह कुछ ऐसा है जिस पर हम आने वाले वर्षों में काम करने और निर्माण करने के लिए उत्साहित हैं।

इसके अलावा, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने न्यूयॉर्क में एक विशेष कार्यक्रम 'इंडिया -यूएन फॉर ग्लोबल साउथ में ग्लोबल साउथ के कई नेताओं की मेजबानी की। साथ ही उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारत किस तरह अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में संतुलन बनाने की कोशिश कर रहा है।इस महीने की शुरुआत में अफ्रीकी संघ को शीर्ष विश्व अर्थव्यवस्थाओं के समूह 20 (जी20) में स्थायी सदस्य का दर्जा दिया गया था। एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के विकासशील देशों को ग्लोबल साउथ से संदर्भित किया जाता है, जबकि अमेरिका, कनाडा, यूरोप, रूस, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड जैसे आर्थिक रूप से विकसित देश ग्लोबल नॉर्थ का गठन करते हैं। अफ्रीकी महाद्वीप विश्व की लगभग 17 प्रतिशत जनसंख्या का निवास स्थान है।

कनाडा के किसानों को उठाना पड़ेगा जस्टिन ट्रूडो की गलती का खामियाजा, होगा बहुत ज्यादा नुकसान

नई दिल्ली, 28 सितंबर (एजेंसियां)। भारत- कनाडा के बीच जारी तनाव का असर अब व्यापार पर भी दिखने लगा है. कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के आरोप के बाद से भारत में कनाडा की मसूर दाल की बिक्री कम हो गई है. ऐसे में कनाडा में दालों की कीमत में गिरावट आई है, जिससे किसानों को पहले की तरह रेट नहीं मिल रहे हैं. कहा जा रहा है कि भारत, कनाडा को उसकी हैसियत दिखाने के लिए उसके साथ व्यापारिक रिश्तों को सिमित कर सकता है. इसी बीच खबर है कि दिल्ली चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) ने केंद्र सरकार से कनाडा से दाल के आयात पर बैन लगाने की मांग की है. सीटीआई ने केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल को इसको लेकर एक पत्र भी लिखा है. उसने पत्र में केंद्रीय मंत्री से कनाडा पर आर्थिक दबाव बनाने के लिए दाल के आयात पर प्रतिबंध लगाने का आग्रह किया है. दरअसल, इंडिया में 23 लाख टन दाल की खपत होती है. लेकिन यहां पर महज 16 लाख टन ही दाल का उत्पादन होता है. ऐसे में मांग को पूरा करने के लिए केंद्र सरकार को विदेशों से दलहन का आयाता करना पड़ता है.

आर्थिक रूप से बड़ा नुकसान हो सकता है

पिछले साल भारत सरकार ने कनाडा से 4.85 लाख टन दाल का आयात किया था, जिसका मूल्य लगभग 370 मिलियन डॉलर था और यह उसके कुल दाल आयात का आधे से अधिक था. ऐसे में अगर भारत कनाडा से दलहन का आयात कम करता है, तो उसे आर्थिक रूप से बड़ा नुकसान हो सकता है.

770 डॉलर प्रति मीट्रिक टन पर पहुंच गया है

फसल व्यापारी पैरिश एंड हेमबेकर के वरिष्ठ निर्यात व्यापारी केविन प्राइस का कहना है कि भारत कनाडा से बड़े स्तर पर दलहन का व्यापार करता है. ऐसे में अगर दाल का निर्यात प्रभावित होता है, तो यह कनाडा के व्यापारियों के लिए चिंता की बात है. हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें जस्टिन ट्रूडो के बयान के बाद से कनाडाई आपूर्ति के लिए भारतीय ऑफर 6% गिरकर लगभग 770 डॉलर प्रति मीट्रिक टन पर पहुंच गया है.

देश में लिखी जा रही तरक्की की इबारत

आधा हुआ चालू खाते का घाटा, क्या हैं इसके मायने?

नई दिल्ली, 28 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय इकोनॉमी का डंका दुनिया में बज रहा है. हाल में जी20 बैठक के दौरान भारत की आर्थिक ताकत का जलवा पूरी दुनिया ने देखा भी. अब भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने अप्रैल-जून तिमाही के लिए चालू खाते के घाटे के आंकड़े जारी किए हैं, जो पिछले साल के मुकाबले आधा रह गया है. ये भारतीय इकोनॉमी के लिए कैसे फायदेमंद हैं, चलिए जानते हैं भारतीय रिजर्व बैंक ने जानकारी दी है कि चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में ये 9.2 अरब डॉलर रह गया है. ये देश की जीडीपी के 1.1 प्रतिशत के बराबर है. जबकि पिछले साल इसी तिमाही में देश के चालू खाते का घाटा 17.9 अरब डॉलर यानी जीडीपी के 2.1 प्रतिशत के बराबर था. हालांकि ताजा आंकड़ों को ठीक एक तिमाही पहले यानी जनवरी-मार्च से तुलना करके देखा जाए तो देश में चालू खाते का घाटा बढ़ा है. तब ये महज 1.3 अरब डॉलर था. इस बीच भारत का विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ा है.

बढ़ा सर्विस सेक्टर का कारोबार

आंकड़ों के हिसाब से अप्रैल-जून तिमाही में देश के सर्विस सेक्टर का ट्रेड बढ़ा है और ये 35.1 अरब डॉलर के सरप्लस में है. जबकि सालभर पहले ये इसी तिमाही में 31.1 अरब डॉलर के सरप्लस में था. वहीं देश के मर्चेंडाइज यानी मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर का व्यापार घाटा पहले से सुधरा है. ये अब 63.1 अरब डॉलर से घटकर 56.6 अरब डॉलर रह गया है. देश का व्यापार घाटा अप्रैल-जून 2023 में 21.5 अरब डॉलर रहा है. बीते साल समान तिमाही में ये 32 अरब डॉलर था.

क्या होता है चालू खाते का घाटा?

जब किसी देश में निर्यात के मुकाबले आयात ज्यादा होता है, तब इनके बीच का अंतर व्यापार घाटा कहलाता है. इसी को विस्तृत रूप में जब किसी देश के पेमेंट बैलेंस में अंतर के तौर पर देखा जाता है, तब वह चालू खाते का घाटा बन जाता है.

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2080
शक संवत् -1945, सूर्य - दक्षिणायने ,ऋतु- शरद
महावीर निर्वाण संवत् -2549,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426876
कलियुग संवत् -5124 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949124
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885124

सूर्योदय- 06-09
सूर्य अस्त- 18-03

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	कन्या में	सिंह...	05-21 बजे
चंद्र-	मीन में	कन्या..	07-28 बजे
मंगल	कन्या में	तुला...	09-36 बजे
बुध-	सिंह में	वृश्चिक.	11-50 बजे
गुरु-	मेष में	धनु.....	13-57 बजे
शुक्र-	कर्क में	मकर..	15-47 बजे
शनि-	कुंभ में	कुंभ...	17-25 बजे
राहु-	मेष में	मीन...	19-01 बजे
केतु-	तुला में	मेष--	20-46 बजे
		वृष--	22-05 बजे
		मिथुन..	00-59 बजे
		कर्क...	03-11 बजे

दिशाशूल -- पश्चिम - दही खाकर घर से निकले
तिथि- पूर्णिमा - 15 -27 तक उपरान्त प्रतिपदा
मास - भाद्रपद शुक्ल पक्ष , शुक्रवार 29 September
नक्षत्र - उ.भाद्रपद - 23-17 -तक उपरान्त रेवती
योग - वृध्दि - 20 - 02 - तक उप ध्रुव
करण- बव - 15 -27 - तक उप- बालव
विशेष:- श्राद्धपक्ष आरंभ,पूर्णिमा श्राद्ध
व्रत -त्योहार - एकम का श्राद्ध

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए ।

राहुकाल 13:37 से 15:07 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ.	06:09 - 07:37	शुभ	अमृत	18:03 - 19:37	शुभ
रोग	07:37 - 09:07	अशुभ	चंचल	19:37 - 21:07	शुभ
उत्पात	09:07 - 10:37	अशुभ	रोग	21:07 - 22:37	अशुभ
चंचल	10:37 - 12:07	शुभ	काल.	22:37 - 00:07	अशुभ
लाभ	12:07 - 13:37	शुभ	लाभ	00:07 - 01:37	शुभ
अमृत	13:37 - 15:07	शुभ	उत्पात	01:37 - 03:07	अशुभ
काल.	15:07 - 16:37	अशुभ	शुभ	03:07 - 04:37	शुभ
शुभ.	16:37 - 18:03	शुभ	अमृत	04:37 - 06:09	शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
आज का दिन अपने जीवन की वर्त्तमान स्थिति का मूल्यांकन करने और अपनी योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर बांटने के लिए बिलकुल उपयुक्त है । अगर आप पिछले कुछ समय से आलसी महसूस कर रहे हैं और काफी सारा काम इकठ्ठा हो गया है,आज अपने अन्दर असीमित ऊर्जा अनुभव करेंगे जिससे आपके ये अधूरे काम संतोषजनक ढंग से पूरे हो पायेंगे ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
ऐसी स्थितियां आ सकती हैं जो आपको बिना सोचे काम करने के लिए उकसायें । यह सही समय है जब आपको सब कुछ अपने नियंत्रण में रखकर युद्ध स्तर पर काम करना है । अपने बच्चों या छोटे बहन भाइयों के लिए सुरक्षात्म्क रवैया अपनाएँ । आप बहुत अच्छी तरह सामाजिक गतिविधियों में शामिल होंगे और यहां आपका बहुत अच्छा स्वागत होगा ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)
आज का दिन बदलाव के नाम रहेगा ।आपकी मुलाकात ऐसी किसी आदमी से हो सकती है जो आपके जीवन में महत्वपूर्ण बदलावों का या तो खुद कारण बनेगा या बदलाव लाने वाले लोगों से मुलाकात का माध्यम बनेगा । हालाँकि,सभी बदलाव आपके लिए अच्छे नही रहेंगे । इससे पहले कि आप बदलाव को स्वीकार कर आगे बढ़े ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
आज आप कुछ उलझे हुए से रहेंगे । आप कोई महत्वपूर्ण काम शुरू करने के लिए भी उतावले हैं । परन्तु आज प्रतीक्षा करना और कोई महत्वपूर्ण काम शुरू न करना ही ठीक होगा । शाम तक उलझन खुद कम हो जायेगी । दिन बाधारहित गुजरेगा । यात्रा कर सकते हैं ,सार्वजनिक परिवहन से देर हो सकती है । दूसरे विकल्प खुले रखें ।आपने अपना वजन कम करने सम्बन्धी एक बहुत बड़ा लक्ष्य निर्धारित किया है।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
यदि आप आज थोड़े से धीरज और सहनशीलता के साथ काम लें तो आज का दिन आपके लिए बहुत अच्छा हो सकता है,लेकिन धीरज बनाये रखना ही सबसे बड़ी चुनौती है । समय भी आपको रेंगता सा अनुभव होगा और आप जिस गति से चाहते हैं,उससे काम नहीं हो पायेंगे । अगर आप जल्दी भी मचाएंगे तो सब गड़बड़ हो जाएगा । खुद को शांत रख पाने की किसी क्रिया के साथ दिन की शुरुआत करें ।

कन्या (टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,)
अपने सब विचारों को एक साथ रखकर सोचें,इससे जो निष्कर्ष निकलेगा ,उससे आपको स्थितियों से निपटने में काफी मदद मिलेगी । अपने आप को उन चीजों में ना फंसने दें जिनमे आप विश्वास नही रखते । इन्हें छोड़कर आगे बढ़ जाएँ ।इधर –उधर की हांकना आपकी आदत नही है ,लेकिन कई बार आपको ना चाहते हुए भी यह करना पड़ता है ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
पिछले कुछ समय से आप जिस असंतुष्टि के दौर से गुजर रहे हैं,अंतत अब उससे बाहर आ पायेंगे । आपको खुद ही पता चल जाएगा कि आपने जीवन में अपना उत्कृष्ट प्राप्त कर लिया है और अब अपने सपने पूरे करने के लिए भी कोशिश कर सकते हैं । आप यह भी समझ पायेंगे कि अपने काम और अपनी सेहत दोनों को बेहतर बनाने के लिए कुछ बदलाव करने जरूरी हैं ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आपका सकारात्मक दृष्टिकोण आपको सकारात्मक कदम उठाने के लिए ही प्रेरित करेगा । इससे आपको भविष्य में बहुत लाभ मिलेगा । अगर कोई आपसे उलझने की कोशिश करता भी है तो आप शांति बनाये रखें और दृढ़ता से अपनी बात सामने रखें । आज आपकी धार्मिक तथा रहस्य विज्ञान के कार्यों में रूचि बनेगी ।आज आपके व्यवहार में स्वस्थ होंने ,ख़ुशी और बेहतर सेहत की ख़ुशी अलग ही दिखेगी ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
व्यवसाय सम्बन्धी परेशानियां हल होंगीं लेकिन तब तक आपको बोलने ,लिखने और काम में भी आक्रामक नही होना है । निजी जीवन से सम्बंधित परेशानियां झेल रहे लोगों को अपनों के लिए समय निकालना चाहिए । आप लम्बे समय से स्वस्थ्य की उपेक्षा क्र रहे हैं ,इस पर ध्यान दें ।आज स्वस्थ्य सम्बन्धी छोटी समस्याओं से बचकर रहें ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आज आप काल्पनिक से मूड में हैं । अलग अलग भूमिकाएं निभाने और कल्पनाओं में आपको बहुत मजा आता है । आप अपने लिए हर कहीं रोमांस ढूँढ लेते हैं । आपकी सपनों की एक दुनिया है जिसे आपको सच करने का मौका मिल सकता है । आप आज अपनी भावनाओं के वश में होकर संबंधों या करियर में कुछ असंभव सा हासिल करना चाहेंगे हालाँकि बड़े फैसले लेने के लिए यह समय ठीक नही है ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
नकारात्मकता से भरे छली लोगों से दूर रहें । ये आपको भी नकारात्मक बनाकर असफल कर देने की कोशिश में हैं जबकि आप अपनी मंजिल के बहुत करीब हो । शांति के लिए आज अपना अधिकतर समय परिवार के साथ घर पर बिताएं और सारा बाकी काम पूरा कर लें । कुछ मीठी यादें सहेजने के लिए अपने कमरे में उनका फोटो लगा दें । आज आप अपने भीतर बहुत शक्ति महसूस करेंगे

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
एकरसता आपको अच्छी न लगती। इससे आप बोर अनुभव करते हैं । आज आप काफी खुश और फ्लर्ट वाले मूड में होंगे । अपनी दिनचर्या बदलें । इसमें फिटनेस को जगह दें । किसी मनोरंजक गतिविधि में शामिल हो सकते हैं । आपके नए विचार से वरिष्ठ अधिकारी प्रभावित होंगें । ऑफिस में नयी पहचान बनेगी । कुल मिलकर दिन हल्का-फुल्का गुजरेगा । काम कम रहेगा । आप सकारात्मकता के श्रोत बने रहेंगे ।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

ड्रग्स, हथियार, डांस बार की कमाई से चल रहा खालिस्तान

पाक, चीन, यूएस से कनाडा आ रहा पैसा, भारत के पास पूरी लिस्ट

नई दिल्ली, 28 सितंबर (एक्सक्लूसिव डेस्क)। खालिस्तान के मसले पर भारत से चल रहे तनाव के बीच कनाडा के वैंकूवर में इंडियन ऐंबैसी के सामने 100 लोग जुटे। हाथों में खालिस्तान के झंडे थे। भीड़ ने नारेबाजी की, तिरंगे में आग लगा दी और भारत विरोधी नारे लगाए। खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद से पूरे कनाडा में ऐसे प्रोटेस्ट हो रहे हैं।

सिर्फ कनाडा ही नहीं, बीते कुछ महीनों में अमेरिका, जर्मनी, ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया में खालिस्तान समर्थकों की एक्टिविटी बढ़ी है। 2 जुलाई 2023 को अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को में इंडियन कॉन्सुलेट में खालिस्तान समर्थक भीड़ ने आग लगा दी थी। इसी दूतावास पर मार्च में भी हमला हुआ था।

विदेशों में कैसे खालिस्तान समर्थकों का नेटवर्क फैल रहा है, उनके काम करने का तरीका क्या है, इसके लिए पैसा कहां से आ रहा है, ये सवाल खुफिया एजेंसी के अफसरों और एक्सपर्ट्स से पूछे।

पता चला कि खालिस्तान समर्थकों को पाकिस्तान के अलावा अमेरिका से भी फंडिंग हो रही है। इसके अलावा ड्रग्स, फिरौती, उगाही, सट्टेबाजी, हथियार तस्करी और फिल्मों के जरिए भी पैसा जुटाया जा रहा है।

रॉ, एनआईए और आईबी एक्टिव, फंडिंग करने वालों की पहचान कर रहीं

सूत्रों के मुताबिक, भारत विरोधी एक्टिविटी बढ़ने के बाद भारतीय एजेंसियां खालिस्तानी आतंकियों का मूवमेंट ट्रैक कर रही हैं। रिसर्च एंड एनालिसिस विंग यानी रॉ और नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी यानी एनआईए ने भारत के अलावा उन देशों में पड़ताल शुरू की है, जहां खालिस्तान समर्थक एक्टिव हैं।

एनआईए ने 5 और 6 अक्टूबर को दिल्ली में एक मीटिंग बुलाई है। इसमें इंटेलिजेंस ब्यूरो, रॉ और एटीएस के बड़े अधिकारी शामिल होंगे। ये सभी खालिस्तानी टेरर एक्टिविटी और फंडिंग रोकने के प्लान पर काम करेंगे।

सेंट्रल जांच एजेंसी से जुड़े एक अधिकारी ने नाम न जाहिर करते हुए बताया कि भारत ने खालिस्तान मूवमेंट को डायरेक्ट और इनडायरेक्ट तरीके से फंडिंग करने वाले देशों, एजेंसियों, कंपनियों और लोगों की लिस्ट बनाई है। इन पर कार्रवाई के लिए डिप्लोमैटिक लेवल पर कनाडा जैसे देशों पर दबाव बनाया जाएगा।

अधिकारी ने बताया कि कनाडा के अलावा खालिस्तानी आतंकियों को सबसे बड़ी इनडायरेक्ट फंडिंग अमेरिका से हो रही है। 2021 में रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन हडसन इंस्टीट्यूट ने अमेरिका में खालिस्तानी अलगाववादी गतिविधियों पर रिपोर्ट जारी की थी। इसके मुताबिक, खालिस्तान मूवमेंट को हवा देने के लिए अमेरिका में 55 कश्मीरी और खालिस्तानी ग्रुप मिलकर काम कर रहे हैं।

कनाडा में आईएसआई एजेंट्स और खालिस्तानी आतंकियों की मीटिंग हुई, सरकार को भी खबर

अधिकारी ने बताया कि अमेरिका में बैठे खालिस्तान समर्थक पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई तक फंड पहुंचा रहे हैं। आईएसआई यही पैसा कनाडा में खालिस्तान समर्थकों को भेज रही है। इन पैसों का इस्तेमाल भारत विरोधी प्रदर्शन, पोस्टर-बैनर और ऑनलाइन प्रोपेगैंडा फैलाने में होता है।

सूत्रों के मुताबिक जून, 2023 में कनाडा के वैंकूवर में आईएसआई एजेंट्स और खालिस्तानी आतंकियों की मीटिंग हुई थी। इसमें प्रतिबंधित आतंकी संगठन 'सिख फॉर जस्टिस' का चीफ गुरपतवंत सिंह पन्नू भी शामिल हुआ था।

मीटिंग में भारत के खिलाफ एजेंडा चलाने की प्लानिंग की गई। इसके अलावा कनाडा में मूवमेंट को आगे बढ़ाने के लिए कहां से फंड आएगा, आईएसआई एजेंट्स ने इसकी डिटेल दी थी। एक बड़े होटल में हुई इस मीटिंग की जानकारी कनाडा सरकार को भी है।

आईएसआई ने गैंगस्टर और नार्को टेररिस्ट नेक्सस बनाया, अफगानिस्तान से ड्रग्स सप्लाई

अधिकारी ने आगे बताया कि कनाडा में खालिस्तानी मूवमेंट के पीछे गैंगस्टर-नार्को टेररिस्ट नेक्सस काम करता है। वहां के लगभग सभी बड़े गैंगस्टर हथियार और ड्रग्स की तस्करी में शामिल हैं। आईएसआई खालिस्तानी गुटों से जुड़े लोगों को ड्रग्स की तस्करी करने में मदद करती है। आईएसआई से जुड़े लोग अफगानिस्तान से ड्रग्स लेकर कनाडा पहुंचा रहे हैं।

सेंट्रल जांच एजेंसी के एक अधिकारी ने बताया कि कनाडा के कैलगरी, वैंकूवर और टोरंटो में ट्रांसपोर्ट बिजनेस से जुड़े लोग नशे की तस्करी कर रहे हैं। खुद को बचाने के लिए वे खालिस्तानी मूवमेंट से जुड़कर काम कर रहे हैं।

भारतीय खुफिया एजेंसियों ने कनाडा में एक्टिव ऐसे गुटों की लिस्ट बनाई है, जो खुलेआम खालिस्तान मूवमेंट का सपोर्ट करते हैं और उनके लिए फंड जुटाते हैं। कनाडा में 2006 के बाद से गैंगवार या पुलिस ऑपरेशन में मरने वाले 21% गैंगस्टर पंजाबी मूल के हैं।

ड्रग्स और हथियार तस्करी में शामिल गैंग

ब्रदर्स कीपर्स गैंग: ये गैंग गविंदर सिंह ग्रेवाल ने बनाई थी। 30 साल के गविंदर सिंह ग्रेवाल की 2017 में हत्या कर दी गई थी। गैंग सबसे ज्यादा वैंकूवर, ब्रिटिश कोलंबिया, अल्बर्टा, मैनिटोबा और ओंटारियो में एक्टिव है। कमाई का जरिया फिरौती, ड्रग्स, स्मगलिंग और हथियारों की खरीदारी है।

ढक-दुरे ग्रुप: गैंग ब्रिटिश कोलंबिया और अल्बर्टा के अलावा अमेरिका में भी एक्टिव है। इसके लीडर संदीप सिंह दोहरे, गुरमीत सिंह ढाक और सुखवीर सिंह ढाक मारे जा चुके हैं। है। गैंग को उसके मेंबर एरिया के हिसाब से ऑपरेट कर रहे हैं।

धालीवाल क्राइम फैमिली: टोरंटो, मिसिसॉगा, वॉन, और क्यूबेक शहरों में एक्टिव ये फैमिली डकैती और ड्रग्स तस्करी में शामिल है। कनाडा सरकार ने कई बार धालीवाल गैंग के ठिकानों पर छापेमारी की है, लेकिन गैंग अब भी एक्टिव है। बताया जाता है कि गैंग साल में 280 मिलियन डॉलर से ज्यादा की कमाई करता है। ये गैंग बलविंदर सिंह धालीवाल ने बनाई थी। इंडिपेंडेंट सोल्जर्स गैंग: ये गैंग सिर्फ वैंकूवर में एक्टिव है। इसके ज्यादातर मेंबर पंजाब, यूरो-कैनेडियन और फिजी से हैं। 2009 में परमिंदर पीटर आडिवाल ने ये गैंग शुरू की थी। परमिंदर समेत गैंग के कई मेंबर गैंगवार में मारे गए।

कैंग क्राइम फैमिली (बीआईबीओ गैंग): समित सिंह सैम की बनाई ये गैंग पहले ब्रदर कीपर्स गैंग का हिस्सा थी। गैंग वैंकूवर, ब्रिटिश कोलंबिया और अल्बर्टा में काम करती है और ड्रग्स, हथियारों की स्मगलिंग और कॉन्ट्रैक्ट किलिंग में शामिल है। गैंग लीडर समित अभी जेल में हैं।

मुल्ली-बुट्टर गैंग: ये गैंग दो गुटों को मिलाकर बनी थी। एक को तेजिंदर सिंह मल्ली और दूसरे को बुट्टर बंधु यानी बलजीत, मंजीत और कुलजीत लीड करते हैं। गैंग ब्रिटिश कोलंबिया और अल्बर्टा में एक्टिव है। ज्यादातर मेंबर्स के जेल में होने की वजह से इसकी एक्टिविटी कम हैं।

पंजाबी माफिया: ये गुट दोसांझ ग्रुप, जोहल ग्रुप और बुट्टर ग्रुप से मिलकर बना है। रंजीत चीमा, दोसांझ ब्रदर्स और रॉबी कंडोला की बनाई ये गैंग ड्रग्स तस्करी में शामिल हैं। गैंग मेंबर खुलेआम खालिस्तानी मूवमेंट का सपोर्ट कर चुके हैं। सूत्रों के मुताबिक, कनाडा में हुए रेफरेंडम में इनका फाइनेंशियल सपोर्ट रहा है।

द रफियंस: ये गैंग पंजाब समेत भारत से गए स्टूडेंट्स ने बनाई है। इसके मेंबर्स कॉन्ट्रैक्ट किलिंग, ड्रग्स तस्करी, मनी लॉन्ड्रिंग, हथियार तस्करी, जुआ, डकैती, वसूली और किडनैपिंग में शामिल हैं। ये भी समय-समय पर खालिस्तान मूवमेंट को सपोर्ट करते रहे हैं। कहा जाता है कि गोल्डी बराड़ भी इसी गैंग से जुड़ा रहा है।

मोस्ट वॉन्टेड पर एक्शन शुरू

एनआईए ने कनाडा में खालिस्तान से जुड़े 20 से ज्यादा लोगों को वॉन्टेड लिस्ट में डाला है। इन पर भारत में आतंकी गतिविधियों में शामिल होने और भारत के खिलाफ प्रोपेगैंडा फैलाने का आरोप है। एनआईए ने भारत में इन लोगों की संपत्ति जब्त करना शुरू कर दिया है।

खड़गे बोले- महिला आरक्षण बिल एक जुमला है

बलौदाबाजार में कहा- कांग्रेस नेताओं के जहां दौरे होते हैं, वहां ईडी-आईटी के छापे पड़ते हैं

बलौदाबाजार, 28 सितंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने महिला आरक्षण बिल को जुमला बताया है। उन्होंने कहा कि जहां 'कांग्रेस नेताओं के दौरे होते हैं, वहां ईडी-आईटी के छापे पड़ते हैं। हमें डरना नहीं, लड़ना है। डर गए तो समझो मर गए। देखते हैं कितना सताते हैं।'

खड़गे ने आगे कहा कि 'कांग्रेस हर काम दिल से करती है, 2024 में बीजेपी को सबक सिखाना ही होगा। बीजेपी के लोग संविधान खत्म करना चाहते हैं। खड़गे ने ये बात बलौदाबाजार में आयोजित कृषक सह श्रमिक सम्मेलन में कही।'

खड़गे के भाषण की प्रमुख बातें

बलौदाबाजार में आज 2300 करोड़ की योजना लागू की गई।

15 साल में रमन सिंह ने यहां की सुध नहीं ली। आज यहां नड्डा और अमित शाह पहुंच रहे।

बीजेपी की सरकार ने मजदूरों को कमजोर किया, हमने उन्हें उनका हक दिया।

इतिहास में सम्मान वही पाते हैं, जो गरीबों के लिए लड़ते हैं। लेकिन जो गरीबों को खत्म करने की बात करते हैं, वो खत्म हो

जाते हैं। राजीव गांधी के कार्यकाल में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत रिजर्वेशन लाया गया था तो भी बीजेपी ने विरोध किया।

बीजेपी के पास इच्छा शक्ति नहीं। कांग्रेस जो भी काम करती है दिल से करती है। लोगों के लिए करती है। मोदी जी ने कहा था किसानों की आमदनी दोगुनी होगी, लेकिन नहीं हुई, न ही लोगों को 15 लाख रुपए।

बीजेपी के लोग संविधान को खत्म करके दूसरा संविधान लाना चाह रहे हैं। हाथी के दांत खाने के और दिखाने के और, ऐसे हैं बीजेपी के लोग।

न्याय योजना की राशि से 40 लाख लोग गरीबी रेखा से बाहर आए। छत्तीसगढ़ में 377 इंग्लिश मीडियम स्कूल के साथ 10 इंग्लिश मीडियम कॉलेज बनाए।

कांग्रेस नेताओं के जहां दौरे होते हैं, वहां ईडी और आईटी के छापे पड़ते हैं। हमें डरना नहीं, लड़ना है। डर गए तो समझो मर गए। देखते हैं कितना सताते हैं।

इससे पहले खड़गे ने मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक पेंशन सहायता योजना की शुरुआत की। उन्होंने 266 करोड़ से ज्यादा के विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन किया।

इसके अलावा राजीव गांधी किसान न्याय योजना, राजीव गांधी भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना के हितग्राहियों के खाते में राशि ट्रांसफर की।

मुख्यमंत्री के भाषण की बड़ी बातें

24 लाख 52 हजार किसानों के खाते में 1895 करोड़ रुपए ट्रांसफर किए गए।

जिले में 266 करोड़ रुपए के 264 कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया गया। राजीव गांधी किसान न्याय योजना का पैसा हम हर माह की एक तारीख को देते रहे हैं, लेकिन आपकी सुविधा को ध्यान में रखते हुए आज 28 सितंबर को खड़गे जी के हाथ से आपके खाते में ट्रांसफर किए गए। हमने पिछले 5 साल में 20 लाख अतिरिक्त राशनकार्ड बनवाए, 73 लाख लोगों को चावल, नमक मुफ्त दे रहे। बिजली बिल हाफ योजना का लाभ सबको मिल रहा है। 83 लाख परिवारों को 60 हजार करोड़ से ज्यादा की राशि सब्सिडी के रूप में दे रहे हैं।

तीन साल से फरार वांछित नक्सली गिरफ्तार

जबरन वसूली समेत अन्य छह मामलों में आरोपी

रांची, 28 सितंबर (एजेंसियां)। झारखंड के हजारीबाग जिले में कई मामलों वॉन्टेड एक नक्सली को गिरफ्तार किया गया है। नक्सली की पहचान नितेश कुमार मेहता के तौर पर की गई है, जो तृतीय प्रस्तुति समिति का सदस्य है। उसे बरकागांव पुलिस स्टेशन इलाके से गिरफ्तार किया गया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि वह चतरा और हजारीबाग जिले का आतंकवादी था और पिछले तीन साल से फरार चल रहा था।

उन्होंने आगे बताया कि आरोपी अपनी बहन के घर करम पूजा मनाने आया था और वहीं से उसे गिरफ्तार किया गया है। वह जबरन वसूली समेत छह अन्य मामलों में आरोपी है। फिलहाल अदालत ने बुधवार को उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

रघुवर दास ने सीएम हेमंत सोरेन को लिखा पत्र

सरना धर्म कोड के नाम पर न करें गुमराह, आपके हाथ में जो है उसे करें लागू, एसटी समाज के हित में लें फैसला

रांची, 28 सितंबर (एजेंसियां)। भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रघुवर दास ने सीएम हेमंत सोरेन को पत्र लिखा है। उन्होंने पत्र में स्पष्ट लिखा है कि सरना समाज के लोगों को सरना धर्म कोड के नाम पर गुमराह मत कीजिए। उनके हितों के लिए आपके हाथ में जो है उसे लागू कीजिए। उन्होंने सीएम हेमंत सोरेन को याद दिलाया है कि राज्य में स्थापित रीति रिवाज, वेशभूषा और परंपराओं को माननेवाले अनुसूचित समाज के लोगों का ही एसटी जाति प्रमाण पत्र जारी करने का आदेश दें। समाज के लोगों की यह मांग लंबे समय से है।

रघुवर दास ने अपनी चिट्ठी में लिखा है कि आप अनुसूचित जनजाति समाज से आते हैं। जनजातीय समाज ने बड़े भरोसे के साथ आपको मुख्यमंत्री के पद पर बैठाया था, लेकिन अब वो छला महसूस कर रहे हैं। जनजातीय समाज आप से अपेक्षा करता है कि उसके साथ न्याय हो, लेकिन अफसोस के साथ कहना पड़ रहा है कि मुख्यमंत्री बनने के साथ सबसे अधिक विश्वासघात

आपने जनजातीय समाज के साथ ही किया है। ये बात किसी से छिपी नहीं है कि जनजातीय समाज को आज झारखंड में किस खराब दौर से गुजर रहा है। झारखंड में जनजातीय समाज की परंपरा और पहचान आपकी सरकार की वजह से संकट में आ गयी है। पर्दे के पीछे से आपकी सरकार चलानेवाले चाहते हैं कि यहां का अनुसूचित जनजाति समाज मांदर की जगह गिटार पकड़ ले।

पत्र में भाजपा नेता रघुवर दास ने मुख्यमंत्री से अनुरोध है कि सरना कोड के नाम पर आप जनजातीय समाज विशेष कर सरना समाज को गुमराह करने की बजाय जो आपके हाथ में हैं कम से कम उसे तो लागू कर दें। अनुसूचित जनजाति समाज की सालों पुरानी मांग है कि स्थापित रीति रिवाज, पारंपरिक वेशभूषा और परंपराओं को माननेवालो को ही एसटी जाति प्रमाण पत्र निर्गत किया जाये। उन्होंने इस बाबत 1997 में केरल राज्य एवं एक अन्य बनाम चन्द्रमोहनन मामले में केरल हाईकोर्ट के आदेश का उदाहरण दिया है। जिसमें कोर्ट ने स्पष्ट फैसला सुनाया था कि अनुसूचित जनजाति प्रमाण पत्र निर्गत करने का क्या-क्या आधार होना चाहिए। लेकिन आपकी सरकार इस अहम मुद्दे पर मौन है।

उन्होंने सीएम से कहा है कि अनुसूचित जनजाति समाज के हित में केरल हाईकोर्ट के फैसले को झारखंड में उतारने का काम करें। पत्र में केरल हाईकोर्ट के निर्णय की जानकारी देते हुए बताया कि कोर्ट ने कहा है कि आवेदक के माता एवं पिता दोनों ही अनुसूचित जनजाति के सदस्य होने चाहिए। उनके माता-पिता का विवाह संबंधित जनजाति के रूढ़ियों एवं परंपरा के अनुसार किया गया होना चाहिए। उनका विवाह जनजाति समाज द्वारा किया गया हो एवं उसे समाज के द्वारा मान्यता दी गई हो।

पोस्टमार्टम हाउस का हाल बेहाल

अस्पताल के बाहर हुआ महिला के शव का पोस्टमार्टम, अधिकारी अनजान

धमतरी, 28 सितंबर (एजेंसियां)। धमतरी जिले के कुरूद थाना क्षेत्र स्थित सिविल अस्पताल से एक अजीबो-गरीब घटना सामने आई है। यह घटना सुविधाओं की कमी, लापरवाही या उपस्थित सिविल अस्पताल के डॉक्टर और कर्मचारी की कामचोरी कही जा सकती है। अस्पताल में एक महिला का शव आया था, जिसका पोस्टमार्टम शव परीक्षण कक्ष में होना था। लेकिन पोस्टमार्टम शव परीक्षण कक्ष के बाहर ही कर दिया गया। इसके बाद मृतक महिला के परिजनों ने नाराजगी भी जाहिर की। वहीं, डॉक्टर ने सुविधाओं की कमी होने की बात कही है।

जानकार के अनुसार, कुरूद थाना क्षेत्र के डही गांव में एक महिला खेत में काम करने गई थी। इस दौरान बारिश होने लगी और बारिश के साथ बिजली बी गिरी। आकाशीय बिजली के चपेट में आकर महिला ममता पटेल की मौत हो गई। मृतका के परिजनों उसे एंबुलेंस की सहायता से सिविल अस्पताल पहुंचाया, जहां महिला का पोस्टमार्टम होना था। लेकिन शव प्रशिक्षण कक्ष में जाने के रास्ते में पानी भरा था और अंदर कक्ष में सुविधाओं की कमी के कारण मृत महिला का पोस्टमार्टम बाहर ही कर दिया गया।

सिविल हॉस्पिटल के सर्जन डॉ. हेमराज देवांगन कहना है कि महिला का शव पोस्टमार्टम के लिए आया था, जिसकी आकाशीय बिजली गिरने से मौत हुई थी। महिला के शव का पोस्टमार्टम बाहर ही कर दिया गया। पूछे जाने पर डॉक्टर ने कहा कि शव परीक्षण कक्ष जाने के रास्ते में पानी भरा हुआ था और शव परीक्षण कक्ष में रोशनी की कमी के साथ पानी की व्यवस्था अंदर कक्ष में नहीं है। जहरीले जीव-जंतु निकलने का डर भी बना रहता है, इसलिए महिला का पोस्टमार्टम शव परीक्षण कक्ष के बाहर किया गया है। डॉक्टर ने यह भी बताया कि पिछले 4-5 साल से उक्त कक्ष में लाइट, पानी जैसी बुनियादी सुविधा के लिए मांग की जा रही है। लेकिन अभी तक कुछ भी कार्य नहीं हुआ है।

सीजीपीएससी चयन... पहली बार चुनावी मुद्दा

हाईकोर्ट ने कहा- अफसरों के रिश्तेदार ही क्यों सिलेक्ट, कांग्रेस बोली- गुनाह क्या, बीजेपी की सीबीआई जांच की मांग

रायपुर, 28 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग (सीजीपीएससी) की भर्ती का मामला अब सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। इस मामले की सुनवाई पहले 27 सितंबर को होनी थी, लेकिन अब 6 अक्टूबर को होगी। बिलासपुर हाईकोर्ट ने भी जहां इस मामले में अफसरों और नेताओं के रिश्तेदारों की भर्तियों को लेकर सवाल उठाए हैं। वहीं दूसरी ओर इसे लेकर प्रदेश में राजनीतिक सरगर्मी बढ़ गई है।

पूर्व गृहमंत्री और रामपुर विधायक ननकीराम कंवर ने हाईकोर्ट में पीएससी में सिलेक्ट अफसरों के रिश्तेदारों की लिस्ट दी है। इसके बाद कांग्रेस ने भी पुराने अफसरों और नेताओं की वो लिस्ट सामने रखी है, जिनके रिश्तेदार सिलेक्ट हुए थे। ऐसे में

पहली बार सीजीपीएससी की भर्ती परीक्षा और चयन चुनावों में मुद्दा बनता जा रहा है। सीजीपीएससी की 2021-22 की सिलेक्शन लिस्ट विवादों में घिरी है। आरोप है कि भर्ती में फर्जीवाड़ा और भाई-भतीजावाद किया गया है। हाईकोर्ट ने जनहित याचिका दायर होने के बाद 13 नियुक्तियों पर रोक भी लगा दी है। हालांकि कुछ तथ्यों को लेकर चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा ने याचिकाकर्ता के अधिवक्ता पर नाराजगी भी जताई। कोर्ट ने राज्य सरकार और पीएससी को निर्देशित किया है कि जो सूची याचिकाकर्ता ने पेश की है, उसके तथ्यों की सत्यता की जांच कर लें। बेरोजगारी भत्ते को लेकर जहां कांग्रेस युवा वोट बैंक को साधने में जुटी है, वहीं भाजपा पीएससी की भर्तियों में गड़बड़ी के मुद्दे पर उनके मंसूबों पर पानी फेरने में जुट गई है। पीएससी का मुद्दा पहली बार सियासी रण में अहम होता दिख रहा है। कांग्रेस सरकार के भ्रष्टाचार का मुद्दा उठाते हुए बीजेपी पीएससी का मामला भी उठा रही है। बीजेपी इस मुद्दे को कितना तरजीह दे रही है, इसे उसके आरोप पत्र से भी समझा जा सकता है। जब केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने आरोप पत्र जारी किया तो उसमें भी प्रमुखता से पीएससी मामले का उल्लेख किया गया था। इससे पहले भाजयुमो के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजस्वी सूर्या ने भी राजधानी में हुई हुंकार रैली में पीएससी का मुद्दा जोर-शोर से उठाया था।

चाईबासा में आईईडी धमाका

चाईबासा, 28 सितंबर (एजेंसियां)। चाईबासा में कुछ महीनों के अंतराल के बाद एक बार फिर नक्सलियों ने सुरक्षा बल को नुकसान पहुंचाया है। टोंटो थाना क्षेत्र के सरजमबुरू और हाकातुंबा गांव के पास के जंगल में आईईडी ब्लास्ट हुआ है। इसमें कोबरा बटालियन के एक जवान के शहीद होने की खबर है। इस धमाके में कुछ जवानों के घायल होने की भी खबर आ रही है। घायलों को यहां से एयरलिफ्ट कर रांची लाया जा रहा है। जहां इनका इलाज मेडिका में होगा। नक्सलियों ने जंगल के अंदर कई आईईडी और लैंड माइंस बिछा रखे हैं ताकि सुरक्षा बल अंदर उनके ठिकानों तक ना पहुंच सके। कई बार सुरक्षा बल के हाथ सफलता लगी और नक्सलियों के कई बड़े ठिकानों को ध्वस्त कर दिया। नक्सल अब सीमित दायर में फंसे हैं ऐसे में वह अपने आसपास का घेरा मजबूत कर रहे हैं।

पाकुड़ के हॉस्टल में 100 से अधिक बच्चे बीमार

खाने की थाली में मिली थी मरी हुई छिपकली, उल्टी और सिरदर्द की हुई शिकायत, सभी खतरे से बाहर

पाकुड़, 28 सितंबर (एजेंसियां)। पाकुड़ के पाकुड़िया प्रखंड स्थित एक प्राइवेट स्कूल के हॉस्टल में रहने वाले एक सौ से अधिक स्टूडेंट्स बीमार हो गए। बच्चों के बीमार होने की घटना सिद्धू कानू मुर्मू रेजिडेंशियल इंग्लिश स्कूल के हॉस्टल की है। बताया जा रहा है कि बच्चों के तबीयत बिगड़ने की जानकारी मिलते ही स्कूल प्रबंधन आनन-फानन में उनका इलाज पाकुड़िया के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और पश्चिम बंगाल के रामपुर हाट में कराया। बताया जा रहा है कि सभी बच्चे अब खतरे से बाहर हैं। कई बच्चों को उनके अभिभावक के साथ घर भेज दिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पाकुड़िया प्रखंड स्थित सिद्धू कानू मुर्मू रेजिडेंशियल इंग्लिश स्कूल के हॉस्टल बच्चे हर दिन की तरह खाना खा रहे थे। तभी एक बच्चे के प्लेट में मरी हुई छिपकली मिली। इसके बाद से बच्चों को उल्टी और सिर में दर्द होने लगा। आनन-फानन में सभी को

अस्पताल ले जाया गया। जहां इलाज के बाद बच्चों की स्थिति खतरे से बाहर है। डॉक्टरों के मुताबिक कुछ बच्चों को परेशानी थी तो कुछ बच्चे दूसरे बच्चों को उल्टी करते देख बीमार पड़ गए।

खाने में छिपकली पाए जाने के बाद कुल 128 बच्चे बीमार हो गए। इनमें 42 बच्चों को इलाज के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पाकुड़िया में भर्ती कराया गया। जबकि 86 बच्चों को बंगाल के रामपुरहाट के सरकारी अस्पताल में इलाज के लिए भेजा गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार इलाज के बाद दोनों जगहों के बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार हुआ है। पाकुड़िया पीएचसी में भर्ती सभी बच्चों को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है।

अमेरिकी विदेश मंत्री से मिलेंगे एस जयशंकर

मुलाकात से पहले यूएस बोला- कनाडा विवाद पर हमारा रुख साफ, भारत जांच में सहयोग करे

न्यूयॉर्क, 28 सितंबर (एजेंसियां)। खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद से कनाडा और भारत में विवाद जारी है। इस बीच विदेश मंत्री एस जयशंकर अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन से न्यूयॉर्क में मुलाकात करेंगे। दोनों के बीच द्विपक्षीय वार्ता हो सकती है। इससे पहले दोनों विदेश मंत्री संयुक्त राष्ट्र संघ की जनरल असेंबली यानी यूएनजीए के सेशन के दौरान मिले थे। तब कनाडा और निज्जर को लेकर कोई चर्चा नहीं हुई थी।

अमेरिका के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने ये नहीं बताया कि एंटनी ब्लिंकन और जयशंकर के बीच किन मुद्दों पर चर्चा होगी। हालांकि, जब उनसे भारत-कनाडा पर सवाल किया तो उन्होंने कहा कि इस पूरे मुद्दे पर अमेरिका का रुख साफ है। हम भारत से मांग करते हैं कि वो निज्जर की हत्या की जांच में कनाडा का सहयोग करें।

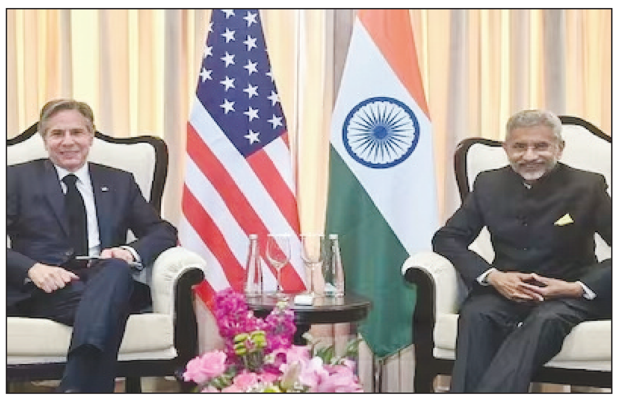

भारत-कनाडा विवाद पर अब तक अमेरिका का रुख

18 सितंबर को कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने अपनी संसद में खालिस्तानी नेता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या का आरोप भारत पर लगाया था। इसके बाद अमेरिका ने कहा था कि वो दोनों पक्षों के संपर्क में हैं। मामले की निष्पक्ष जांच की जानी चाहिए।

इसके बाद 22 सितंबर को अमेरिका के नेशनल सिक्योरिटी एडवाइजर (एनएसए) जेक सुलिवन ने व्हाइट हाउस में मीडिया से कहा कि वह इस हत्या के मामले में भारत के खिलाफ जांच में कनाडा के प्रयासों का समर्थन करते हैं। सुलिवन ने कहा था कि कोई भी देश हो इस तरह के कामों के लिए किसी को भी स्पेशल छूट नहीं मिलेगी। इसी दिन अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा था कि संयुक्त राज्य अमेरिका हत्या पर जवाबदेही चाहता है। ब्लिंकन ने एक प्रेस ब्रीफिंग में संवाददाताओं से कहा था- प्रधानमंत्री ट्रूडो द्वारा लगाए गए आरोपों से हम बेहद चिंतित हैं।

24 सितंबर को न्यूयॉर्क टाइम्स ने दावा किया कि निज्जर की हत्या के बाद अमेरिकी खुफिया एजेंसियों ने कनाडा को इंटेलिजेंस इकट्ठा करने में मदद की थी। इसी के आधार पर कनाडा को यह निष्कर्ष निकालने में मदद मिली कि भारत इसमें शामिल था। हालांकि, रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि भारत पर आरोप लगाते समय कनाडा ने जिस खुफिया रिपोर्ट का हवाला दिया था, वह उसने खुद जुटाई थी।

जयशंकर बोले- कनाडा में हमारे डिप्लोमैट्स को धमकाया जाता है

यूएन को संबोधित करने के बाद मंगलवार को विदेश मंत्री एस जयशंकर ने डिस्कशन एट काउंसिल फॉर फॉरेन रिलेशन्स में कई सवालों के जवाब दिए थे। इस दौरान उन्होंने कनाडा के साथ तनाव के अलावा चीन, रूस और मणिपुर हिंसा जैसे मुद्दों पर अपना पक्ष रखा था। जयशंकर ने कहा था कि कनाडा में अलगाववादी ताकतें, हिंसा और उग्रवाद से जुड़े अपराध पनप रहे हैं।

जयशंकर ने कहा- कनाडा में हमारे डिप्लोमैट्स को डराया-धमकाया जाता है, हमारे कॉन्सुलेट पर हमले होते हैं। इन सबको ये कहकर सही ठहरा दिया जाता है कि लोकतंत्र में यही होता है। यदि कोई ऐसी घटना है जो एक परेशानी का मुद्दा है और कोई मुझे एक सरकार के रूप में कुछ जानकारी देता है, तो मैं उस पर जरूर गौर करूंगा।

371 दिन बाद स्पेस से लौटा अमेरिकी एस्ट्रोनॉट

नासा ने 180 दिन के लिए भेजा था, लेकिन स्पेसक्राफ्ट में खराबी की वजह से लेट हुए

वॉशिंगटन, 28 सितंबर (एजेंसियां)। स्पेस पर 371 दिन बिताने के बाद अमेरिकी एस्ट्रोनॉट फ्रैंक रुबियो वापस धरती पर लौट आए हैं। उन्हें कजाकिस्तान के एक दूरदराज इलाके में सोयुज कैप्सूल से उतारा गया। उनके साथ रूसी अंतरिक्ष यात्री सर्गेई प्रोकोपीयेव और दिमित्री पेतेलिन भी स्पेस से वापस लौटे हैं।

रुबियो स्पेस पर सबसे लंबे समय तक रहने वाले अमेरिकी एस्ट्रोनॉट बन गए हैं। उन्होंने 11 सितंबर को यह रिकॉर्ड बनाया था। वे स्पेस में 371 दिन रहे। इससे पहले अमेरिका के एस्ट्रोनॉट मार्क वांडे हेई ने 355 दिन का रिकॉर्ड साल 2022 में बनाया था। हालांकि, अब तक स्पेस पर सबसे ज्यादा समय बिताने का रिकॉर्ड रूसी एस्ट्रोनॉट वलेरी पोलीयाकोव के नाम है, जिन्होंने 437 दिन बिताए थे।

कबाड़ से टकरा गया था स्पेसक्राफ्ट

फ्रैंक रुबियो को 180 दिन के लिए स्पेस मिशन पर भेजा गया था, लेकिन उनका स्पेसक्राफ्ट एक कबाड़ से टकरा गया। इससे यान का कूलिंग सिस्टम खराब हो गया। इसी वजह से अमेरिकी एस्ट्रोनॉट को ज्यादा दिनों तक रुकना पड़ा।

इस पूरे मामले पर रुबियो का कहना है कि अगर उन्हें पता होता कि उन्हें 1 साल तक स्पेस में रुकना पड़ जाएगा तो मिशन में कभी नहीं जाते।

रुबियो ने 5 हजार से ज्यादा बार धरती के चक्कर लगाए

अमेरिका के फ्रैंक रुबियो ने स्पेस स्टेशन में रहते हुए धरती के चारों तरफ 5963 चक्कर लगाए। इस बीच उन्होंने 15 करोड़ 74 लाख 12 हजार 306 मील की यात्रा की। यदि चंद्रमा की यात्रा से इसकी तुलना की जाए तो इतनी दूरी में कम से कम 328 बार धरती से चंद्रमा पर जाकर लौटा जा सकता है।

परमाणु हथियार बनाना अब संविधान का हिस्सा

किम जोंग उन बोले- यह अमेरिकी धमकियों से निपटने के लिए जरूरी

प्योंगयांग, 28 सितंबर (एजेंसियां)। नॉर्थ कोरिया ने अपनी परमाणु क्षमता को तेजी से बढ़ाने की नीति को अपने संविधान में शामिल कर लिया है। इसी के साथ ये नॉर्थ कोरिया के कानून का हिस्सा बन गई है। इसी के साथ तानाशाह किम जोंग ने अमेरिका के उकसावे को रोकने के लिए परमाणु हथियार के प्रोडक्शन को बढ़ाने की भी घोषणा की। नॉर्थ कोरिया की संसद और सुप्रीम कोर्ट ने 2 दिन की मीटिंग में सर्वसम्मति से ये प्रस्ताव पारित किया।

स्टेट मीडिया केसीएनए के मुताबिक, संविधान में ये संशोधन इसलिए किया गया है, ताकि नॉर्थ कोरिया ज्यादा से ज्यादा परमाणु हथियार बनाकर अपने अस्तित्व को सुरक्षित कर सके और जंग को रोक सके। किम जोंग ने संसद में कहा- देश की परमाणु शक्ति को मजबूत करने की पॉलिसी को कानून बना दिया गया है। किसी को भी इसका उल्लंघन करने की इजाजत नहीं होगी।

तानाशाह बोले- अमेरिका के खिलाफ खड़े देशों के साथ मिलकर काम करें

तानाशाह किम ने परमाणु हथियारों के उत्पादन को तेजी से बढ़ाने और इसे अलग-अलग सर्विसेज में तैनात करने का आदेश दिया। उन्होंने कहा- अमेरिका सैन्य उकसावे की सारी हदें पार कर चुका है। वो लगातार क्षेत्र में मिलिट्री ड्रिल्स और अपने हथियारों की तैनाती कर रहा है। किम ने अपने अधिकारियों से अमेरिका के खिलाफ खड़े देशों के साथ एकजुटता बढ़ाने को कहा है।

उन्होंने अमेरिका, जापान और साउथ कोरिया के ट्राइलेटरल को-ऑपरेशन को नाटो का एशियाई वर्जन बताते हुए इसकी निंदा की। किम जोंग ने कहा कि किसी भी धमकी भरी बयानबाजी से इतर ये सही मायने अब तक का सबसे बड़ा खतरा है। इससे पहले मंगलवार को साउथ कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक यिओल ने नॉर्थ कोरिया को परमाणु हथियारों के इस्तेमाल को लेकर चेतावनी दी थी। साउथ कोरिया में मंगलवार को देश की सबसे बड़ी मिलिट्री परेड में से एक आयोजित की गई थी। इस दौरान उन्होंने बैलिस्टिक मिसाइल से लेकर टैंक तक की प्रदर्शनी लगाई गई थी।

नॉर्थ कोरिया ने करीब एक महीने पहले साउथ कोरिया पर एटमी हमले का अभ्यास किया था। उसने अपने पूर्वी समुद्री इलाके में कम दूरी की दो बैलिस्टिक मिसाइलें दागी थीं। नॉर्थ कोरिया की न्यूज एजेंसी केसीएनए के हवाले से रॉयटर्स ने बताया था कि युद्धाभ्यास अमेरिका और साउथ कोरिया के युद्धाभ्यास को देखते हुए किया गया था।

नॉर्थ कोरिया ने आरोप लगाया था कि अमेरिका इन एक्सरसाइज के जरिए उन पर परमाणु हमले की तैयारी कर रहा है। नॉर्थ कोरिया की सेना कोरियन पीपुल्स आर्मी (केपीए) ने टैक्टिकल न्यूक्लियर हथियारों से हमले का अभ्यास किया था।

संसद में नाजी सैनिक के सम्मान पर ट्रूडो की माफी

स्पीकर पर सारा इल्जाम डाला, कहा- इससे देश और संसद शर्मिंदा

ओटावा, 28 सितंबर (एजेंसियां)। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने गुरुवार को अपनी संसद में नाजी सैनिक के सम्मान पर ऑफिशियली माफी मांगी है। इस दौरान उन्होंने पूरा मामले का इल्जाम स्पीकर पर डाल दिया। ट्रूडो ने कहा- इस शख्स को संसद में आने का न्योता देने और फिर उसके सम्मान के लिए सिर्फ स्पीकर जिम्मेदार थे और उन्होंने अपनी गलती मानी है। वो अपना पद भी छोड़ चुके हैं। ट्रूडो ने बताया कि कनाडा ने जेलेंस्की और यूक्रेन से भी माफी मांगने के लिए कॉन्टैक्ट किया है। उन्होंने कहा- मैं इस संसद में मौजूद सभी लोगों की तरफ से माफी मांगता हूं। उस दिन नाजी सैनिक का सम्मान करना एक बड़ी गलती थी, जो हम सबसे अनजाने में हुई। ये कनाडा और संसद के लिए शर्मिंदगी की बात है। ट्रूडो ने कहा- लाखों लोगों ने नाजी शासन की वजह से दर्द झेला है। ये उन सब लोगों की मेमोरी को चोट पहुंचाने जैसा था। कनाडा को इसका खेद है। नाजियों ने जनसंहार में यहूदियों सहित कई दूसरे लोगों को टारगेट किया था। ये बहुत भयानक था।

दूसरी तरफ, कनाडा में विपक्षी पार्टी के नेता पियरे पॉलीवर ट्रूडो की जमकर आलोचना कर रहे हैं। ट्रूडो के माफी मांगने से पहले पॉलीवर ने कहा था- ये कनाडा के इतिहास में डिप्लोमैटिक लेवल पर सबसे ज्यादा शर्मिंदगी की बात है। ट्रूडो हमेशा किसी और पर इल्जाम लगाते हैं, लेकिन सच ये है कि ताकत के साथ जिम्मेदारी साथ आती है। अगर ट्रूडो को पावर चाहिए तो उन्हें संसद में आकर मामले की जिम्मेदारी लेते हुए माफी मांगनी पड़ेगी।

इससे पहले रूस ने नाजी सैनिक के सम्मान होने पर नाराजगी जताई थी। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने कहा था- ये बेहद अपमानजनक था कि जिस यूक्रेनी ने दूसरे विश्व युद्ध के दौरान हिटलर की सेना के साथ मिलकर काम किया था, उसका सम्मान किया गया। इतनी बड़ी बात भूल जाना अपमान की बात है। पेस्कोव ने कहा था- कनाडा सहित कई पश्चिमी देशों में एक ऐसी जनरेशन आ रही है, जिसे ये पता ही नहीं है कि दूसरे विश्व युद्ध में कौन किसके खिलाफ लड़ रहा था और उसमें क्या हुआ था। ये पूरा मामला इस बात का सबूत है कि यूक्रेन में रूस का मिलिट्री ऑपरेशन देशों को नाजियों से छुटकारा दिलाने के मकसद से चल रहा है। करीब 3 दिन पहले कनाडा की संसद के स्पीकर ने नाजी सैनिक के सम्मान के लिए माफी मांगी थी। इसके बाद उन्होंने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। स्पीकर एंथनी रोटा ने कहा था- यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की की स्पीच के बाद मैंने सेकेंड वर्ल्ड वॉर के एक बुजुर्ग सैनिक को देखा। इसके बाद उन्हें वॉर हीरो की तरह इंट्रोड्यूस कर दिया। बाद में जब मुझे उनसे जुड़ी जानकारी मिली तो अब मुझे अपने निर्णय पर पछतावा हो रहा है। मैं कनाडा में रह रहे यहूदी समुदाय के लोगों से माफी मांगता हूं।

चीन से युद्ध का खतरा

ताइवान ने बनाई पहली स्वदेशी पनडुब्बी 'समुद्री राक्षस' कितना खतरनाक?

ताइपे, 28 सितंबर (एजेंसियां)। ताइवान ने अपनी पहली स्वदेशी पनडुब्बी को दुनिया के सामने पेश कर दिया है। गुरुवार को ताइवान की राष्ट्रपति त्साई इंग वेन ने इस पनडुब्बी की जमकर तारीफ की और कहा कि यह चीनी सेना के हमले के बढ़ते खतरे के बीच प्रतिरोधक क्षमता मुहैया कराएगी। ताइवान के काओहसिंग शहर में स्थित शिपयार्ड में आयोजित कार्यक्रम में इस डीजल-इलेक्ट्रिक सबमरीन का अनावरण किया गया। इसका नाम 'नारवॉल' या 'समुद्री राक्षस' दिया गया है। ताइवानी राष्ट्रपति ने कहा कि यह सबमरीन देश की रक्षा की दिशा में ठोस प्रतिबद्धता को दिखाती है।

ताइवान की राष्ट्रपति ने कहा कि यह हमारी नौसेना के लिए भविष्य की तैयारियों के लिहाज से एक प्रमुख हथियार है। उन्होंने कहा कि पिछले कई साल से लोग यह सोचते थे कि पनडुब्बी बनाना हमारे लिए असंभव है लेकिन हमने यह कर दिखाया है। त्साई इंग वेन के लिए यह बेहद खास मौका इसलिए भी था क्योंकि साल 2016 में जब वह सत्ता में आई थीं, तब उन्होंने सबमरीन को बनाने का आदेश दिया था। अब जब वह सत्ता से हटने वाली हैं, यह पनडुब्बी बनकर तैयार हो गई है। ताइवानी सेना के प्रमुखों ने भी उम्मीद जताई कि यह सबमरीन चीन को हमला करने से रोकने में बहुत कारगर साबित होगी। चीन का दावा है कि ताइवान उसका अभिन्न अंग है और अक्सर वह अपने फाइटर जेट और जंगी जहाज भेजकर धमकाता रहता है। ताइवान ने दुनिया को अपनी पनडुब्बी तो जरूर दिखाई लेकिन उसकी ताकत के बारे में सुरक्षा कारणों से खुलासा नहीं किया।

भारतीयों को दूतावास ने जारी किए 10 लाख से अधिक वीजा

2019 की तुलना में 20 प्रतिशत से अधिक आवेदन

नई दिल्ली, 28 सितंबर (एजेंसियां)। भारत में अमेरिकी मिशन ने 2023 में 10 लाख गैर-आप्रवासी वीजा आवेदनों को संसाधित करने के अपने लक्ष्य को पार कर लिया है। अमेरिकी दूतावास ने गुरुवार को घोषणा की कि मिशन ने 2022 में संसाधित मामलों की कुल संख्या को पहले ही पार कर लिया है और महामारी 2019 से पहले की तुलना में लगभग 20% अधिक आवेदनों पर कार्रवाई कर रहा है।

भारत से रिश्ते हुए और मजबूत

भारत में राजदूत एरिक गार्सेटी ने दूतावास के एक्स(पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट कर कहा, भारत के साथ हमारी साझेदारी अमेरिका के सबसे महत्वपूर्ण द्विपक्षीय संबंधों सहित दुनिया में सबसे महत्वपूर्ण रिश्तों में से एक है। हमारे लोगों के बीच संबंध पहले से कहीं अधिक मजबूत हैं, और हम आने वाले महीनों में अधिक से अधिक भारतीय आवेदकों को संयुक्त राज्य अमेरिका की यात्रा करने और अमेरिका-भारत मित्रता का प्रत्यक्ष अनुभव करने का अवसर देने के लिए वीजा कार्य की रिकॉर्ड-सेटिंग मात्रा जारी रखेंगे।

कितना है रोजगार वीजा आवेदकों का आंकड़ा

बता दें कि पिछले वर्ष, 1.2 मिलियन से अधिक भारतीयों ने अमेरिका का दौरा किया, जिससे यह दुनिया में सबसे मजबूत यात्रा संबंधों में से एक बन गया। अमेरिकी दूतावास के मुताबिक भारतीय अब दुनियाभर में सभी वीजा आवेदकों में से 10 प्रतिशत से अधिक का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिसमें सभी छात्र वीजा आवेदकों में से 20% और सभी एच एंड एल-श्रेणी (रोजगार) वीजा आवेदकों में से 65% शामिल हैं। अमेरिकी वीजा की निरंतर मांग को ध्यान में रखते हुए, दूतावास ने कहा कि अमेरिका भारत में अपने परिचालन में भारी निवेश कर रहा है। पिछले वर्ष में, मिशन ने पहले से कहीं अधिक वीजा प्रसंस्करण की सुविधा के लिए अपने स्टाफ का विस्तार किया है। मिशन ने मौजूदा सुविधाओं, जैसे चेन्नई में अमेरिकी वाणिज्य दूतावास, में महत्वपूर्ण पूंजीगत सुधार किए हैं और हैदराबाद में एक नए वाणिज्य दूतावास भवन का उद्घाटन किया है।

एरिक ने व्यक्तिगत रूप से इन्हें सौंपा 10 लाख वां वीजा

अमेरिकी राजदूत एरिक गार्सेटी ने व्यक्तिगत रूप से एक कपल को दस लाख वां वीजा सौंपा है, जो एमआईटी में अपने बेटे के स्नातक स्तर की पढ़ाई के लिए अमेरिका जा रहे हैं। लेडी हार्डिंग कॉलेज की वरिष्ठ सलाहकार डॉ. रंजू सिंह अमेरिकी दूतावास से इस वर्ष अपना दस लाख वां वीजा मिलने के बारे में एक ईमेल प्राप्त करके बहुत खुश थीं। उनके पति पुनीत दर्गन को अगला वीजा दिया गया। यह कपल मई, 2024 में अमेरिका की यात्रा करेगा।

चांद पर जाने की तैयारी में जुटा नासा का 'प्रज्ञान'

दक्षिणी ध्रुव पर होगी वाइपर की लैंडिंग

फ्लोरिडा, 28 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी इसरो ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर विक्रम लैंडर की सफल लैंडिंग करवाई। 23 अगस्त 2023 को जो इतिहास लिखा गया, उसने अमेरिकी एजेंसी नासा को भी प्रेरित किया। इसरो के प्रज्ञान रोवर की तरह नासा का वाइपर भी चांद पर जाने की तैयारी कर रहा है। नासा ने अपने इस रोवर के साथ ही मिशन के बारे में भी कई जानकारियां मुहैया कराई हैं। नासा का कहना है कि वाइपर रोवर का मोबिलिटी टेस्ट जारी है जो यह सुनिश्चित करने में मदद करेगा कि रोबोट दक्षिणी ध्रुव के लिए तैयार है।

मुश्किल टेस्ट से गुजरा वाइपर

नासा का वाइपर यानी वोलाटाइल्स इन्वेस्टिगेटिंग पोलर एक्सप्लोरेशन रोवर के प्रोटोटाइप ने हाल ही में बड़ा टेस्ट पास किया है। रोवर ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर अपने मिशन के दौरान सबसे कठिन इलाके से गुजरने की अपनी क्षमता को सफलतापूर्वक परखा है। नासा ने बताया है कि वाइपर को दक्षिणी ध्रुव जैसे वातावरण में ही टेस्ट किया जा रहा है। वाइपर ने सिंक टैंक में रेत जैसी मिट्टी पर यह झुकाव वाली जगह पर भी चढ़ गया। साथ ही इसने टेस्ट में पत्थरों और गड्ढों पर भी जीत हासिल की है। कठिन रास्तों पर रोवर की क्षमता को परखने के अलावा एक और लक्ष्य को पूरा किया गया है। नासा की टीम ने चंद्रमा के दूसरे हिस्सों पर भी रोवर के प्रदर्शन को परखा है। टीम को पूरी उम्मीद है कि रोवर का अधिकांश समय वहां की परिस्थितियों से भी सामना होगा।

28 लाख डॉलर की धोखाधड़ी में भारतीय नागरिक दोषी

स्वास्थ्य देखभाल में की धांधली

वॉशिंगटन, 28 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिका के मिशिगन में एक भारतीय नागरिक को 28 लाख डॉलर की धोखाधड़ी का दोषी ठहराया गया है। भारतीय नागरिक पर आरोप है कि उसने स्वास्थ्य देखभाल में धांधली की और धांधली से मिले पैसों को धन शोधन (मनी लॉन्ड्रिंग) के जरिए भारत स्थित अपने विभिन्न बैंक खातों में भेज दिया। कोर्ट दस्तावेजों के अनुसार, योगेश पंचोली (43 वर्षीय) अमेरिका के मिशिगन राज्य में श्रिंग होम केयर इंक नाम से एक स्वास्थ्य कंपनी का संचालन करता था, जिसका मालिकाना हक भी योगेश पंचोली के पास ही है। योगेश पर आरोप है कि बिलिंग मेडिकेयर से बाहर होने के बावजूद उसने फर्जी नामों,

हस्ताक्षरों और पहचान छिपाकर दो महीने तक अपने अन्य सहयोगियों के साथ मिलकर करीब 28 लाख डॉलर का मेडिकेयर से भुगतान प्राप्त किया, जबकि इन बिलों के एवज में सेवाएं कभी भी नहीं दी गईं। इसके बाद पंचोली ने इस फंड को मनी लॉन्ड्रिंग के जरिए अपने भारत स्थित विभिन्न बैंक खातों में ट्रांसफर कर दिया। योगेश पंचोली पर ये भी आरोप है कि उसने अपने खिलाफ मुकदमा शुरू होने से एक दिन पहले विभिन्न संघीय जांच एजेंसियों को फर्जी ईमेल भी भेजे, जिनमें लिखा गया कि सरकारी गवाह ने कई अपराध किए हैं तो उसे अमेरिका में रहने की इजाजत नहीं है। योगेश ने गवाही ना होने के लिए यह चाल चली। हालांकि जांच में वह पकड़ा गया। मिशिगन के पूर्वी जिले की फेडरल ज्यूरी ने योगेश पंचोली को धोखाधड़ी करने और साजिश रचने के आरोप में दोषी ठहराया है। अब 10 जनवरी को योगेश को सजा सुनाई जाएगी।

बता दें कि योगेश पंचोली को पहचान चोरी करने के आरोप में दो साल जेल, साजिश रचने और फर्जी ईमेल कर जांच को भटकाने के आरोप में कम से कम 20 साल और हेल्थकेयर फ्रॉड और मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में कम से कम 10 साल जेल की सजा हो सकती है।

फिलीपींस ने फ्लोटिंग बैरियर हटाए, चीन बोला- उकसाओ मत

साउथ चाइना सी के एक हिस्से पर दोनों देशों के बीच 11 साल से टकराव

बीजिंग/मनीला, 28 सितंबर (एजेंसियां)। साउथ चाइना सी में एक बार फिर चीन और फिलीपींस आमने-सामने आ गए हैं। इस बार मामला फ्लोटिंग बैरियर से जुड़ा है। दरअसल, 26 सितंबर को फिलिपींस कोस्ट गार्ड ने साउथ चाइना सी के स्कारबोरो शोल इलाके में चीन की तरफ से लगाए गए फ्लोटिंग बैरियर को हटा दिया। अब चीन ने फिलिपींस को जानबूझकर परेशानी पैदा न करने की चेतावनी दी है।

चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने कहा- हुआंगयान दाओ (स्कारबोरो शोल का चीनी नाम) पर अपनी संप्रभुता, समुद्री अधिकारों और हितों की रक्षा करने का चीन का संकल्प अटल है। हम फिलीपींस

से अपील करते हैं कि वो उकसावे की कार्रवाई न करें या परेशानी पैदा न करें। द्वीप और उसके आस-पास का इलाका चीन का है।

चीन की चेतावनी पर फिलीपींस राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार एडुआर्डो एनो का कहना है कि फ्लोटिंग बैरियर हटना फिलीपींस के अधिकार क्षेत्र में आता है। दरअसल, 1982 के समुद्री कानून पर यूनाइटेड नेशन्स कन्वेंशन के तहत, सभी देशों का अपने तट से लगभग 200 समुद्री मील (370 किलोमीटर) के भीतर प्राकृतिक संसाधनों पर अधिकार क्षेत्र है। स्कारबोरो शोल फिलीपींस के मुख्य द्वीप लूजोन से 240 किलोमीटर (150 मील) पश्चिम में स्थित है। जबकि इसकी दूरी चीन के मुख्य प्रांत हैनान से लगभग 900 किलोमीटर है। बीजिंग ने साउथ चाइना सी में फिलीपींस के मछली पकड़ने वाले जहाजों को रोकने के लिए स्कारबोरो शोल इलाके में फ्लोटिंग बैरियर लगाए थे। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, चीन ने फिलीपींस से करीब 200 किमी दूर स्थित स्कारबोरो शोल में लैगून के एंट्री गेट पर 300 मीटर लंबा बैरियर लगाया गया था।

संघ पदाधिकारियों से शाह की मीटिंग कैंसिल

गृह मंत्री और भाजपा अध्यक्ष नड्डा दिल्ली रवाना

परिवर्तन यात्राओं में कम भीड़ और गुटबाजी पर जताई नाराजगी

जयपुर, 28 सितंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सभा के बाद बीजेपी ने विधानसभा चुनावों की तैयारियां तेज कर दी हैं। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष ने जयपुर के एक होटल में प्रदेश के प्रमुख नेताओं के साथ बैठकें कीं।

बताया जा रहा है कि नड्डा व शाह ने परिवर्तन यात्राओं में कई जगह भीड़ नहीं जुटने, नेताओं की गुटबाजी के चलते कई जगह स्थानीय नेताओं के विरोज जैसी घटनाओं पर नाराजगी जताई। उन्होंने प्रदेश स्तर के नेताओं के बीच चल रही आपसी प्रतिस्पर्धा जैसे मुद्दों पर नड्डा और शाह ने नेताओं को नसीहत दी है।

इसी बीच अचानक आज दोनों नेताओं की संघ पदाधिकारियों के साथ होने वाली मीटिंग व दूसरे कार्यक्रम कैंसिल हो गए हैं। दोनों नेता अब से कुछ दूर में दिल्ली के लिए रवाना हो रहे हैं।

विधानसभा चुनाव लड़ने के

सवाल को टाल गए शेखावत

देर रात हुई मीटिंग में प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी, नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल, गजेन्द्र सिंह शेखावत, कैलाश चौधरी, प्रदेश चुनाव प्रभारी प्रहलाद जोशी, चुनाव प्रभारी अरुण सिंह, प्रदेश सह चुनाव प्रभारी विजया राहटकर, कुलदीप बिश्नोई, उप नेता प्रतिपक्ष सतीश पूनिया और सांसद राज्यवर्धन सिंह राठौड़ मौजूद रहे।

मीटिंग से निकले केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने सांसदों को चुनाव लड़ाने के सवाल पर कहा कि यह पार्टी नेतृत्व को तय करना है, बैठक में इस पर चर्चा नहीं हुई है। वहीं, बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा कि पार्टी के आगामी कार्यक्रमों पर चर्चा हुई है। सांसदों को चुनाव लड़ाने का फॉर्मूला राजस्थान में लागू होता है या नहीं, केंद्रीय चुनाव समिति तय करेगी।

उन्होंने कहा कि पार्टी के किसी भी वरिष्ठ नेता को इग्नोर नहीं किया जा रहा है, सभी मिलकर आगे बढ़ रहे हैं। बीजेपी के चुनाव प्रभारी प्रह्लाद जोशी ने कहा- हमने बहुत विषय पर चर्चा की है। प्रत्याशियों के चयन के आधार पर चर्चा की गई है। चुनाव की घोषणा होने तक के कार्यक्रम तय किए गए हैं। सांसदों को चुनाव लड़ाने पर आगे विचार किया जाएगा।

अचानक मीटिंग कैंसिल

गुरुवार को शेड्यूल अमित शाह और जेपी नड्डा की संघ पदाधिकारियों के साथ मीटिंग कैंसिल हो गई। दरअसल, चर्चा है कि संघ के वरिष्ठ प्रचारक प्रकाशचंद को आगामी चुनावों के लिए बड़ी जिम्मेदारी दी जा सकती है। इसी को लेकर दोनों नेताओं के स्थानीय संघ के पदाधिकारियों से बात करने की संभावना थी, लेकिन प्रोग्राम कैंसिल हो गया है। इसका कारण स्पष्ट नहीं किया गया है।

इससे पहले आज सुबह दोनों नेताओं से मिलने प्रदेश के कई नेता होटल पहुंचे। सुबह केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी, राष्ट्रीय मंत्री अलका सिंह गुर्जर और प्रदेश महामंत्री भजनलाल शर्मा ने होटल पहुंचकर नड्डा और शाह से मुलाकात की।

गहलोत बोले- उपराष्ट्रपति अप-डाउन कर रहे हैं

सुबह-शाम आ रहे हैं, दौरे कर रहे हैं, इसका तुक क्या है

जयपुर, 28 सितंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के लगातार राजस्थान दौरे को लेकर सवाल खड़े किए हैं। गहलोत ने कहा- पहले प्रधानमंत्री आए और अब उपराष्ट्रपति अप-डाउन कर रहे हैं। आज उपराष्ट्रपति पांच जगह जाएंगे। चार हेलिकॉप्टर से 5 जगह दौरा है।

गहलोत ने कहा- गवर्नर साहब हों या उपराष्ट्रपति हों, हम सम्मान करते हैं। उपराष्ट्रपति अगर राष्ट्रपति बनेंगे तो भी हम स्वागत करेंगे, लेकिन अभी मेहरबानी रखें। बार-बार सुबह-शाम आ रहे हैं। दौरे कर रहे हैं। इसका कोई तुक नहीं है। क्या तुक है। चुनाव चल रहे हैं राजस्थान में।

आप बार-बार आओगे तो लोग क्या समझेंगे। आप चाहते क्या हो? यह संवैधानिक संस्थाएं हैं। उनका मान-सम्मान रहना चाहिए। चाहे कोई सरकार हो। प्रधानमंत्री ने इस बार कहलवा दिया कि प्रोटोकॉल में कोई नहीं आएगा, न अफसर, न मंत्री। शेखावत साहब उपराष्ट्रपति बने

थे तो उन्होंने कहा था कि राजस्थान मेरा घर है। यहां कोई प्रोटोकॉल में नहीं आएगा।

सीएम गहलोत जयपुर के बिड़ला ऑडिटोरियम में मिशन 2030 के लिए जनसंवाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा- एक के बाद एक मंत्री आ रहे हैं। केंद्र के मंत्री राजस्थान आ रहे हैं। वैसे भी मंत्रियों के पास काम नहीं है। इन लोगों ने नया सिस्टम बना दिया। मंत्रियों की चल नहीं रही है और एक आरएसएस का व्यक्ति बैठा दिया। वही सब राज चलाता है। जनता इनको जवाब देगी।

सीएम गहलोत ने कहा- चुनाव आ रहे हैं। माहौल ऐसा बन गया है। जब मैं कहता हूं कि सरकार इस बार आ सकती है तो लोग कहते हैं कि सरकार आ सकती नहीं, सरकार आ रही है। इसका मतलब है कि मामला इस बार ठीक हो सकता है। अगर आप सब का आशीर्वाद मिला तो।

गहलोत ने कहा- सरकार बदलने का नुकसान होता है। वसुंधरा की सरकार ने ईआरसीपी दी। हमने उसको बंद नहीं किया। प्रधानमंत्री अगली बार राजस्थान आए तो यह गारंटी दें कि अगर आपकी सरकार आएगी तो हमारी कोई भी योजना बंद नहीं होगी। अभी गारंटी दीजिए कि OPS रहेगा। हमने 25 लाख का बीमा किया वह रहेगा।

वसुंधरा सरकार ने सरकार बदलते ही मेट्रो के आगे का काम बंद कर दिया। अंबाबाड़ी से 22 गोदाम तक की मेट्रो का काम इन्होंने बंद कर दिया। अभी मैंने उस प्रोजेक्ट को आगे बढ़ाया है। रिफाइनरी के प्रोजेक्ट को भाजपा के समय में बंद कर दिया गया। हमारे समय में हम पशुपालकों को 2 दूध पर सब्सिडी देते थे। बीजेपी ने उसे बंद कर दिया। अब हमने आकर के उसको चालू किया तो उसका नतीजा यह रहा कि राजस्थान दूध उत्पादन में नंबर वन हो गया।

गहलोत ने कहा कि पीएम आएंगे, लच्छेदार बातें करेंगे। प्रधानमंत्री देश में मार्केटिंग के गुरु हैं। उनकी भाषा, उनकी शैली और बोलने का तरीका वैसा ही है। हम मार्केटिंग गुरु कहते हैं एक्सपर्ट को, वो चाहे गुरु हों, न हों, लेकिन मोदी जी मार्केटिंग गुरु हैं। गहलोत ने कहा- ईआरसीपी पर प्रधानमंत्री अजमेर और जयपुर में वादा करके गए थे। इसके बावजूद अब तक उसे राष्ट्रीय परियोजना घोषित नहीं किया। पूरे देश में 16 परियोजना चल रही हैं। एक राजस्थान की हो जाएगी तो कौन सी बड़ी बात हो जाती। वह राष्ट्रीय परियोजना घोषित नहीं करेंगे और मेरी जिद है कि हम ईआरसीपी बना के रहेंगे। हमने इस बार इसका बजट 14 हजार करोड़ रुपए रखा है। वहां पर टेंडर हो गए हैं। काम चालू हो गया है। गहलोत चौमूं बाइपास स्टेडियम में प्रगतिशील किसानों से भी बातचीत करेंगे।

राजस्थान साहित्य अकादमी ने घोषित किए वार्षिक पुरस्कार

सांभरिया के उपन्यास 'सांप' को मीरा पुरस्कार, व्यास को साहित्य-मनीषी तो रणजीत को जनार्दन राय नागर सम्मान

उदयपुर, 28 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान साहित्य अकादमी की ओर से दिए जाने वाले वार्षिक पुरस्कारों की घोषणा कर दी गई है। इसके तहत वर्ष 2023-24 का सर्वाच्च मीरां पुरस्कार जयपुर निवासी रत्नकुमार सांभरिया को उनके उपन्यास 'सांप' के लिए दिया जाएगा। वहीं अकादमी के सम्मान परंपरा में सर्वाच्च सम्मान 'साहित्य-मनीषी' से प्रगतिशील लेखक, चिंतक और विचारक, अकादमी के पूर्व अध्यक्ष वेद व्यास को सम्मानित किया जाएगा। अकादमी के जनार्दनराय नागर सम्मान से प्रख्यात आलोचक, विद्वान डॉ. रणजीत को समादृत किया जाएगा।

अकादमी सचिव डॉ. बसंत सिंह सोलंकी ने बताया कि अकादमी के मीरां भवन में मंगलवार को आयोजित

संचालिका एवं सरस्वती सभा की बैठक के अनुमोदन के बाद अकादमी अध्यक्ष डॉ. दुलाराम सहारण ने उक्त पुरस्कारों की घोषणा की।

सचिव डॉ. सोलंकी ने बताया कि अकादमी के वर्ष 2023-24 के पुरस्कारों की श्रृंखला में सुधींद्र पुरस्कार उदयपुर के चेतन औदिच्य को कविता संग्रह 'पानी' के लिए, रांगेय राघव पुरस्कार जालोर के पुरुषोत्तम पोमल के उपन्यास 'पाषाण पुत्री क्षत्राणी हीरा-दे' के लिए देवराज उपाध्याय पुरस्कार बीकानेर के आलोचक हरीश बी. शर्मा की कृति 'प्रस्थान बिंदु' के लिए, कन्हैयालाल सहल पुरस्कार जयपुर के राघवेंद्र रावत को डायरी 'मारक लहरों के बीच' के लिए दिया जाएगा। वहीं नाटक विधा का देवीलाल सामर पुरस्कार अजमेर के रासबिहारी गौड़ को कृति 'गांधी जिंदा है' के लिए, बाल साहित्य का शंभूदयाल सक्सेना पुरस्कार कोटा मूल की चैन्नई निवासी रोचिका अरुण शर्मा की कथाकृति 'किताबों से बातें' के लिए तथा प्रथम कृति सुमनेश जोशी पुरस्कार उदयपुर के बिलाल पठान को 'अब पेड़ फल बेचेंगे' को दिया जाएगा।

विद्यालयी-महाविद्यालयी पुरस्कार की भी घोषणा की गई। विजेताओं विद्यार्थियों में चंद्रदेव शर्मा पुरस्कार के तहत कविता के लिए दामोदर शर्मा, इक्कीस कॉलेज गोपल्याण-लूनकरनसर, कहानी के लिए सुरेंद्र सिंह, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, एकांकी के लिए अमनदीप निर्वाण, एसएसएस कॉलेज, तारानगर, निबंध के लिए पवन कुमार गुसांई, इक्कीस कॉलेज, गोपल्याण को दिया जाएगा।

वहीं परदेशी पुरस्कार के तहत कविता के लिए शुंभागी शर्मा, राउमावि भवानीमंडी-झालावाड़, कहानी के लिए परी जोशी, द स्कोलर्स एरिना, उदयपुर, निबंध के लिए करुणा रंगा, इक्कीस एकेडमी फॉर एक्सीलेंस, गोपल्याण, लघुकथा के लिए द्रोपती जाखड़, इक्कसी एकेडमी फॉर एक्सीलेंस, गोपल्याण को दिया जाएगा। वर्ष 2023-24 का सुधा गुप्ता पुरस्कार निबंध के लिए इक्कीस कॉलेज गोपल्याण की कौशल्या को दिया जाएगा।

इतनी होती है पुरस्कार-सम्मान राशि

उल्लेखनीय है कि मीरां पुरस्कार के लिए पचहतर हजार रुपए, सुमनेश जोशी पुरस्कार के लिए इक्कीस हजार रुपए एवं अन्य पुरस्कारों के तहत इक्कतीस हजार रुपए अकादमी देती है। वहीं सर्वाच्च साहित्य मनीषी अढाई लाख रुपये की एवं जनार्दन राय नागर सम्मान एक लाख रुपये राशि का होता है। विद्यालयी-महाविद्यालयी पुरस्कारों की राशि प्रत्यके के लिए पांच हजार रुपये होती है।

रेप केस में रोहित जोशी को सुप्रीम कोर्ट से नोटिस

जमानत कैंसिल कराने के लिए पीड़िता ने लगाई याचिका, कहा- दो बार हो चुके जानलेवा हमले

जयपुर, 28 सितंबर (एजेंसियां)। मंत्री महेश जोशी के बेटे रोहित जोशी की मुश्किलें बढ़ सकती है। रोहित जोशी पर दुष्कर्म का आरोप लगाने वाली पीड़िता की एसएलपी पर सुप्रीम कोर्ट ने रोहित जोशी और दिल्ली सरकार को नोटिस जारी किए हैं।

पीड़िता ने सुप्रीम कोर्ट में एसएलपी दायर करके रोहित जोशी को मिली अग्रिम जमानत याचिका को कैंसिल करने की मांग की है। एसएलपी में कहा गया है कि रोहित जोशी को जमानत मिलने के बाद पीड़िता पर दो बार जानलेवा हमले हो चुके हैं। वहीं उस पर केस वापस लेने का दबाव भी बनाया जा रहा है।

दिल्ली हाईकोर्ट ने सुनवाई से किया इनकार

पीड़िता ने सुप्रीम कोर्ट में एसएलपी दायर करके कहा कि हमने तीस हजारी कोर्ट के उस आदेश को दिल्ली हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। जिसमें तीस हजारी कोर्ट ने जून 2022 में रोहित जोशी को अग्रिम जमानत का लाभ दिया था। जुलाई 2022 में दायर हमारी याचिका आज तक लंबित है। हाईकोर्ट की दो बेंच हमारी याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर चुकी है।

पिछली सुनवाई में हाईकोर्ट ने हमारी याचिका को रोहित जोशी की एफआईआर रद्द करने की मांग वाली याचिका के साथ टैग करके सुनवाई के लिए 30 जनवरी 2024 की तारीख दे दी। वहीं जब से रोहित जोशी को अग्रिम जमानत मिली है। पीड़िता पर लगातार केस वापस लेने का दबाव बनाया जा रहा है। पीड़िता पर हमले भी हो चुके हैं।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने का आरोप

पीड़िता ने मई 2022 में मंत्री महेश जोशी के बेटे रोहित जोशी पर शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने का मामला दिल्ली के सदर बाजार थाने में दर्ज कराया था। पीड़िता ने अपनी एफआईआर में कहा था कि रोहित ने पहले उससे फेसबुक पर दोस्ती की। फिर उसकी मांग भरकर कहा कि तुम मेरी पत्नी बन गई हो। फिर उसे हनीमून के लिए सवाई माधोपुर लेकर गया, यहां नशीला पदार्थ पिलाकर कई बार रेप किया। गर्भवती होने पर जबरन अबॉर्शन भी करवाया।

'गहलोत के वश में हो तो केंद्रीय मंत्रियों के आने पर बैन लगा दें, बाड़ेबंदी उनकी आदत है'

जयपुर, 28 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने सीएम अशोक गहलोत पर जुबानी हमला बोला है। शेखावत ने कहा, सीएम गहलोत के वश में हो तो केंद्रीय मंत्रियों के राजस्थान आने पर बैन लगा दें।

केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने मुख्यमंत्री पर निशाना साधते हुए कहा, अशोक गहलोत जी के वश में हो तो केंद्रीय मंत्रियों के राजस्थान आने पर बैन लगा दें, बाड़ेबंदी की तो उन्हें आदत है।

बता दें कि उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के राजस्थान दौरे को लेकर सीएम गहलोत ने सवाल उठाया था। इसी का

जवाब देते हुए शेखावत ने कहा कि अशोक गहलोत जी हार से डरे हुए हैं। उन्हें उप राष्ट्रपति का राज्य में आगमन भी खटक रहा है। केंद्र से तो वैसे ही उन्होंने तकरीबन सारे संबंध काट लिए हैं। उनके वश में हो तो केंद्रीय मंत्रियों के आने पर बैन लगा दें। बाड़ेबंदी की तो उन्हें आदत है।

एक मुख्यमंत्री की गरिमा के अनुरूप गहलोत जी बहुत हल्की बातें करते हैं। अब क्या कांग्रेस राजस्थान आने के लिए वीजा देगी?

वहीं, कर्मचारियों के भुगतान रुकने की खबरों पर शेखावत ने तंज कसा कि कौन कहता है कि जनता को राहत न दो? लेकिन साढ़े चार साल सोने के बाद चुनावी लाभ के लिए सफेद हाथी जैसी इतनी घोषणाएं कर दो कि कर्मचारियों को भुगतान का संकट हो जाए। क्या ये अन्याय नहीं है? उन्होंने कहा कि दीपावली का त्योहार सामने हैं और राज्य सरकार आमजन का दीवाला निकालने में जुटी प्रतीत हो रही है।

सीकर सांसद को ब्लैकमेलिंग कर मांगे लाखों

अनजान महिला फोन कर दे रही है धमकी, अभद्र व्यवहार किया, बोली- लोन के पैसे चुका दो वरना ठीक नहीं होगा

सीकर, 28 सितंबर (एजेंसियां)। सीकर सांसद सुमेधानंद सरस्वती को अनजान महिला ने फोन पर धमकी दी और गाली- गलौज किया। महिला सांसद को बार-बार फोन कर उनसे पैसे मांग रही है और परेशान कर रही है। सांसद के पीए ने महिला के खिलाफ दादिया पुलिस थाने में मामला दर्ज कराया है।

पुलिस को दी रिपोर्ट में महेंद्र कुमार (28), निवासी वैदिक आश्रम पिपराली, सीकर ने बताया कि वह सीकर सांसद सुमेधानंद सरस्वती के पास सहायक के रूप में कार्य कर रहा है। 26 सितंबर को सांसद के मोबाइल फोन पर किसी अनजान महिला का फोन आया. महेंद्र कुमार ने कॉल रिसीव किया तो सामने से एक महिला बात कर रही थी। महिला ने कहा कि वह लक्ष्मी फाइनेंस कंपनी गुड़गांव से बात कर रही है। महिला का फोन रिसीव करते ही महिला महेंद्र कुमार को गालियां निकालने लग गई और अभद्रता से व्यवहार करते हुए कहा कि आप मंजू देवी के गारंटर हो आप जल्द से जल्द पैसे चुकाओ 1 महेंद्र कुमार ने महिला को बताया कि यह सीकर सांसद सुमेधानंद सरस्वती फोन नंबर है। यह बताने के बाद भी महिला लगातार गालियां निकलती रही और धमकियां देती रही।

उपराष्ट्रपति द्वारा गुड़ामालानी में भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान

हैदराबाद के क्षेत्रीय बाजरा अनुसंधान केंद्र का शिलान्यास

बाड़मेर, 28 सितंबर (एजेंसियां)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने 27 सितंबर को गुडामालानी में भाकृअनुप – भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद के क्षेत्रीय बाजरा अनुसंधान केंद्र का शिलान्यास किया।

डॉ. हिमांशु पाठक, सचिव, डेयर तथा महानिदेशक, ने उपराष्ट्रपति एवं गणमान्य जनों का स्वागत करते हुए देश के विकास में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के योगदान के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी।कैलाश चौधरी, कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री ने उपराष्ट्रपति के प्रति आभार प्रकट किया।

उन्होंने कहा कि इस केंद्र का निर्माण बहु-प्रतिक्षित था, क्योंकि उत्तर भारत, विशेषकर राजस्थान एवं गुजरात में बाजरे के अंतर्गत अत्यधिक क्षेत्र होने के बावजूद, यहां किसानों की सहायता हेतु भारत सरकार की ओर से किसी भी तरह का सहायता केंद्र उपलब्ध नहीं था।

आज नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री के नेतृत्व में गुड़ामालानी, में भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद के अंतर्गत क्षेत्रीय बाजरा अनुसंधान केंद्र के रूप में यह सपना साकार हो रहा है। इस केंद्र से किसान अवश्य ही लाभान्वित होंगे।

नरेन्द्र सिंह तोमर कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि बाजरा एक महत्वपूर्ण खाद्य फसल है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा उनके गुण को देखते हुए उन्हें "श्री अन्न" नाम दिया गया।

आज पूरा विश्व श्री अन्न अर्थात मिलेट्स की ओर आकृष्ट हो रहा है और बड़े ही उत्साह व उमंग के साथ अंतर्राष्ट्रीय श्री अन्न वर्ष 2023 मनाते हुए उनके गुणों के प्रति लोगों को जागरूकत कर रहा है। राजस्थान में इस केंद्र की स्थापना बाजरा किसानों के लिए मील का पत्थर सिद्ध होगी और अन्य किसानों को भी श्री अन्न की खेती की ओर आकर्षित करेगी।

अबसर पर जगदीप धनखड़ ने कहा कि आज देश के प्रमुख शुष्क क्षेत्र में कृषक समुदाय के लिए दूरगामी परिणामों के साथ बाजरा तथा अन्य श्री अन्न हेतु समर्पित अनुसंधान केंद्र का शिलान्यास कार्यक्रम लघु किसानों के लाभार्थ महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगा। एक सामान्य किसान की ओर ज्यादा-से-ज्यादा ध्यान दिया जा रहा है।

यह मेरा सौभाग्य है कि क्षेत्रीय बाजरा अनुसंधान केंद्र के शिलान्यास का पुनीत कार्य का मेरे द्वारा संपन्न हो रहा है।

श्री धनखड़ ने क्षेत्रीय बाजरा अनुसंधान केंद्र की उपयोगिता के बारे में कहा कि इसके अंतर्गत भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद राजस्थान में व्यापक रूप से उगाए जाने वाले बाजरा तथा ज्वार सहित श्री अन्न फसलों में अग्रणी अनुसंधान अभिकरण है, तथा इसके नेतृत्व में नया केंद्र पोषक तत्वों की खेती को अधिक ऊंचाइयों पर ले जाएगा, तथा किसान अपनी खेती से अधिक उपज व लाभ प्राप्त कर सकेंगे। इस तरह किसान बाजरे की खेती से अधिक लाभ प्राप्त कर सकेंगे।

अंत में डॉ. (श्रीमती) सी तारा सत्यवती, निदेशक, भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान के द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव के पश्चात समारोह का समापन हुआ।

नाचते-गाते सीएम की सभा में निकली महिलाएं

काठूवास में कैबिनेट मंत्री टीकाराम जूली के माता-पिता की प्रतिमा का अनावरण

अलवर, 28 सितंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की जनसभा में शामिल होने के लिए गुरुवार सुबह अलवर शहर से महिलाएं नाचते-गाते हुए काठूवास के लिए निकलीं। सबसे पहले कैबिनेट मंत्री टीकाराम जूली के कार्यालय में पर कांग्रेसी महिलाएं एकत्रित हुई। यहां जिलाध्यक्ष कमलेश सैनी के नेतृत्व में महिलाएं गीत गाने लगी। फिर नाचते हुए काठूवास के लिए रवाना हुई। असल में काठूवास में कैबिनेट मंत्री टीकाराम जूली के माता-पिता की प्रतिमा का अनावरण कार्यक्रम हैं। वहां जनसभा भी होगी। जिसमें मुख्यमंत्री अशोक गहलोत आमजन को संबोधित करेंगे।

महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष कमलेश सैनी ने कहा कि कैबिनेट मंत्री के निवास स्थान काठूवास में उनके माता-पिता की प्रतिमा का अनावरण होगा। जहां मुख्यमंत्री अशोक गहलोत आएंगे। सीएम के उत्साहवर्धन के लिए यहां से बड़ी संख्या में महिलाएं रवाना हुई है। अलवर शहर से एक ग्रुप में 500 महिलाएं बसों से निकलगी। बस में भी गीत गाते हुए निकली।

ईद मिलादुन्नबी पर निकाला विशाल जुलूस

मुस्लिम समुदाय के हजारों लोगों की भीड़ जुटी, सीकर में लोगों ने बरसाए फूल

सीकर, 28 सितंबर (एजेंसियां)। पैगंबर इस्लाम हज़रत मोहम्मद के जन्मदिन पर सीकर में मुस्लिम समुदाय की ओर से ईद मिलादुन्नबी के मौके पर शहर में विशाल जुलूस निकाला गया । जुलूस में हजारों की संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोग शामिल थे।

जुलूस सुबह 9:30 बजे मोहल्ला नारवान से रवाना होकर खलील शाह की दरगाह, मदरसा मदीना प्राइमरी स्कूल, ईदगाह चौराहा, सालासर बस स्टैंड होते हुए वापस मदीना प्राइमरी स्कूल पहुंचा जहां जुलूस का समापन हुआ । सुरक्षा के मध्य नजर जुलूस में पुलिस जाब्ता भी तैनात किया गया।

जुलूस में अल्लाह हू अकबर व सरकार की आमद मरहबा के नारों की गूंज उठी 1 वहीं शहर के मुख्य पॉइंट्स पर मुस्लिम समुदाय के लोगों ने जुलूस का फूलों से भव्य स्वागत किया 1 जुलूस को लेकर शहर की मस्जिदों में भी भविष्य सजावट की गई ।

गणेश विसर्जन ड्यूटी में व्यस्त होने के बावजूद पाकिस्तान टीम को हैदराबाद पुलिस ने दी सुरक्षा

हैदराबाद, 28 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। किसी भी दौरे पर आने वाली अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट टीम को सुरक्षा प्रदान करना एक बड़ा काम है और इसे सुचारू रूप से करना पूरे भारत में सुरक्षा अधिकारियों के लिए गर्व की बात है। कोई केवल कल्पना ही कर सकता है कि आने वाली पाकिस्तानी क्रिकेट टीम को उचित सुरक्षा प्रदान करना कितना बड़ा काम है, जो इस समय आगामी विश्व कप के लिए भारत में है।

गुरुवार को हैदराबाद पहुंची टीम को हैदराबाद पुलिस द्वारा कड़ी सुरक्षा दी जा रही है, यहां तक कि अधिकारियों को विश्व कप के अभ्यास खेलों के साथ मेल खाने वाले गणेश मूर्ति विसर्जन के उत्सव के कारण खुद को कड़ी मेहनत करनी पड़ रही है। शहर में सुरक्षा अधिकारी सात साल बाद भारत दौरे पर आ रही पाकिस्तान क्रिकेट टीम के सुचारू प्रवास को सुनिश्चित करने के लिए ओवरटाइम काम कर रहे हैं। हालाँकि, इसी कारण से, शुक्रवार को पाकिस्तान का शुरुआती अभ्यास मैच दर्शकों के बिना खेला जाएगा क्योंकि पुलिस पर्याप्त सुरक्षा प्रदान नहीं कर सकती है। यह दस्ता गुरुवार को छह पुलिस वैनों के साथ स्टेडियम पहुंचा। पाकिस्तान और न्यूजीलैंड की टीम बसें एक साथ स्टेडियम से बाहर निकलीं। शुक्रवार को अभ्यास खेल के लिए स्टेडियम में लगभग 200 पुलिस कर्मियों की आवश्यकता होगी, जब दर्शक 3 अक्टूबर को अगले अभ्यास खेल के लिए लौटेंगे तो यह संख्या 800 तक बढ़ जाएगी। पीसीबी के एक सूत्र ने कहा कि टीम सुरक्षा से पूरी तरह संतुष्ट है चाहे वह स्टेडियम में हो या होटल में। बीसीसीआई के अंतिम मिनट के कार्यक्रम में बदलाव के हिस्से के रूप में, हैदराबाद को 9 और 10 अक्टूबर को बैक-टू-बैक खेलों की मेजबानी करने के लिए मजबूर किया गया है, जिससे पुलिस के संसाधनों पर अधिक दबाव पड़ेगा। बाबर आजम की अगुवाई वाली टीम का बुधवार को हैदराबाद हवाई अड्डे पर जोरदार स्वागत किया गया, इससे पहले कि उसे कड़ी सुरक्षा के बीच शहर के मध्य में टीम होटल ले जाया गया। टीम करीब दो सप्ताह तक यहां रहेगी।

लोकेश ने युवागलम पद यात्रा स्थगित कर दी

अमरावती, 28 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलुगु देशम पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव नारा लोकेश की युवागलम पद यात्रा शुक्रवार को फिर से शुरू होने वाली थी, जिसे अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दिया गया है। टीडीपी नेता, जो पार्टी अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू के बेटे हैं, ने अपने पिता की गिरफ्तारी के परिणामस्वरूप 9 सितंबर को पूर्वी गोदावरी जिले के राजोल में अपनी पद यात्रा रोक दी थी। टीडीपी ने कौशल विकास मामले की 3 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होने के मद्देनजर यह फैसला लिया।

राणा प्रताप युवसेना द्वारा गणेश विसर्जन जुलूस निकाला गया

हैदराबाद, 28 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। न्यू बोइनापल्ली में राणा प्रताप युवासेना के नेतृत्व में गणपति भक्तों के उत्साह के बीच नवरात्रि पर गणपति की पूजा की गई। बोर्ड के पूर्व उपाध्यक्ष जंपन्ना प्रताप की देखरेख में न्यू बोइनापल्ली चौराहा पर केरल के कलाकारों द्वारा पारंपरिक नृत्य, कोलाट के साथ बैंड मेले के तहत आज जुलूस निकाले गये। भगवान गणपति की मूर्ति को शामीरपेट तक जुलूस के रूप में ले जाया गया तथा इसे शामीरपेट तालाब में विसर्जित कर दिया गया, जबकि स्थानीय लोग बापूजीनगर की बस्ती में गर्मजोशी से स्वागत कर रहे थे। वहीं इस विसर्जन कार्यक्रम का संचालन उद्योगपति समला राघवरेड्डी ने किया। इसमें एमएलआर शैक्षणिक संस्थानों के अध्यक्ष मर्री लक्ष्मण रेड्डी, नेशनल मास्टर्स एसोसिएशन के संयुक्त सचिव प्रभु कुमार गौड़, बोइनपल्ली ट्रैफिक इंस्पेक्टर नागय्या, बोइनपल्ली इंस्पेक्टर लक्ष्मी नारायण रेड्डी, नंद किशोर ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। कार्यक्रम में रामूगौड़ अनिल गौड़ जम्पना रवि, दयानंद गोवर्धन रेड्डी नागराजू रवि गौड़ प्रवीण कुमार जम्पना राजेश वेणु ललित कुमार सहित बोयनपल्ली क्षेत्र की युवतियां, जम्पना प्रताप के प्रशंसक और विभिन्न संगठनों के नेताओं ने भाग लिया।

शहीद भगत सिंह की 116वीं जयंती मनाई गई

हैदराबाद, 28 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। छावनी परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष जेपी ने कहा कि शहीद भगत सिंह एक महान स्वतंत्रता सेनानी थे, जिन्होंने कम उम्र में देश के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी। सेंटर प्वाइंट फ्रेंड्स ऑर्गेनाइजेशन के तत्वाधान में न्यू बोइनपल्ली सेंटर प्वाइंट में शहीद भगत सिंह की 116वीं जयंती कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में जेपी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए और भगत सिंह के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर उन्होंने कहा कि आजादी की लड़ाई में भगत सिंह का क्रांतिकारी संघर्ष प्रेरणादायक था। उन्होंने कहा कि आज के युवाओं को भगत सिंह की आकांक्षाओं का अनुसरण करते हुए देशभक्ति का भाव विकसित करना चाहिए। कार्यक्रम में एम. भास्कर रेड्डी, चिन्नी कृष्ण, जगदीश, ब्रह्मा, रामू, मल्लेश, रमेश, प्रदीप व अन्य लोगों ने भाग लिया।

अग्रणी महिला मंच द्वारा भगत सिंह जी की जयंती मनाई। उपस्थित हैं मंच की अध्यक्ष सुमन भुवानिया, बबिता गर्ग, रितु गर्ग, रितु गोयल, स्मिता शाह, श्रद्धा सुखिया, संगीता जाजोदिया, प्रीति गोयल, पल्लवी, अंजुम, राखी, लीला एवं पवन भुवानिया।

बिहार समाज सेवा संघ द्वारा पुराने कार्यालय में श्री गणपति विसर्जन में भाग लेते हुए बिहार समाज सेवा संघ तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष दीपक कुमार सिंह, संजय सिंह, मनोज सिंह, विक्की सिंह, के. यादव, मंटू यादव, चंदेश्वर यादव, छोटू सिंह, एवं अन्य लोग उपस्थित हुऐ। श्री गणपति पूजन का बड़ा लड्डू 5,051 रुपये में छोटू सिंह ने लिया और छोटा लड्डू 2,001 रुपये में छोटू यादव ने लिया।

राजस्थानी राजपूत युवा संघ द्वारा गणेश विसर्जन के तहत शंकरबाग, उस्मानगंज में स्थापित प्रसाद वितरण केंद्र में उपस्थित पूर्व विधायक प्रेमसिंह राठौड़ का सम्मान करते हुए संघ के सदस्य।

बजरंग सेना तेलंगाना के अध्यक्ष एनआर लक्ष्मण राव के नेतृत्व में गोशामहल चंदनवाड़ी में भगवान गणेश की शोभा यात्रा निकाली गई और शाहइनायतगंज पीएस के एसआई लक्ष्मय्या का अभिनंदन किया। इस अवसर पर सूर्य शुक्ला, अजय नायडू, विवेक यादव, विशाल यादव, जगदीश गौड़, विजय कुमार और अन्य उपस्थित थे।

बालाजी नगर रहीमपुरा में भगत सिंह जयंती कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें मंगलहाट मंडल की पूर्व पार्षद परमेश्वरी सिंह का स्वागत किया गया। बीआरएस पार्टी के वरिष्ठ नेता गोशामहल विधानसभा बीसी सेल के उपाध्यक्ष एच. कुमार, मंडल अध्यक्ष शिशिराज सिंह, वरिष्ठ नेता भास्कर, मनोहर गायकवाड़, नरेश सिंह, राजू सोनी, जनार्दन राजकुमार, शंकर सिंह आदि उपस्थित रहे।

महाकाली टेम्पल सुभाष बाजार स्थित प्रवासी बन्धुओं द्वारा स्थापित गणेश प्रतिमा की पुजा-अर्चना कार्यक्रम मे उपस्थित मा.यु.मंच पूर्व अध्यक्ष पप्पुकुमार घोड़ेला, परबत सोलंकी, नन्दकिशोर, चन्दुभाई, राजेश, सुभाष सिखवाल, किरनकंवार शालुसिंह व अन्य।

टीएसपीएससी का दावा : ग्रुप-1 प्रारंभिक परीक्षा में कोई अनियमितता नहीं हुई

हैदराबाद, 28 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य लोक सेवा आयोग (टीएसपीएससी) ने आज स्पष्ट किया कि इस साल 11 जून को आयोजित ग्रुप-1 प्रारंभिक परीक्षा के आयोजन में कोई अनियमितता नहीं हुई। आयोग ने एक बयान जारी कर आरोपों को स्पष्ट किया कि 258 अतिरिक्त कागजात प्राप्त हुए थे। हमने परीक्षा के दिन कलेक्टरों द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर घोषणा की है। परीक्षा के लिए कुल 2,33,248 उम्मीदवार उपस्थित हुए। हमने पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए मीडिया को इसके बारे में बताया। टीएसपीएससी ने कहा कि ओएमआर स्कैन के अनुसार, कुल 2,33,508 उम्मीदवार परीक्षा में शामिल हुए थे। ग्रुप-I प्रीलिम्स 33 जिलों के 994 केंद्रों पर आयोजित की गई थी। परीक्षा लाखों उम्मीदवारों द्वारा लिखी गई थी। जब लाखों लोगों ने लिखा है, तो संख्याओं में थोड़ा बदलाव होना स्वाभाविक है और स्कैनिंग के बाद अंतिम संख्या की घोषणा की गई। परीक्षा के बाद कुछ पेपर जोड़े जाने की कोई संभावना नहीं है। ग्रुप-I प्रीलिम्स के संचालन में कोई अनियमितता नहीं है। बुधवार को, तेलंगाना उच्च न्यायालय की एक खंडपीठ ने फैसला सुनाया कि ग्रुप- I प्रारंभिक परीक्षा को रद्द करने का एकल न्यायाधीश का फैसला उचित था। इसमें कहा गया है कि जब प्रश्न पत्र लीक होने के कारण परीक्षा रद्द कर दी गई और दोबारा आयोजित की गई, तो अधिक सावधानी बरती जानी चाहिए थी और कहा गया कि ऐसा प्रतीत नहीं हुआ कि ऐसा किया गया था।

पित्ती ट्रस्ट-अग्रवाल सेवा दल का 116वां निःशुल्क मेगा चिकित्सा शिविर 1 को

हैदराबाद, 28 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बद्रीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल द्वारा गांधी ज्ञान मंदिर एवं श्री भगवान महावीर विकलांग सहायता केन्द्र के सहयोग से 116वां निःशुल्क मेगा मेडिकल कैंप कोठी स्थित गांधी ज्ञान मंदिर योग केंद्र में रविवार 1 अक्तूबर को सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक आयोजित किया जायेगा। आज यहां सेवा दल के प्रचार संयोजक अजीत गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, मेगा मेडिकल शिविर में बेगमपेट स्थित मेडिकवर अस्पताल द्वारा सामान्य परीक्षण (डॉ.राजेश बुक्काला) द्वारा अस्थि रोग की जांच (डॉ. वेमुरी वेंकटरमना) द्वारा की जाएगी। अवसर पर ईसीजी-2डी इको-बीएमडी, आरबीएस-रक्तचाप एवं हृदयरोग की जांच (डॉ.दीपक शाह) की जाएगी।

अवसर परएलएसईएस डड्डू नेत्र संस्थान वेस्ट मारेडपल्ली नेत्रों की जांच की जाएगी जिसमें योग्य को निशुल्क चश्मों का वितरण एवं मोतियाबिंद के लिए योग्य रोगियों के निशुल्क ऑपरेशन की व्यवस्था की गई। साथ ही ईएनटी की सेवा डॉ.पवन एवं फिजियोथेरेपी की सेवा बजाज फिजियो केयर की डॉ.मीता बजाज द्वारा दी जायेगी। श्री भगवान महावीर विकलांग सहायता शिविर में जांच के पश्चात विकलांगों को निशुल्क कृत्रिम अंग, हैंड किट्स, कैलिपर्स, हैंड आदि सहायक उपकरण का वितरण किया जायेगा। शिविर में नाम पंजीकरण सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक शिविर स्थल पर किया जायेगा। सभी से इस शिविर का लाभ लेने का आग्रह किया गया है। शिविर में जरूरतमंद रोगियों के लिए निःशुल्क डायलिसिस की सेवा भी उपलब्ध करवायी जायेगी। अवसर पर कैम्प के संयोजक एवं अग्रवाल सेवा दल के प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, रविन्द्र कपाड़िया, श्यामसुन्दर अग्रवाल, गोविन्द राठी, अजय कुमार तुलस्यान से संपर्क किया जा सकता है।

मिलाद-उन-नवी पर गृहमंत्री मो. महमूद अली से मुलाकात कर बधाई देते हुए एएमसी के सरकारी सलाहकार सदस्य ए. गौतम जैन।

भाग्यनगर गणेश उत्सव समिति द्वारा भाग्यनगर में भगवान गणेश के सामूहिक विसर्जन यात्रा में समिति द्वारा चारमीनार भाग्यलक्ष्मी मंदिर के पास स्थापित स्वागत मंच से गणेश उत्सव समितियों व भक्तों का स्वागत करते गाविंद राठी, अशोक फाउंडेशन के संस्थापक पंकज कुमार अग्रवाल व अन्य।

एनटीआर व केसीआर को छोड़कर तेलुगु राज्यों के सभी मुख्यमंत्रियों ने कमीशन के लिए काम किया : येर्रबेल्ली

मुलुगु, 28 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पंचायतीराज मंत्री येर्रबेल्ली दयाकर राव ने गुरुवार को एक दिलचस्प टिप्पणी करते हुए कहा कि आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एनटी रामाराव और वर्तमान तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव को छोड़कर, तेलुगु राज्यों के सभी मुख्यमंत्रियों ने कमीशन के लिए काम किया। यहां मुलुगु जिला मुख्यालय में एक कार्यक्रम में बोलते हुए, मंत्री येर्रबेल्ली दयाकर राव ने कहा कि वह लोकप्रिय फिल्म अभिनेता और टीडीपी के संस्थापक अध्यक्ष एनटी रामा राव को बहुत पसंद करेंगे और वह एनटीआर से प्रेरित होकर राजनीति में आए हैं। दयाकर राव ने कहा कि मेरे मन में अभी भी एनटीआर की बहुत प्रशंसा है। जहां भी अच्छे प्रशासन के बारे में बात करने की स्थिति आएगी, मैं निश्चित रूप से एनटीआर का नाम लूंगा क्योंकि उन्होंने प्रशासनिक व्यवस्था में उल्लेखनीय बदलाव लाए थे। अब, उसी तरह का प्रशासन तेलंगाना में मुख्यमंत्री के चन्द्रशेखर राव के नेतृत्व में भी जारी है। मंत्री ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने 60 वर्षों तक देश पर शासन किया।

हर्बल इस्टेट कोंडागांव बना देश की किसान-राजनीति का केंद्र

डॉ. राजाराम त्रिपाठी से मिलने पहुंचे राकेश टिकैत सहित दर्जनों किसान नेता

कोंडागांव, 28 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। देश के अग्रिम पंक्ति के जुझारू किसान नेता राकेश टिकैत राष्ट्रीय प्रवक्ता भाकियू, प्रवीण श्योकंद प्रदेश प्रभारी भाकियू छग, कृष्णा नरवाल, प्रदीप पांडेय आदि प्रदेश व देश के लगभग एक दर्जन वरिष्ठ किसान नेता कोंडागांव डॉ. राजाराम त्रिपाठी के निवास 'हर्बल इस्टेट' पर पहुंचे एवं "मां दंतेश्वरी हर्बल" परिसर के "बईठका-कक्ष" में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस को राकेश टिकैत तथा अखिल भारतीय किसान महासंघ (आईफा) के राष्ट्रीय संयोजक डॉ.राजाराम त्रिपाठी के द्वारा संयुक्त रूप से संबोधित किया गया। टिकैत ने कहां कि देश का पहला अंतर्राष्ट्रीय सर्टिफाइड ऑर्गेनिक फार्म" 1996 से छत्तीसगढ़ में है और यहां जैविक खेती की अपार संभावनाएं हैं इसलिए यहां 'ऑर्गेनिक बोर्ड' बनाया जाना चाहिए। आश्चर्यजनक है कि डॉ. राजाराम त्रिपाठी के नवाचारों तथा विशेषज्ञताओं से प्रेरणा लेकर भूटान जैसे देशों ने अपने आप को संपूर्ण जैविक देश घोषित कर दिया तथा अन्य कई प्रदेशों व देशों के प्रगतिशील किसान यहां से सीख कर बहुत अच्छा काम कर रहे हैं, परंतु प्रदेश तथा केंद्र सरकारें किसानों के व्यापक हित में डॉ. त्रिपाठी के अनुभवों नवाचारों का समुचित लाभ नहीं उठा रही हैं। टिकैत ने बस्तर में हर्बल एवं विलेज टूरिज्म को बढ़ावा देने की सलाह देते हुए हिमाचल प्रदेश का उदाहरण दिया।

डॉ. त्रिपाठी द्वारा हेलीकॉप्टर खरीदने के सवाल के जवाब में उन्होंने उल्टा सवाल किया कि क्यों भाई भारत का किसान हेलीकॉप्टर क्यों नहीं खरीद सकता? आगे उन्होंने कहा कि पहली बात तो यह कि हम सभी किसानों को गर्व है कि हमारे देश का किसान अपना हेलीकॉप्टर खुद उड़ानें जा रहा है। दूसरी महत्वपूर्ण बात यह है कि हेलीकॉप्टर द्वारा बस्तर के जलते हुए जंगल तथा खेतों की बीमारी पर संपूर्ण नियंत्रण की डॉ. त्रिपाठी की अनूठी योजना के लिए वो उन्हें बधाई देते हैं, हम सब सरकार से मांग करते हैं सरकार डॉ. त्रिपाठी के हेलीकॉप्टर योजना को तत्काल सब्सिडाइज किया जाय। डॉ. त्रिपाठी ने कहा कि आगामी चुनावों में न्यूनतम समर्थन मूल्य गारंटी हेतु सक्षम कानून लाने का मुद्दा सबसे प्रमुख मुद्दा है। इस मुद्दे पर लगभग ढाई सौ किसान संगठनों ने मिलकर "एमएसपी गारंटी मोर्चा" बनाया हुआ है। इसके राष्ट्रीय अध्यक्ष सरदार वीएम सिंह है। डॉ. त्रिपाठी जो कि इस मोर्चे के राष्ट्रीय प्रवक्ता भी है, ने कहा कि एक "सक्षम एसपी गारंटी कानून" लाने के मुद्दे पर देश के सारे किसान संगठन तथा किसान एकमत हैं।

डॉ. जयंत कर शर्मा अंतरराष्ट्रीय साहित्य भूषण सम्मान से सम्मानित

हैदराबाद, 28 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हिंदी अकादमी, मुंबई तथा गीतांजलि बहुभाषी समुदाय, बर्मिन्घम के सम्मिलित आयोजन से भारतीय प्रधान कौसुलावास, बर्मिंघम में एक बहुभाषी साहित्यिक संगोष्ठी का आयोजन हुआ। इसमें ओड़िशा के सेवानिवृत्त प्रोफेसर एवं कुलसचिव डॉ. जयंत कर शर्मा को उनकी राष्ट्रीय चेतना, सारस्वत साधना तथा साहित्य, समाज एवं शिक्षा के क्षेत्र में किए गए उल्लेखनीय कार्यों के साथ-साथ "साहित्य के माध्यम से भारत एवं ब्रिटेन के बीच सेतु निर्माण' कार्यक्रम में सक्रीय भूमिका निभाने हेतु अंतरराष्ट्रीय साहित्य भूषण सम्मान से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर भारतीय प्रधान कौसुलावास, बर्मिंघम के प्रभारी कांसुलेट जनराल अमन बंसल मुख्य अतिथि थे। इनके अतिरिक्त हिंदी अकादमी, मुंबई तथा गीतांजलि बहुभाषी समुदाय, बर्मिन्घम के संस्थापक अध्यक्ष डॉ.प्रमोद पांडेय तथा डॉ. कृष्णा कुमार उपस्थित रहे। डॉ.कृष्णा कुमार ने सभा की संयोजना की। इस अवसर पर डॉ.जयंत कर शर्मा की ओडिया के सुप्रसिद्ध स्वभाव कवि गंगाधर मेहेर विरचित महाकाव्य "प्रणय वल्लरी' का अनुसृजन पुस्तक का विमोचन किया गया। कार्यक्रम में एक बहुभाषी भारतीय कविता पाठ का भी आयोजन हुआ, जिसमें डॉ. शर्मा ने एक ओड़िया कविता एवं इसका हिंदी काव्य रूप प्रस्तुत किया।

धम्माईगुडा स्थित वैष्णव धाम राम मंदिर मे वैष्णव समाज द्वारा देवझुलनी ग्यारस के अवसर पर श्री कृष्ण जलवा रेवाड़ी शोभा यात्रा मे पुजा-अर्चनाकर, नाचते-गाते हुए उपस्थित अध्यक्ष विष्णु रामावत, बाबुलाल, संतोष टीलावत, राजुदास, नन्दकिशोर, सम्पतदास, महिला अध्यक्षा किरणलता, रेखा रामावत, समाज बन्धु व भक्तगण।

तेलुगु राज्यों में एक करोड़ भगवद्गीता पुस्तकों का वितरण : भूमना

तिरुपति, 28 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तिरुमला तिरूपति देवस्थानम (टीटीडी) के अध्यक्ष भूमना करुणाकर रेड्डी ने गुरुवार को चेन्नई में कहा कि टीटीडी जल्द ही छात्रों के बीच वितरण के लिए तमिल, कन्नड़ और हिंदी में एक करोड़ श्री भगवद्गीता का आसानी से पढ़ा जाने वाला संस्करण प्रकाशित करेगा। दोनों तेलुगु राज्य हिंदू सनातन धर्म के प्रचार-प्रसार का हिस्सा हैं। इससे पहले एजे शेखर रेड्डी ने चेन्नई में टीटीडी अध्यक्ष की उपस्थिति में टीटीडी सूचना केंद्र में श्री वेंकटेश्वर स्वामी के सामने चेन्नई स्थानीय सलाहकार समिति के अध्यक्ष के रूप में शपथ ली। बाद में पत्रकारों से बात करते हुए, टीटीडी अध्यक्ष ने कहा कि पोंटिफ और आचार्यों की सलाह पर, टीटीडी ने कल्याणमस्तु और श्रीवारी कल्याणोत्सवम जैसे कार्यक्रमों के पुनरुद्धार के साथ एक बड़े पैमाने पर धार्मिक अभियान शुरू करने की योजना बनाई है।

राज्य सरकार ने केंद्रीय जल आयोग को लिखा पत्र

पोलावरम बैकवाटर्स पर चिंताओं को दूर करने का आग्रह

हैदराबाद, 28 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार ने बुधवार को केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) को पोलावरम परियोजना बैकवाटर के प्रभाव पर उठाई गई चिंताओं को दूर करने के लिए तत्काल कदम उठाने के लिए लिखा है। केंद्रीय जल आयोग के अध्यक्ष को संबोधित पत्र में, राज्य इंजीनियर-इन-चीफ (जनरल) सी. मुरलीधर ने आयोग के साथ-साथ पोलावरम परियोजना प्राधिकरण (पीपीए) से केंद्र द्वारा सुप्रीम कोर्ट के समक्ष प्रस्तुत अपने अनुपालन हलफनामे में प्रस्तुत किए गए मुद्दों के अनुरूप मुद्दों को हल करने का अनुरोध किया। केंद्र सरकार ने 1 सितंबर को अनुपालन हलफनामा दायर किया था जिसमें कहा गया था कि आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के अधिकारियों ने एक संयुक्त सर्वेक्षण के लिए अपनी सहमति दी थी और सर्वेक्षण रिपोर्ट के आधार पर, पीपीए और एपी सरकार द्वारा आवश्यक उपाय किए जाने चाहिए और इस प्रकार मामले को आगे की कार्रवाई के लिए सुलझा लिया गया। हालाँकि, केंद्र का रुख जमीनी हकीकत के विपरीत था क्योंकि अब तक कोई भी गतिविधि नहीं की गई थी। यह सब महज 'दिखावा' साबित हुआ और सीडब्ल्यूसी/पीपीए द्वारा आयोजित विभिन्न बैठकों में दिए गए आश्वासनों को लागू नहीं किया गया।

तेलंगाना ने पहले ही पोलावरम परियोजना की अनुमोदित डीपीआर में अनुशंसित सुरक्षा बांधों के निर्माण की आवश्यकता पर जोर दिया था। राज्य ने नए सिरे से सार्वजनिक सुनवाई आयोजित करने का भी आह्वान किया क्योंकि पूर्ण जलाशय स्तर (एफआरएल) पर परियोजना में रोके गए पानी के कारण लगभग 954 एकड़ क्षेत्र डूब में आ रहा है। हाल की बाढ़ के बाद बैकवाटर के भारी प्रभाव की पृष्ठभूमि में, इसने महत्वपूर्ण सरचनाओं और जेबों पर बैकवाटर और जल निकासी की भीड़ के प्रभाव का पता लगाने के लिए डुम्मुगुडेम एनीकट और राज्य सीमा के बीच नदी के विस्तार का संयुक्त सर्वेक्षण करने के लिए कदम उठाने का आह्वान किया।

स्वतंत्रता सैनानी आजाद भगत सिंह जी की जयंती पर भूलक्ष्मी माता मन्दिर, मुस्लिमजंग पूल स्थित उनकी मूर्ति के पास आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित आजाद नीतेश येलादुरि, राजेश तोषनीवाल, रितेश चिंचोली, अनुराग शर्मा, अशर, जानियोमर, लड्डू यादव एवं अन्य।

एशियाड में स्विमिंग रिले टीम फाइनल में: 10 मीटर एयर पिस्टल में मेंस टीम ने जीता सोना ; वुशु में सिल्वर

हांगझोऊ, 28 अगस्त (एजेंसियां)। चीन के हांगझोउ में चल रहे 19वें एशियन गेम्स का आज 5वां दिन है। भारतीय मेंस स्विमिंग टीम 4x100 मीटर फ्री स्टाइल में नेशनल रिकॉर्ड के साथ फाइनल में पहुंच गई है।

इससे पहले 10 मीटर एयर पिस्टल में गुरुवार को भारतीय मेंस टीम ने दिन का पहला गोल्ड दिलाया। सरबजीत सिंह, अर्जुन सिंह और शिवा नरवाल की तिकड़ी ने इस इवेंट में 1734 स्कोर कर गोल्ड जीता।

वहीं भारतीय वूशु खिलाड़ी रोशिबिना देवी ने 60 किलो वेट कैटेगरी में सिल्वर जीता। भारतीय खिलाड़ी एशियन गेम्स 2022 में अब तक 6 गोल्ड, 8 सिल्वर और 10 ब्रॉन्ज सहित कुल 24 मेडल जीत चुके हैं।

वूशु- रोशिबिना देवी ने 60 किलो वेट कैटेगरी में दिन का पहला मेडल दिलाया। फाइनल में चीन की जियाओवेई वू से उन्हें 2-0 से हार का सामना करना पड़ा। इसके साथ ही उन्हें सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा। यह एशियाड के इतिहास में वुशु में भारत का दूसरा रजत मेडल है।

शूटिंगः सरबजीत सिंह, अर्जुन सिंह और शिवा नरवाल की तिकड़ी ने 10 मीटर पिस्टल मेंस इवेंट में 1734 स्कोर के साथ गोल्ड जीता। यह भारत का दिन का पहला गोल्ड है। इस इवेंट चीन ने 1733 स्कोर के साथ सिल्वर और वियतनाम ने 1730 का स्कोर कर ब्रॉन्ज जीता।

स्विमिंगः एशियन गेम्स में भारतीय मेंस स्विमिंग टीम ने 4 गुणा 100 मीटर फ्री स्टाइल में नेशनल रिकॉर्ड के साथ फाइनल में पहुंच गए हैं। भारतीय तैराक तनिष जॉर्ज मैथ्यू, विशाल ग्रेवाल, आनंद एएस और श्रीहरि नटराज ने पुरुषों के 4 गुणा मीटर में हीट में 3:21.22 का समय लेकर फाइनल में अपना स्थान पक्का किया। इसके साथ ही उन्होंने इस इवेंट में नया रिकॉर्ड भी अपने नाम किया।

क्रिकेटःएशियन गेम्स में मेंस क्रिकेट में ग्रुप सी के मैच में मलेशिया ने सिंगापुर को 73 रन से हराया। पहले बल्लेबाजी करते हुए मलेशिया ने निर्धारित 20 ओवर में 160 रन बनाए। वहीं 161 रन का पीछा करने उतरी सिंगापुर ने 17.5 ओवर में 87 रन पर ऑलआउट हो गई।

बैडमिंटनः महिला टीम राउंड ऑफ 16 मैच में भारत ने मंगोलिया को 3-0 से हराया। भारत अब क्वार्टरफाइनल में पहुंच गया है। बैडमिंटन में पीवी सिंधु ने भारतीय विमेंस टीम को जीत के साथ शुरुआत दिलाई है। उन्होंने मंगोलियाई खिलाड़ी को 21-2, 21-3 से हराकर भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। वहीं अश्मिता चालिहा ने खेरलेन दरखानबातर को 21-2, 21-3 से हराकर भारत को मंगोलिया के खिलाफ 2-0 की बढ़त दिलाई।

स्क्वैशः भारत की तन्वी खन्ना मलेशिया की आइफा से 11-9, 1-11, 11-7, 11-13, 5-11 से हार गईं। भारतीय महिला टीम पूल मैच में 2-0 से पीछे है।

शूटिंग में अब हुए 11 मेडल

शूटिंग में अब 11 मेडल हो गए हैं, इनमें 3 गोल्ड हैं। 28 सितंबर को पांचवें दिन 10 मीटर एयर पिस्टल में सरबजीत सिंह, अर्जुन सिंह और शिवा नरवाल की तिकड़ी ने गोल्ड जीता। इससे पहले 27 सितंबर को चौथे दिन 25 मीटर रैपिड फायर में विमेंस टीम मनु भाकर, ईशा सिंह और रिदम सांगवान ने तो 25 सितंबर 10 मीटर एयर राइफल में दिव्यांश सिंह पंवार,ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर और रुद्राक्ष पाटिल ने गोल्ड जीता था।

वूशु में भारत ने अब तक 10 मेडल

एशियन गेम्स के इतिहास में भारत ने वूशु में अब तक 10 मेडल जीते हैं, जिसमें 2 सिल्वर और आठ ब्रॉन्ज शामिल हैं। रोशिबिना देवी से पहले संध्यारानी देवी ने गुआंगझोऊ 2010 में महिलाओं के 60 किग्रा में पहला सिल्वर जीता था। रोशिबिना देवी का एशियाड में यह दूसरा मेडल है। इससे पहले उन्होंने 2018 एशियन गेम्स में 60 किलो वेट में ब्रॉन्ज मेडल जीता था।

5 दिनों में मेडल टैली में भारत

भारत को एशियन गेम्स में अब तक 23 मेडल हो चुके हैं। इनमें 5 गोल्ड हैं। इनमें 3 गोल्ड शूटिंग में आए हैं। एक गोल्ड घुड़सवारी टीम इवेंट में जीता। वहीं, महिला विमेंस क्रिकेट टीम ने भी गोल्ड जीता। इसके अलावा भारत को 7 सिल्वर मिले हैं। इनमें शूटिंग में 4, रोइंग में 2 और सेलिंग में 1 है। वहीं अब तक भारतीय खिलाड़ियों ने 10 ब्रॉन्ज मेडल जीते हैं। जिसमें रोइंग में 3 और शूटिंग में 6 ब्रॉन्ज मेडल मिले हैं, जबकि 2 सेलिंग में आए हैं।

चौथे दिन भारतीय एथलीटों ने जीते 8 मेडल

एशियाड के चौथे दिन भारतीय खिलाड़ियों ने 8 मेडल जीते, इनमें दो गोल्ड, 3 सिल्वर और 3 ब्रॉन्ज मेडल शामिल हैं। इस दिन 8 में से 2 गोल्ड सहित 7 मेडल शूटर्स ने दिलाए। इन मेडल की बदौलत भारत ओवरऑल मेडल टैली के छठे पायदान पर आ गया है। भारत के नाम अब तक 5 गोल्ड, 7 सिल्वर और 10 ब्रॉन्ज सहित कुल 22 मेडल हैं।

एशियन गेम्स में पंजाब के खिलाड़ी चमके

फरीदकोट की निशानेबाज सिफत को गोल्ड-सिल्वर; खेल मंत्री मीत हेयर ने दी बधाई

चंडीगढ़, 28 अगस्त (एजेंसियां)। हांगज़ू में जारी एशियन गेम्स में पंजाब के तीन खिलाड़ियों ने पदक झटक कर देश और राज्य का नाम रोशन किया है। जबकि पंजाब की निशानेबाज सिफत कौर समरा ने आज एक गोल्ड और सिल्वर मेडल भारत की झोली में डाला।

पुरुषों के स्किट मुकाबलो में पंजाब के अंगद वीर सिंह बाजवा और गुरजोत सिंह खंगूड़ा ने कांस्य पदक अपने नाम किया। इस पर पंजाब के खेल मंत्री गुरमीत सिंह मीत हेयर ने फरीदकोट की होनहार निशानेबाज सिफत कौर समेत दोनों स्किट निशानेबाजों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों ने अपने बेहतरीन प्रदर्शन से पंजाब और देश का नाम रोशन किया है।

सिफत कौर ने बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

गुरू नानक देव यूनिवर्सिटी अमृतसर की स्टूडेंट सिफत कौर ने हांगजू में 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन के व्यक्तिगत वर्ग में नया विश्व रिकार्ड बनाने सहित पदक अपने नाम किया। इसी मुकाबले में भारत की एक और निशानेबाज आशी चौकसी ने कांस्य पदक जीता। सिफत ने 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन के टीम वर्ग में सिल्वर मेडल भी अपने नाम किया।

खेल मंत्री ने दी बधाई

खेल मंत्री मीत हेयर ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत मान का पंजाब को खेल में फिर अग्रणी राज्य बनाने का सपना सिफत कौर जैसी खिलाड़ी पूरा करेंगी। उन्होंने कहा कि पंजाब के खिलाड़ी एशियन खेलों में लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। सिफत की इस उपलब्धि से पंजाब के युवा खिलाड़ियों विशेष रूप से लड़कियों के लिए प्रेरणा स्रोत है। उन्होंने इस उपलब्धि का श्रेय निशानेबाजों की कड़ी मेहनत और उनके परिजनों व प्रशिक्षकों को दिया।

'खेड़[illegible]डां वतन पंजाब दियां' के मार्च पास्ट का हिस्सा रही सिफत कौर

खेल मंत्री ने कहा कि सिफत कौर समरा 'खेड्डां वतन पंजाब दियां' के उद्घाटन समारोह का हिस्सा थी। उन्होंने बताया कि पंजाब सरकार ने एशियन खेलों की तैयारी के लिए पंजाब के खिलाड़ियों को 8-8 लाख रुपए का चैक सौंपा था।

निकहत जरीन क्वार्टर फाइनल में, शिवा थापा और संजीत बाहर; नागल और अंकिता को मिली हार

हांगझोऊ, 28 अगस्त (एजेंसियां)। बॉक्सिंग में निकहत ने दूसरे दौर में दक्षिण कोरिया की चोरोंग बाक पर 5-0 से आसान जीत दर्ज की। शिव आसान ड्रॉ का फायदा नहीं उठा सके और प्री-क्वार्टर फाइनल में किर्गिस्तान के अस्कत कुलताएव से 0-5 से हार गए।

दो बार की विश्व विजेता मुक्केबाज निकहत जरीन (50 किग्रा) ने एशियाई खेलों के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। वहीं, शिवा थापा (63.5 किग्रा) और संजीत (92 किग्रा) हारकर एशियाई खेलों से बाहर हो गए। निकहत ने दूसरे दौर में दक्षिण कोरिया की चोरोंग बाक पर 5-0 से आसान जीत दर्ज की। शिव आसान ड्रॉ का फायदा नहीं उठा सके और प्री-क्वार्टर फाइनल में किर्गिस्तान के अस्कत कुलताएव से 0-5 से हार गए। संजीत को विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता लाजिजबेक मुलोजोनोव से 0-5 से हार मिली।

भारत के जी साथियान और मनिका बत्रा की जोड़ी टेबल टेनिस के मिश्रित युगल के प्री क्वार्टर में पहुंच गई। उन्होंने थाईलैंड के नापत थानमाथिकोम और सुथासिनी को 10-12, 11-8, 11-3, 11-8 से पराजित किया। इसके अलावा हरमीत देसाई और श्रीजा अकुला की जोड़ी ने मकाऊ के ची चेंग चियोंग और हुई ली सिएक को 12-10, 11-7, 11-7 से पराजित किया। साथियान और बत्रा ने पहला गेम 10-12 से गंवा दिया था। दूसरे गेम एक समय स्कोर 6-6 था लेकिन यहां से वापसी की और उसके बाद अपने गेम का स्तर उठाया। तीसरे गेम में आसान जीत हासिल की। चौथे गेम में 10-5 की बढ़त के साथ अपना दबदबा बना लिया था। पुरुष युगल में मानव ठक्कर और मानुष शाह ने थाईलैंड की नपत और सितिसेक की जोड़ी को 11-8, 8-11, 11-6, 7-11, 12-10 से हराया।

भारत के एकल टेनिस खिलाड़ी 2006 के बाद पहली बार एशियाई खेलों से खाली हाथ लौटेंगे। सुमित नागल और पिछली बार की कांस्य पदक विजेता अंकिता रैना क्वार्टर फाइनल में हारकर बाहर हो गए। नागल के लिए दुनिया के 60वें नंबर के खिलाड़ी जिझेन झांग को हराना आसान नहीं था। वह दो घंटे 16 मिनट में 7-6, 1-6, 2-6 से हार गए। सोमदेव देववर्मन ने 2010 में पुरुष एकल में स्वर्ण जीता था। उसके बाद युकी भांबरी (2014 इंचियोन) और प्रजनेश गुणेश्वरन (2018 जकार्ता) ने कांस्य पदक जीता था। दोहा में 2006 में हुए खेलों में रोहन बोपन्ना और करण रस्तोगी एकल वर्ग में पदक दौर में नहीं पहुंच सके थे। रैना को जापान की हारूका राजी ने क्वार्टर फाइनल में 3-6, 6-4, 6-4 से पराजित किया। रामकुमार रामनाथन तीसरे और रूतुजा भोसले दूसरे दौर में ही हार गए थे। पुरुष युगल और मिश्रित युगल में भारतीय चुनौती अभी भी बाकी है।

एसएएफएफ अंडर -19 चैम्पियनशिपः भारतीय टीम ने नेपाल को दी शिकस्त, फाइनल में पाकिस्तान से होगा मुकाबला

नई दिल्ली, 28 अगस्त (एजेंसियां)। भारत की अंडर -19 फुटबॉल टीम ने दमदार प्रदर्शन किया है। टीम इंडिया ने सेमीफाइनल मैच में पेनल्टी शूटआउट के जरिए नेपाल को 3-2 से हरा दिया। अब भारतीय टीम पाकिस्तान के खिलाफ एसएएफएफ अंडर -19 चैम्पियनशिप के फाइनल में भिड़ेगी। भारत का मैच शनिवार को दशरथ स्टेडियम में होगा।

सेमीफाइनल मैच की बात की जाए तो निर्धारित समय तक स्कोर 1-1 रहने के बाद मैच टाईब्रेकर में चला गया। साहिल खुर्शीद ने 26वें मिनट में भारत को आगे कर दिया था, लेकिन नेपाल ने 74वें मिनट में समीर तमांग के गोल से बराबरी कर ली। इसके बाद दोनों टीमों के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली।

जब मुकाबला टाई-ब्रेकर में स्कोर 2-2 से बराबर था, तो मंगलेनथांग किपगेन स्टार बनकर उभरे, उन्होंने शानदार गोल दाग स्कोर 3-2 कर दिया और अपनी टीम को जीत दिला दी। किपगेन के अलावा, शूट-आउट में अन्य दो स्कोरर अर्जुन सिंह ओइनम और ग्वग्मसर गोयारी रहे। पूरे टूर्नामेंट में भारत ने शानदार प्रदर्शन किया। ग्रुप स्टेज में भारतीय टीम ने बांग्लादेश और भूटान को हराया। इसके बाद उसने नॉकआउट चरण के लिए क्वालीफाई किया।

किपगेन 66वें मिनट में ब्लू कोल्ट्स के कप्तान ईशान शिशोदिया के स्थान पर शामिल हुए। वहीं पाकिस्तान टीम के प्रदर्शन की बात की जाए तो दिन के पहले सेमीफाइनल में पाकिस्तान ने भूटान को 6-5 से हरा दिया था। वो मैच भी टाईब्रेकर में गया था।

अरुणाचल के खिलाड़ियों को वीजा नहीं मिला तो चीन पर भड़के शशि थरूर

नई दिल्ली, 28 अगस्त (एजेंसियां)। चीन ने जब अरुणाचल प्रदेश के तीनों एथलीट्स को वीजा जारी नहीं किया तो इसकी सोशल मीडिया पर खूब आलोचना हुई थी। लोगों ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा था कि चीन दुनिया के सामने गलत खेल भावना पेश कर रहा है। उसने जानबूझकर भारत के कुछ खिलाड़ियों को वीजा नहीं जारी किया।

चीन द्वारा अरुणाचल प्रदेश के वूशु खिलाड़ियों को वीजा नहीं दिए जाने का मामला शांत नहीं हुआ है। कांग्रेस के नेता शशि थरूर ने इसे लेकर चीन पर अपनी भड़ास निकाली है और इसे शर्मनाक बताया है। थरूर ने बुधवार को कहा कि भारत सरकार को मांग करनी चाहिए कि चीन को भविष्य में किसी भी अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता की मेजबानी के अधिकार से तब तक वंचित किया जाए जब तक वह हर मान्यता प्राप्त एथलीट को अनुमति नहीं देता।

चीन द्वारा तेगा ओनिलु, लामगु मेपुंग और वांगसू न्येमान को वीजा देने से इनकार करने के बाद खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने विरोध स्वरूप खेलों के लिए चीन के हांगझोऊ का अपना दौरा रद्द कर दिया था। एक्स (पहले ट्विटर) पर एक पोस्ट में थरूर ने लिखा, "हर कोई हांगझोऊ एशियाई खेलों में भारत द्वारा प्रतिदिन जीते जा रहे पदकों का जश्न मना रहा है, लेकिन हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि चीन ने अपमानजनक तरीके से तीन भारतीय एथलीटों को अपने देश में प्रवेश की अनुमति देने से इनकार कर दिया था, क्योंकि वे अरुणाचल प्रदेश में पैदा हुए थे।"

पूर्व विदेश राज्य मंत्री ने कहा कि इन तीन वुशू खिलाड़ियों को पदक जीतने या प्रतियोगिता की खुशी में हिस्सा लेने का मौका नहीं मिलेगा। थरूर ने आगे लिखा, ₹चीन की हरकत शर्मनाक है और जब खेल खत्म हो जाएंगे तो भारत को आधिकारिक तौर पर विरोध करना चाहिए। यह मांग करनी चाहिए कि चीन को भविष्य में किसी भी अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता की मेजबानी करने के अधिकार से वंचित किया जाए, जब तक कि वे हर मान्यता प्राप्त एथलीट को प्रवेश और भाग लेने की अनुमति न दें।₹

एयरपोर्ट से खिलाड़ियों को वापस लौटना पड़ा

चीन ने जब अरुणाचल प्रदेश के तीनों एथलीट्स को वीजा जारी नहीं किया तो इसकी सोशल मीडिया पर खूब आलोचना हुई थी। लोगों ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा था कि चीन दुनिया के सामने गलत खेल भावना पेश कर रहा है। उसने जानबूझकर भारत के कुछ खिलाड़ियों को वीजा नहीं जारी किया। अरुणाचल के तीनों खिलाड़ियों को दिल्ली एयरपोर्ट से वापस लौटना पड़ा था। इससे पहले भी 26 जुलाई को विश्व यूनिवर्सिटी खेलों के लिए इन्हीं तीनों खिलाड़ियों को चीन ने नत्थी वीजा जारी कर दिया था। इसके विरोध में भारत सरकार ने पूरी वूशु टीम को एयरपोर्ट से वापस बुला लिया था। तब चीन को फजीहत झेलनी पड़ी थी।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने चीन पर साधा था निशाना

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने पिछले हफ्ते चीन पर निशाना साधते हुए कहा था, 'भारत सरकार को पता चला है कि चीनी अधिकारियों ने पूर्व-निर्धारित तरीके से अरुणाचल प्रदेश के कुछ भारतीय खिलाड़ियों को चीन के हांगझोऊ में होने वाले 19वें एशियाई खेलों में मान्यता और प्रवेश से वंचित करके उनके साथ भेदभाव किया है। भारत दृढ़ता से अधिवास या जातीयता के आधार पर भारतीय नागरिकों के साथ भेदभावपूर्ण व्यवहार को अस्वीकार करता है। अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न और अविभाज्य अंग था, है और रहेगा। चीन की कार्रवाई एशियाई खेलों की भावना और उनके आचरण को नियंत्रित करने वाले नियमों दोनों का उल्लंघन करती है।

वर्ल्ड कप के बाद वनडे से रिटायरमेंट लेंगे नवीन-उल-हक

कोहली के साथ विवाद के बाद आए थे चर्चा में, महज 24 साल की उम्र में लिया फैसला

काबुल, 28 अगस्त (एजेंसियां)। अफगानिस्तान के तेज गेंदबाज नवीन-उल-हक ने वनडे इंटरनेशनल से रिटायरमेंट लेने की घोषणा की है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट करके इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि भारत में होने वाले वर्ल्ड कप के खत्म होने के बाद वह वनडे को अलविदा कह देंगे।

24 साल के नवीन ने 2016 में वनडे करियर की शुरुआत की थी। नवीन ने 2021 के बाद से वनडे मैच नहीं खेला है। उन्होंने सात वनडे खेले और 14 विकेट हासिल किए।

'अपने देश का नेतृत्व करना मेरे लिए बहुत गर्व की बात है। मैं इस वर्ल्ड कप के बाद वनडे फॉर्मेट से संन्यास लेने की घोषणा करता हूं। मैं अपने देश के लिए टी-20 फॉर्मेट खेलता रहूंगा। यह फैसला लेना आसान नहीं था, लेकिन अपने खेल करियर को आगे बढ़ाने के लिए यह कठिन निर्णय लेना पड़ा। मैं अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड, और अपने सभी प्रशंसकों का उनके समर्थन के लिए धन्यवाद करता हूं।'

बता दें, लखनऊ के इकाना में 1 मई को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने लखनऊ सुपर जायंट्स को हरा दिया था। इस मैच के दौरान विराट कोहली, नवीन उल-हक और गौतम गंभीर के बीच विवाद हो गया था। एक रिपोर्ट की माने तो कोहली ने नवीन को जूता दिखाते हुए स्लेजिंग की और उसके बाद मामला बढ़ता गया।

इससे पहले साल 2020 में नवीन की पाकिस्तान के मोहम्मद आमिर और शाहिद अफरीदी के साथ भी नोक-झोक हुई थी। 2020 में वो लंका प्रीमियर लीग में कैंडी टस्कर्स के लिए खेल रहे थे। तब नवीन और मोहम्मद आमिर के बीच गाली-गलौज की खबर थी। वहीं मैच के बाद के हैंडशेक के दौरान, शाहिद अफरीदी और नवीन के बीच कहा-सुनी होने का वीडियो भी सामने आया था।

नागल और अंकिता क्वार्टर फाइनल में हारकर बाहर

भारतीय एकल टेनिस खिलाड़ी बिना पदक के लौटेंगे

हांगझोऊ, 28 अगस्त (एजेंसियां)। नागल के लिए दुनिया के 60वें नंबर के खिलाड़ी जिझेन झांग को हराना आसान नहीं था। वह दो घंटे 16 मिनट में 7-6, 1-6, 2-6 से हार गए। सोमदेव देववर्मन ने 2010 में पुरुष एकल में स्वर्ण जीता था।

भारत के एकल टेनिस खिलाड़ी 2006 के बाद पहली बार एशियाई खेलों से खाली हाथ लौटेंगे। सुमित नागल और पिछली बार की कांस्य पदक विजेता अंकिता रैना क्वार्टर फाइनल में हारकर बाहर हो गए।

नागल के लिए दुनिया के 60वें नंबर के खिलाड़ी जिझेन झांग को हराना आसान नहीं था। वह दो घंटे 16 मिनट में 7-6, 1-6, 2-6 से हार गए। सोमदेव देववर्मन ने 2010 में पुरुष एकल में स्वर्ण जीता था। उसके बाद युकी भांबरी (2014 इंचियोन) और प्रजनेश गुणेश्वरन (2018 जकार्ता) ने कांस्य पदक जीता था।

दोहा में 2006 में हुए खेलों में रोहन बोपन्ना और करण रस्तोगी एकल वर्ग में पदक दौर में नहीं पहुंच सके थे। रैना को जापान की हारूका राजी ने क्वार्टर फाइनल में 3-6, 6-4, 6-4 से पराजित किया। रामकुमार रामनाथन तीसरे और रूतुजा भोसले दूसरे दौर में ही हार गए थे। पुरुष युगल और मिश्रित युगल में भारतीय चुनौती अभी भी बाकी है।

भगवान विनायक मूर्तियों के विसर्जन के साथ गणेश उत्सव संपन्न

जगह-जगह पर तैनात रहे पुलिसकर्मी, भक्तों में दिखा भारी उत्साह

हैदराबाद, 28 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नौ दिवसीय गणेश चतुर्थी उत्सव के बाद जलाशयों में भगवान विनायक की मूर्तियों के विसर्जन की प्रक्रिया गुरुवार को व्यापक सुरक्षा व्यवस्था के बीच चल रही है। 'निमाज्जनम' (विसर्जन) प्रक्रिया के दौरान भगवान विनायक की लगभग 90,000 मूर्तियों को हुसैन सागर और कई अन्य झीलों और जलाशयों में विसर्जित किए जाने की उम्मीद है। हर साल हैदराबाद में गणेश चतुर्थी उत्सव का मुख्य आकर्षण शहर के मध्य भाग में खैरताबाद में स्थापित ऊंची मूर्ति होती है।

आयोजकों ने इस साल 63 फीट ऊंची मूर्ति स्थापित की है और इसे गुरुवार सुबह विसर्जन के लिए ले जाया गया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि रचाकोंडा पुलिस कमिश्नरेट में ही इस साल पूजा के लिए 11,000 से ज्यादा मूर्तियां स्थापित की गईं। सरकार ने विसर्जन के लिए शहर में क्रेन तैनात करने सहित पर्याप्त व्यवस्था की है। इस बीच, पुलिस ने यह सुनिश्चित करने के लिए व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की है कि कार्यक्रम सुचारू रूप से चले। विसर्जन के लिए राज्य की राजधानी और इसकी परिधि में 30,000 से अधिक सुरक्षाकर्मी ड्यूटी पर हैं, जो शुक्रवार तक जारी रहने की उम्मीद है।

गणेश जुलूस ने धार्मिक उत्साह से सराबोर कर दिया

हैदराबाद, 28 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद गुरुवार को रंगों और भक्ति के समुद्र में नहाया हुआ था, जब वार्षिक खैरताबाद गणेश शोभा यात्रा लगभग 9:00 बजे शुरू हुई। इस भव्य जुलूस ने बड़ी संख्या में लोगों को आकर्षित किया जो यह नजारा देखने के लिए सड़कों पर उमड़ पड़े। इस शानदार आयोजन का केंद्र बिंदु विशाल खैरताबाद गणेश की मूर्ति थी, जो सजावट से सजी हुई 60 फीट से अधिक ऊंची थी। जैसे ही जुलूस रवाना हुआ, हवा पारंपरिक संगीत और मंत्रों की ध्वनि से भर गई। सभी सड़कें टैंक बंड की ओर जाती थीं, जहां मुख्य जुलूस का समापन होना था।

सड़कें उत्सुक भक्तों से भरी हुई हैं। हैदराबाद ट्रैफिक पुलिस भारी भीड़ को प्रबंधित करने और यातायात के सुचारू प्रवाह को सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। उन्होंने सोशल मीडिया पर खैरताबाद गणेश जुलूस के बारे में मिनट-टू-मिनट अपडेट प्रदान किया, यात्रियों को भीड़ कम करने के लिए वैकल्पिक मार्गों का मार्गदर्शन किया। दोपहर तक, दिन का मुख्य आकर्षण, विशाल बड़ा गणेश मूर्ति का विसर्जन पूरा होने की उम्मीद है। इसके साथ ही, शहर के विभिन्न हिस्सों में अन्य गणेश जुलूस भी चल रहे हैं। इस बीच, शहर के दूसरे कोने में, बहुप्रतीक्षित बालापुर लड्डू की नीलामी हुई। बालापुर लड्डू ने इस साल 27 लाख रुपये की आश्चर्यजनक कमाई की।

मंत्री तलसानी व मेयर विजयलक्ष्मी ने किया शहर के मुख्य चौराहों का दौरा

हैदराबाद, 28 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। गणेश निमज्जन शोभायात्रा के अवसर पर मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने शहर के मुख्य चौराहों का दौरा किया और व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने सिकंदराबाद, टैंकबंड, चारमीनार और अन्य क्षेत्रों का दौरा कर स्थिति का निरीक्षण किया। उन्होंने पहले से ही अधिकारियों को सभी प्रकार की व्यवस्थाएं करने के निर्देश दे दिये थे, ताकि लोगों को किसी भी समस्या का सामना न करना पड़े।

हर साल की तरह गणेश उत्सव से दो महीने पहले ही सारे काम निपटा लिए जाते हैं। उधर, ग्रेटर हैदराबाद नगर

निगम (जीएचएमसी) की मेयर गदवाल विजयलक्ष्मी ने खैरताबाद में महा गणेश विसर्जन की निगरानी की, उन्होंने कहा कि यह दोपहर ठीक 1:30 बजे संपन्न हुआ। इस अवसर पर हैदराबाद मेट्रोपॉलिटन डेवलपमेंट अथॉरिटी के आयुक्त अरविंद, जीएचएमसी के आयुक्त रोनाल्ड रोज़, पुलिस आयुक्त सीवी आनंद, डीआरएफ प्रमुख प्रकाश रेड्डी, बिजली, पानी और पर्यटन विभागों के प्रतिनिधियों के साथ-साथ कई अन्य विभाग भी उपस्थित थे। उन्होंने सहयोग के लिए शहरवासियों का आभार व्यक्त किया।

बालापुर गणेश लड्डू 27 लाख में बिका

हैदराबाद, 28 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद सर्वकालिक रिकॉर्ड तोड़ते हुए, प्रसिद्ध बालापुर गणेश लड्डू 'प्रसादम' 27 लाख रुपये में बिक गया।

नीलामी के 30वें वर्ष में 27 लाख रुपए में बिका है। 21 किलोग्राम का 'बंगारू लड्डू' (गोल्डन लड्डू), जैसा कि स्थानीय लोग कहते हैं, को गुरुवार को बालापुर गणेश उत्सव समिति द्वारा आयोजित एक खुली नीलामी में रंगा रेड्डी जिले के तुर्कयमजल के दसारी दयानंद रेड्डी ने खरीदा। 1,116 रुपये से शुरू हुई नीलामी में बालापुर के गैर-स्थानीय लोगों सहित 36 व्यक्तियों ने प्रतिस्पर्धी बोली लगाई। दयानंद रेड्डी ने कहा कि पिछले साल उन्होंने नीलामी में हिस्सा लिया था और 22.40 लाख रुपये की बोली में दूसरे स्थान पर रहे थे। भगवान की कृपा से, इस बार मैं लड्डू के लिए सफलतापूर्वक बोली लगा सका। मैं अपने माता-पिता को उपहार के रूप में लड्डू पेश करूंगा। पिछले साल, स्थानीय किसान वंगेती लक्ष्मा रेड्डी ने इस लड्डू की 24.60 लाख रुपये में सफलतापूर्वक बोली लगाई थी। अगले साल से, बालापुर गणेश उत्सव समिति ने नीलामी के लिए अपना नाम दर्ज कराने के लिए बालापुर के स्थानीय लोगों से भी पिछले साल की सफल बोली की नीलामी राशि इकट्ठा करने का फैसला किया। अब तक, बालापुर के स्थानीय लोगों को राशि का भुगतान करने के लिए नीलामी की तारीख से एक वर्ष का समय दिया जाता है, जबकि बालापुर के गैर-स्थानीय लोगों को पिछले वर्ष की सफल बोली राशि जमा करने के बाद ही नीलामी के लिए नामांकित किया जाता है। बालापुर गणेश लड्डू की नीलामी 1994 से शुरू होती है, जब एक स्थानीय किसान, कोलन मोहन रेड्डी ने इसकी बोली 450 रुपये में लगाई थी।

मोहन रेड्डी ने अपने परिवार और स्थानीय लोगों को लड्डू प्रसादम वितरित करने के बाद, इसे अपने खेत में छिड़का और उपज बढ़ती गई। इसके परिणामस्वरूप यह धारणा काफी हद तक मजबूत हो गई कि यहां का लड्डू स्वास्थ्य, धन और समृद्धि लाता है।

गणेश लड्डू की सवा करोड़ रुपए की नीलामी

हैदराबाद, 28 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सभी रिकॉर्ड तोड़ते हुए, सन सिटी, बंडलागुडा जागीर में रिचमंड विला में गणेश लड्डू गुरुवार को 1.25 करोड़ रुपये में नीलाम हुआ। पिछले साल यह लड्डू लगभग 65 लाख रुपये में बिका था। हर साल, रिचमंड विला निवासी उत्सव के हिस्से के रूप में गणेश लड्डू की नीलामी का आयोजन करते हैं। आयोजकों के अनुसार, नीलामी से प्राप्त धन का उपयोग स्कूलों, स्वास्थ्य देखभाल और गैर सरकारी संगठनों को किराने के सामान की आपूर्ति सहित दान उद्देश्यों के लिए किया जाता है।

आयोजकों ने कहा, "नीलामी से जुटाया गया पूरा पैसा चैरिटी में जाएगा।" उन्होंने सभी गेटेड समुदायों से दान के लिए अपना योगदान देने की अपील की।

आर्टिलरी सेंटर हैदराबाद ने 197वां गनर्स डे मनाया

हैदराबाद, 28 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आर्टिलरी सेंटर हैदराबाद ने 28 सितंबर 2023 को 197वां गनर्स डे मनाया। गनर्स डे 28 सितंबर, 1827 को पहली भारतीय आर्टिलरी यूनिट, 5 (बॉम्बे) माउंटेन बैटरी की स्थापना की याद दिलाता है। इस अवसर को चिह्नित करने के लिए, केंद्र ने इस विशेष दिन पर परंपरा, एकता और वीरता का सम्मान करने के लिए तोपखाने के सेवारत और सेवानिवृत्त कर्मियों को एक साथ लाया। दिन की शुरुआत राष्ट्र की सेवा में अपने प्राणों की आहुति देने वाले बहादुर बंदूकधारियों को मार्मिक श्रद्धांजलि देने के लिए एक भव्य पुष्पांजलि समारोह के साथ हुई। कमांडेंट, आर्टिलरी सेंटर हैदराबाद, दिग्गजों और अग्निवीरों ने युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की। इसके बाद सभी सेवारत, सेवानिवृत्त गनर और अग्निवीरों के बीच बातचीत हुई। सभी अग्निवीर सेवानिवृत्त गनरों की समृद्ध विरासत और अनुभव से प्रेरित थे। शाम को, समृद्ध विरासत को प्रदर्शित करने के लिए एक मंत्रमुग्ध कर देने वाला प्रकाश और ध्वनि शो आयोजित किया गया। इस अद्भुत दृश्य ने तोपखाने के शानदार इतिहास, उपलब्धियों और स्थायी परंपराओं को स्पष्ट रूप से दर्शाया।

आर्टिलरी रेजिमेंट को समृद्ध परंपराओं और वीरतापूर्ण उपलब्धियों से परिपूर्ण गौरवशाली अतीत पर गर्व है। जब भी हमारे राष्ट्र की अखंडता को खतरा हुआ है, इसने हर अवसर पर खुद को युद्ध जीतने वाले कारक के रूप में बरी कर दिया है। गनर्स ने चल रहे आतंकवाद विरोधी अभियानों में अपने उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रशंसा भी हासिल की है। रेजिमेंट का युद्ध और शांति के साथ-साथ विदेशों में मिशनों में राष्ट्र की सेवा करने का गौरवशाली इतिहास है और यह अपनी पेशेवर उत्कृष्टता, निस्वार्थ समर्पण और कर्तव्य के प्रति अत्यधिक समर्पण के लिए जानी जाती है।

इसने विरोधियों के साथ सभी प्रमुख संघर्षों और आपदाओं और प्राकृतिक आपदाओं के दौरान राष्ट्र को महत्वपूर्ण सेवा प्रदान की है। कार्यक्रम में मेजर जनरल राकेश मनोचा, सेना मेडल, विशिष्ट सेवा मेडल, जनरल ऑफिसर कमांडिंग, तेलंगाना और आंध्र सब एरिया (टीएएसए) की उपस्थिति रही। उन्होंने बताया कि तोपखाने के जवानों ने हमेशा देश की रक्षा के प्रति असाधारण समर्पण, वीरता और अटूट प्रतिबद्धता दिखाई है और भारतीय सेना को गनर्स की उपलब्धि पर गर्व है।

विशाखापट्टणम-सिकंदराबाद विशेष ट्रेन सेवा का विस्तार

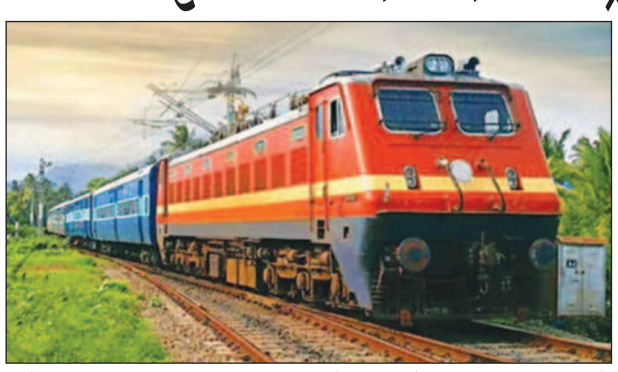

हैदराबाद, 28 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। ईस्ट कोस्ट रेलवे ने विशाखापत्तनम-सिकंदराबाद-विशाखापत्तनम और विशाखापत्तनम-तिरुपति-विशाखापत्तनम साप्ताहिक विशेष ट्रेनों की सेवाओं का विस्तार करने का निर्णय लिया है।

ट्रेन नंबर 08579 विशाखापत्तनम-सिकंदराबाद साप्ताहिक विशेष ट्रेन 4 अक्टूबर से 29 नवंबर तक बुधवार को 19.00 बजे विशाखापत्तनम से रवाना होगी और अगले दिन 09.05 बजे सिकंदराबाद पहुंचेगी। वापसी दिशा में ट्रेन नंबर 08580 सिकंदराबाद-विशाखापत्तनम साप्ताहिक स्पेशल 5 अक्टूबर से 30 नवंबर तक गुरुवार को 19.40 बजे सिकंदराबाद से रवाना होगी और अगले दिन 09.15 बजे विशाखापत्तनम पहुंचेगी। ये ट्रेनें विशाखापत्तनम और सिकंदराबाद के बीच दुव्वाडा, अनाकापल्ले, अन्नवरम, समालकोट, राजमुंदरी, निदादावोलु, तनुकु, भीमावरम टाउन, कैकालुरु, गुडीवडा, विजयवाड़ा, गुंटूर, सत्तेनपल्ले, मिर्यालगुडा और नलगोंडा स्टेशनों पर रुकेंगी।

इसी तरह, ट्रेन नंबर 08583 विशाखापत्तनम-तिरुपति साप्ताहिक विशेष ट्रेन 2 अक्टूबर से 27 नवंबर तक सोमवार को 19.00 बजे विशाखापत्तनम से रवाना होगी और अगले दिन 09.15 बजे तिरुपति पहुंचेगी।

वापसी दिशा में ट्रेन नंबर 08584तिरुपति-विशाखापत्तनम साप्ताहिक स्पेशल 3 अक्टूबर से 28 नवंबर तक मंगलवार को 21.55 बजे तिरुपति से रवाना होगी और अगले दिन 10.15 बजे विशाखापत्तनम पहुंचेगी। विशाखापत्तनम और तिरुपति के बीच दुव्वाडा, अनाकापल्ले, अन्नवरम, समालकोट, राजमुंदरी, ताडेपल्लीगुडेम, एलुरु, विजयवाड़ा, तेनाली, चिराला, ओंगोल, नेल्लोर, गुडूर, श्रीकालाहस्ती और रेनिगुंटा स्टेशनों पर रुकेंगी।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.